सुविचार

ऐसे जिएं कि जैसे आपको कल मरना है और सीखें ऐसे जैसे आपको हमेशा जीवित रहना है।

–महात्मा गांधी

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Friday, 31 January 2025 ● Year : 03 ● Issue : 18 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12

Kiara Advani Reaches...

अमेरिका में 28 लोगों की मिली डेड बॉडी

सेना के हेलीकॉप्टर से टकराया यात्री विमान

NEW DELHI @ PTI : वाशिंगटन के निकट रोनाल्ड रीगन राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते समय एक यात्री विमान बुधवार को सेना के एक हेलीकॉप्टर से टकरा गया, जिससे उसपर सवार सभी 60 यात्रियों और चालक दल के चार सदस्यों की जान जाने की आशंका जताई जा रही है, फिलहाल 28 लोगों के शव बरामद किये गए हैं, जिसमें एक शव हेलीकॉप्टर सवार व्यक्ति का है। घटनास्थल पर करीब 300 बचावकर्मी मौजूद थे। हवाई अड्डे के ठीक उत्तर में जॉर्ज वॉशिंगटन पार्कवे के किनारे एक बिंदु से पोटोमैक नदी में बचाव के लिए नावों को उतारा गया। इलाके

- 64 लोगों को लेकर जा रहा था यात्री विमान
- तीन टुकड़ों में अमेरिकन एयरलाइंस के विमान का मलबा पोटोमैक नदी में मिला

में रोशनी की व्यवस्था की गई है। अमेरिकी सेना ने बताया कि हेलीकॉप्टर वर्जीनिया के फोर्ट बेलवोइर में तैनात यूएच-60 ब्लैकहॉक था। हेलीकॉप्टर प्रशिक्षण उड़ान पर था।

आज से शुरू होगा संसद का बजट सत्र

AGENCY NEW DELHI : गुरुवार को संसद के बजट सेशन से एक दिन पहले केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई। संसद की एनेक्सी में बैठक हुई। इसमें आगामी केंद्रीय बजट को लेकर केंद्र सरकार ने सभी दलों के साथ चर्चा की गई। बैठक में 36 दलों के 52 नेता शामिल हुए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसकी अध्यक्षता की। संसद के बजट सत्र की शुरूआत 31 जनवरी को पार्लियामेंट के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अभिभाषण से होगी और फिर अगले दिन एक फरवरी को आम बजट पेश किया जाएगा। बता दें कि इस बार वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण लगातार 8वां बजट पेश करेंगी। तीन फरवरी से लोकसभा और राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा शुरू हो जाएगी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्षी नेताओं से अपील की कि वे संसद सत्र के दौरान सहयोग करें, ताकि सदन में सुचारू रूप से चर्चा हो सके।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक

- मीटिंग में 36 विभिन्न राजनीतिक दलों के 52 नेताओं ने की शिरकत
- दोनों सदनों के संयुक्त सत्र में पहले दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का होगा अभिभाषण
- एक फरवरी को पेश किया जाएगा आम बजट

6 फरवरी को पीएम मोदी देंगे जवाब

बजट सत्र दो चरणों में होगा। पहला चरण 31 जनवरी से 13 फरवरी तक चलेगा। इसमें नौ बैठकें होंगी। पीएम मोदी छह फरवरी को राज्यसभा में बहस का जवाब दे सकते हैं। इसके बाद दोनों सदन 13 फरवरी तक स्थगित हो जाएंगे।

'इंडिया' ब्लॉक के सभी नेता एक साथ उठाएंगे मुद्दे

बैठक में पहुंचे कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि विपक्षी नेताओं ने फैसला किया है कि 'इंडिया' ब्लॉक बजट सत्र में कुंभ, बेरोजगारी और किसानों के मुद्दों पर चर्चा चाहती है। उन्होंने कहा कि कुंभ में वीआईपी लोगों के आने के कारण आम आदमी परेशान हो रहे हैं। संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि मीटिंग अच्छी रही। पार्टी नेताओं ने कुछ मुद्दे उठाए हैं और उन पर चर्चा की मांग की। कमेटी तय करेगी कि किन मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

सीजीएल एग्जाम में गड़बड़ी की शिकायतें कई, पुख्ता साक्ष्य नहीं

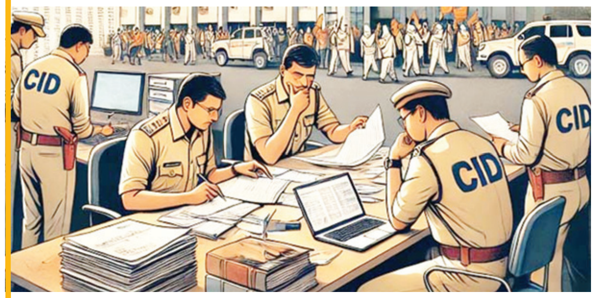

- सीआईडी ने की थी अभ्यर्थियों और आम लोगों से जानकारी देने की अपील
- वाट्सएप चैट, फोटोग्राफ और वीडियो रिकॉर्डिंग में कोई साफ प्रूफ नहीं

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड स्टाफ सेलेक्शन कमीशन (जेएसएससी) की ओर से आयोजित सीजीएल एग्जाम पेपर लीक मामले की जांच कर रही झारखंड सीआईडी को अब तक गड़बड़ी संबंधी साक्ष्य की कोई पुख्ता जानकारी नहीं दी गई है। बता दें कि कुछ दिन पहले ही सीआईडी ने आम लोगों से जेएसएससी सीजीएल परीक्षा-2023 में कथित गड़बड़ी और अनियमितता को लेकर किसी परीक्षार्थी अथवा अन्य के पास कोई साक्ष्य (अभिलेख, ऑडियो-वीडियो) या अन्य जानकारी है तो मोबाइल नंबर 9934309058 पर उपलब्ध करने की अपील की थी। सीआईडी की अपील के बाद उसे अब तक 60 से ज्यादा शिकायतें मिल चुकी हैं। कई डिजिटल एविडेंस आम लोगों ने उपलब्ध करवाए हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि सीआईडी को किसी भी एविडेंस की पुख्ता जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जा सकी है। लोगों ने वाट्सएप चैट, फोटोग्राफ और वीडियो रिकॉर्डिंग सीआईडी को भेजे गए हैं। वाट्सएप चैट का कोई नंबर नहीं दिया गया है। प्रश्न पत्र हाथ में पकड़े एक व्यक्ति को दिखाया जा रहा है, लेकिन उसकी तस्वीर नहीं है। ऐसे में इस प्रकार के साक्ष को पुख्ता नहीं माना जा सकता है। जेएसएससी सीजीएल पेपर लीक मामले में झारखंड हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव व जस्टिस दीपक रोशन की खंडपीठ ने सुनवाई करते हुए तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया था। परिणाम अगले आदेश तक घोषित नहीं करने की भी बात कही है। राज्य सरकार, मुख्य सचिव, गृह विभाग के प्रधान सचिव व सदर थाना प्रभारी को प्रार्थियों ने प्रतिवादी बनाया है। आरोपों की जांच करने और अगली सुनवाई की तारीख तक जांच का स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश कोर्ट ने सीआईडी को दिया है।

एसआईटी कर रही मामले की जांच

कथित पेपर लीक के आरोपों की जांच के लिए डीजीपी अनुराग गुप्ता के आदेश पर एसआईटी गठित की गई है। एसआईटी का नेतृत्व सीआईडी डीआईजी संध्या रानी मेहता कर रही हैं। टीम में रांची पुलिस के अधिकारियों को भी रखा गया है। डीजीपी के गठित एसआईटी में अध्यक्ष संध्या रानी मेहता, सदस्य सीआईडी एसपी निधि द्विवेदी, रांची के ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल, रांची के मुख्यालय 1 डीएसपी अमर कुमार पांडेय, सीआईडी में प्रतिनियुक्त डीएसपी मुन्ना प्रसाद गुप्ता मामले की जांच कर रहे हैं।

SHARE

सेंसेक्स	:	76,759.81
निफ्टी	:	23,249.50

SARAFA

सोना	:	7,785
चांदी	:	106.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

ठाणे से चार बांग्लादेशी महिलाएं गिरफ्तार

MUMBAI : गुरुवार को ठाणे जिले के मनोर पाड़ा में स्थित एक घर में छापा मारकर पुलिस ने चार बांग्लादेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले में इन बांग्लादेशी नागरिकों को घर किराये पर देने वाले मकानमालिकों की तलाश कर रही है। पुलिस पिछले तीन दिनों में मुंबई और पालघर से 22 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर चुकी है। इन सबकी गहन छानबीन जारी है। पुलिस ठाणे पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मनोर पाड़ा के चाल में बांग्लादेशी महिलाओं के रहने की सूचना मिली थी। इस पर आज सुबह पुलिस ने मनोर पाड़ा में छापा मारकर चार बांग्लादेशी महिलाओं को हिरासत में लिया। इसके बाद चारों को मनोर पुलिस स्टेशन में लाकर छानबीन की गई और इसके बाद पुलिस ने चारों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस इन चारों को मकान किराए पर देने वालों की तलाश कर रही है।

बेहतरीन मार्च दस्ते व झांकी हुए पुरस्कृत

NEW DELHI : गुरुवार को रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने 76वें गणतंत्र दिवस परेड के सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दस्तों और झांकियों को बृहस्पतिवार को पुरस्कृत किया। झांकियों की श्रेणी में प्रयागराज में जारी महाकुंभ मेले को प्रदर्शित करने वाली उत्तर प्रदेश की झांकी को पहला पुरस्कार मिला, जबकि जम्मू और कश्मीर राइफल्स के मार्चिंग दस्ते को तीनों सशस्त्र सेवाओं के दस्तों में सर्वश्रेष्ठ चुना गया। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, शाश्वत श्रद्धा विषय पर आधारित त्रिपुरा की झांकी ने राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियों की श्रेणी में दूसरा पुरस्कार जीता है। पर्यावरण अनुकूल लकड़ी के खिलौनों को प्रदर्शित करने वाली आंध्र प्रदेश की झांकी को तीसरे स्थान पर रही। ये पुरस्कार दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रंगशाला शिविर में आयोजित एक समारोह में प्रदान किए गए।

सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाईकोर्ट के फैसला को किया रद्द

नियुक्ति प्रक्रिया में जेटेट अभ्यर्थी ही होंगे शामिल

सहायक शिक्षक भर्ती

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में सहायक शिक्षक (आचार्यों) पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया में केवल जेटेट अभ्यर्थी ही भाग लेंगे। पड़ोसी राज्यों से टेट पास करने वाले और सीटेट अभ्यर्थी हिस्सा नहीं ले सकेंगे। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाईकोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया। हाईकोर्ट ने झारखंड में सहायक शिक्षक पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया में पड़ोसी राज्यों से सीटेट या टेट पास करने वालों को हिस्सा लेने की अनुमति दी थी, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश को रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से एक तरफ जेटेट पास अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिली है तो दूसरी तरफ वैसे अभ्यर्थियों को बड़ा झटका लगा है, जिन्होंने जेटेट परीक्षा पास किए बिना शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया का आवेदन दिया था। प्रार्थियों की ओर से वरीय अधिवक्ता गोपाल शंकर नारायणन और अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने बहस की। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस जेके महेश्वरी और जस्टिस राजेश बिंदल की खंडपीठ इस मामले में सुनवाई की।

सीटेट पास करने वाले अभ्यर्थी नहीं ले सकेंगे भाग

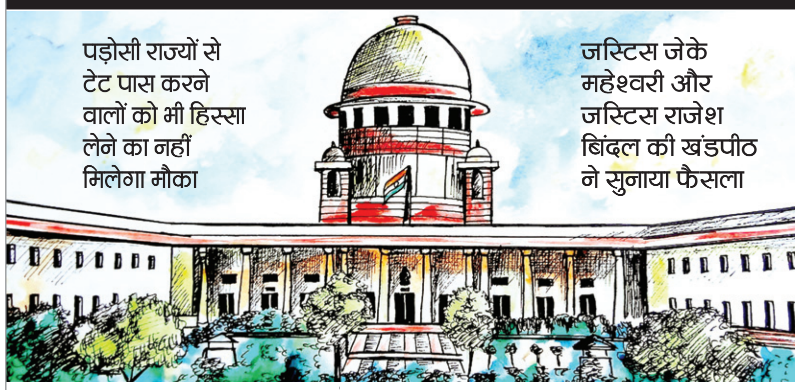

जेटेट अभ्यर्थियों ने सुप्रीम कोर्ट में दी थी चुनौती

बता दें कि झारखंड हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि राज्य में 26000 सहायक शिक्षकों (आचार्य) की नियुक्ति के लिए चल रही प्रक्रिया में दूसरे राज्य के टेट पास अभ्यर्थी या सीटेट पास अभ्यर्थी भी शामिल हो सकते हैं। इसके खिलाफ जेटेट अभ्यर्थी सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे।

2023 में हाईकोर्ट ने सुनाया था फैसला

गौरतलब है कि झारखंड सीटेट उत्तीर्ण अभ्यर्थी संघ की ओर से दायर जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने 2023 में फैसला सुनाया था। अपने फैसले में हाईकोर्ट ने सहायक शिक्षकों की नियुक्ति परीक्षा में सीटेट पास अभ्यर्थी या झारखंड के पड़ोसी राज्य से टेट परीक्षा पास करने वाले झारखंड के रहने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी थी। इस आदेश के खिलाफ झारखंड टेट पास अभ्यर्थियों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

रूस ने ड्रोन से यूक्रेन की इमारत को बनाया निशाना चार लोगों की मौत

NEW DELHI : रूस ने बुधवार की रात ड्रोन से उत्तर-पूर्वी यूक्रेन में एक इमारत को निशाना बनाया जिससे चार लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सुमी शहर के क्षेत्रीय प्रशासन ने बताया कि रात करीब एक बजे शाहिद ड्रोन से नगर की एक इमारत को निशाना बनाया गया। इस हमले में घायल हुए लोगों में एक बच्चा भी शामिल है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इसे एक भयानक त्रासदी और रूस द्वारा किया गया भयावह अपराध करार दिया। अगले महीने रूस-यूक्रेन युद्ध के तीन साल पूरे हो जाएंगे और अभी तक इसके समाप्त होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक इस युद्ध में यूक्रेन के 10,000 से अधिक आम नागरिक मारे गए हैं। यूक्रेन की वायुसेना के मुताबिक रूस ने रात में 80 से अधिक ड्रोन हमले किये जिनमें से अधिकतर को नाकाम कर दिया गया। यूक्रेन के दक्षिणी ओडेसा क्षेत्र के प्रमुख ओलेह किपर ने सोशल मीडिया मंच टेलीग्राम पर दावा किया कि रूसी ड्रोनों ने एक अस्पताल और दो रिहायशी इमारतों को क्षतिग्रस्त कर दिया, लेकिन इन हमलों में कोई हताहत नहीं हुआ। अधिकारियों ने बताया कि मध्य यूक्रेन के पोल्तावा क्षेत्र में, शाहिद ड्रोन द्वारा एक ढांचे को नष्ट कर दिए जाने के बाद आपातकालीन सेवाओं ने चार लोगों को मलबे के नीचे से निकाला।

महाकुंभ : अपेक्षाकृत कुछ कम हुआ भीड़ का दबाव

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ नियंत्रित करने का प्रयास तेज

PTI @ PRAYAGRAJ : मेला क्षेत्र में भगदड़ की घटना के एक दिन बाद गुरुवार को प्रदेश सरकार ने भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास और तेज कर दिए। इस बीच बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का मेला क्षेत्र में आना जारी है। मंगलवार देर रात हुई भगदड़ की घटना का यहां आ रहे श्रद्धालुओं पर कोई खास असर दिखाई नहीं दे रहा और वे मोक्ष पाने की अभिलाषा में स्नान घाट की ओर बढ़ रहे हैं। प्रदेश सरकार के मुताबिक,

- अमृत स्नान पर भी विशिष्ट व्यक्तियों की आवाजाही पर बनी रहेगी रोक
- जांच के लिए घटनास्थल पहुंचे राज्य के चीफ सेक्रेटरी और डीजीपी

बृहस्पतिवार को शाम चार बजे तक 1.77 करोड़ लोगों ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई।

नहीं रहे प्रसिद्ध वृत्तचित्रकार और कार्यकर्ता तपन के. बोस

NEW DELHI : गुरुवार को प्रसिद्ध वृत्तचित्रकार और कार्यकर्ता तपन के. बोस का यहां उनके आवास पर निधन हो गया। वह 78 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी रीता मनचंदा और बेटी देवज्ञानी सैनी हैं। बोस 1970 के दशक में लगे आपातकाल के दौरान एक कार्यकर्ता के तौर पर उभरे थे। वह पंजाब और जम्मू-कश्मीर में मानवाधिकार उल्लंघन के खिलाफ एक निर्भीक वकील थे। वृत्तचित्र निर्देशक के तौर पर उन्होंने मशहूर वृत्तचित्र एन इंडियन स्टोरी ऑन भागलपुर बाइंडिंग्स (1981), भोपाल : बियॉन्ड जेनोसाइड (1986), झारखंड (1993) और द एक्सपेंडेबल पीपल (2016) का निर्देशन किया है। बोस उन कार्यकर्ताओं, वैज्ञानिकों, पत्रकारों और कलाकारों के एक समूह का हिस्सा थे, जिन्होंने भारतीय संविधान की तर्कवादी भावना को मजबूत करने और ऐतिहासिक तथा समकालीन उत्पीड़न से लड़ने का प्रयास किया था।

3 दिनों में न्यूनतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक होगी वृद्धि

सुबह-शाम ठंड, दिन में अब गर्मी का होने लगा एहसास

PHOTON NEWS RANCHI : मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, गुरुवार को मौसम ने करवट ली। दिन में लोगों को गर्मी का एहसास होने लगा। न्यूनतम तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी के कारण ऐसा हुआ। मौसम विभाग की मानें तो एक से दो दिनों में न्यूनतम तापमान में और बढ़ोतरी होगी। इसके बाद लोगों को कनकनी वाली ठंड से और राहत मिल जाएगी। हालांकि सुबह में कोहरा छाया रहेगा। इस कारण सुबह में ठंड लगेगी। दिन में धूप से गर्मी का एहसास होगा।

सबसे अधिक उच्चतम तापमान सरायकेला में 31.7 डिग्री सेल्सियस रहा

- तापमान में बढ़ोतरी के बाद कनकनी वाली ठंड से मिली निजात
- सुबह में फिलहाल कोहरे से नहीं मिलेगी राहत
- चतरा में न्यूनतम तापमान 8.9 डिग्री सेल्सियस किया गया दर्ज

उत्तरी भाग में छाए रहेंगे आंशिक बादल

आने वाले दिनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे वृद्धि होगी, जिससे लोगों को ठंड से राहत मिलेगी। 3 दिनों में झारखंड के न्यूनतम तापमान में 3 से 4 डिग्री तक की वृद्धि होने की संभावना है। इसके बाद इसमें कोई बड़ा बदलाव आने की संभावना नहीं है। बताया गया कि पिछले 24 घंटे के दौरान राजधानी रांची का अधिकतम तापमान बढ़कर 27.5 डिग्री हो गया है, जबकि न्यूनतम तापमान 12.2 डिग्री दर्ज किया गया है।

गंभीर संकट कार्बन उत्सर्जन की वृद्धि से तापमान में आ रहा बदलाव

समुद्र की सूरत को भयावह कर देगी प्रदूषण की मार

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : जिस गति से कार्बन का उत्सर्जन बढ़ रहा है, उससे प्राकृतिक संतुलन का भविष्य में बड़ा संकट पैदा होगा। जंगलों और पहाड़ों का ही नेचर नहीं, बल्कि समुद्र की सूरत भी भयावह स्थिति में परिवर्तित हो जाएगी। कार्बन का उत्सर्जन मतलब प्रदूषण को बढ़ाने वाला तत्व। मानव और औद्योगिक गतिविधियों के फलस्वरूप प्रदूषण की गति पूरी प्रकृति को प्रभावित कर रही है। जलवायु परिवर्तन की वजह से तापमान बढ़ रहा है और इससे ग्लेशियर पिघलने की स्पीड तेज हो गई है। इसकी वजह से समुद्र का स्तर बढ़ता जा रहा है। हाल में किए गए रिसर्च में इस स्थिति की भयावता की विस्तृत जानकारी दी गई है। नए अध्ययन से पता चला है कि बीते चार दशकों में समुद्र के गर्म होने की रफ्तार चार गुनी हो गई है। साल 2023 और 2024 की शुरूआत में वैश्विक समुद्री तापमान अपने उच्चतम स्तर पर था। रिपोर्ट में बताया गया है यदि वैश्विक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन की दर में वृद्धि इसी गति से जारी रहती है और दुनिया उच्च उत्सर्जन परिदृश्यों की ओर बढ़ती है, तो 2100 तक समुद्र का स्तर 0.5 से 1.9 मीटर तक बढ़ सकता है।

हाल में दो यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों की टीम के व्यापक अध्ययन में सामने आए हैं तथ्य

ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका में बर्फ की चादरों पर उच्च गर्मी का पड़ रहा ज्यादा असर

- सभी पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं के अस्तित्व पर मंडरा रहा खतरा
- साल 2100 तक 0.5 से 1.9 मीटर तक बढ़ सकता है समुद्र का स्तर
- समुद्र का पानी अपेक्षा से अधिक होता जा रहा गर्म, इसलिए फैलाव स्वाभाविक
- तटीय समुदायों, ईको सिस्टम और दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ेगा दूरगामी प्रभाव

अधिक जोखिम में चीन, भारत व बांग्लादेश

बता दें कि संयुक्त राष्ट्र ने 2023 में चीन, भारत, बांग्लादेश और नीदरलैंड को बढ़ते समुद्री स्तर के कारण उच्च जोखिम वाले देशों की श्रेणी में रखा है। यहां निचले तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लगभग 900 मिलियन लोग गंभीर खतरे में हैं। पृथ्वी के इतिहास में समुद्र के स्तर में काफी उतार-चढ़ाव आए हैं, लेकिन वर्तमान दर अभूतपूर्व है।

समुद्री पानी का थर्मल विस्तार

शोधकर्ताओं ने बताया है कि समुद्र के स्तर में वृद्धि का मतलब पृथ्वी के केंद्र से मापी गई महासागर की सतह की औसत ऊंचाई में वृद्धि से है। ऐसा दो मुख्य कारकों के कारण हो रहा है। ग्लेशियरों और बर्फ की चादरों का पिघलना और गर्म होने पर समुद्री जल का थर्मल विस्तार। जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक तापमान बढ़ने के साथ ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका में बर्फ की चादरें तेजी से पिघल रही हैं। यह स्थिति समुद्र के स्तर में वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इसके अतिरिक्त जैसे-जैसे समुद्री जल गर्म होता है, यह फैलता है जिससे समुद्र का स्तर और बढ़ जाता है। समुद्र के स्तर में यह वृद्धि जलवायु परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। इसका तटीय समुदायों, पारिस्थितिकी तंत्रों और दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है।

श्रीलंका की जेल से छूटे तमिलनाडु के 6 मछुआरे पहुंचे अपने घर

NEW DELHI : गुरुवार को श्रीलंकाई तटरक्षक बल से रिहा हुए तमिलनाडु के रामेश्वरम के 6 मछुआरे अपने घर पहुंच गए। रिहाई के बाद मछुआरे के कोलंबो से चेन्नई पहुंचने पर राज्य के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया तथा उन्हें गृह जिले तक पहुंचाने की व्यवस्था की। 12 जनवरी को श्रीलंकाई तटरक्षक बल ने समुद्री सीमा पार करने के आरोप में इन मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया था। इन मछुआरों को श्रीलंका सरकार से छुड़वाने के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्रीय विदेश मंत्री से भी अपील की थी। केंद्र सरकार के हस्तक्षेप के बाद श्रीलंका सरकार ने जेल से इन मछुआरों को रिहा कर दिया। ये मछुआरे बुधवार की रात कोलंबो से चेन्नई पहुंचे थे। राज्य के अधिकारियों ने चेन्नई पहुंचने पर मछुआरों का स्वागत किया। चेन्नई पहुंचे इन मछुआरों को उनके घर तक पहुंचाने की व्यवस्था की।

पीएलजीए बटालियन नंबर एक में थे सक्रिय

52 लाख रुपये के इनामी 9 नक्सलियों ने किया सरेंडर

SUKMA @ PTI : छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में कुल 52 लाख रुपये के इनामी नौ नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुकमा जिले में पीएलजीए बटालियन नंबर एक में सक्रिय नौ नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने बताया जिले में सक्रिय नक्सली कलमू मंगडू, माड़वी बुधरी, समीर उर्फ मिडियम सुक्का, रजनी उर्फ राजे, शांति कवासी, मड़कम सोमड़ी, नुप्पो नरसी, मड़कम हिड़मे और नुप्पो हुंगी ने सुकमा जिले में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में सुरक्षाबलों के वरिष्ठ अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली कलमू मंगडू, समीर, महिला नक्सली माड़वी बुधरी, रजनी, शांति और मड़कम सोमड़ी के सर पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम है।

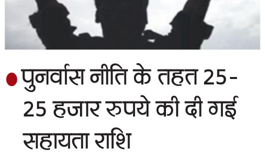

- पुनर्वास नीति के तहत 25-25 हजार रुपये की दी गई सहायता राशि

गिरिडीह में पुलिस ने 3 साइबर अपराधियों को किया गिरफ्तार

बैंक खाता बंद होने के नाम पर लोगों को देते थे झांसा, प्रतिबिंब एप से मिला सुराग

AGENCY GIRIDIH : बेंगाबाद थाना क्षेत्र के फुरसोडीह गांव से पुलिस ने तीन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। गुरुवार को पपरवाटांड़ स्थित कार्यालय से पुलिस अधीक्षक डॉ विमल कुमार ने प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी। गिरफ्तार आरोपितों में अदालत अंसारी, समीर अंसारी और शमशुद अंसारी शामिल है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्रतिबिंब पोर्टल के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई थी कि बेंगाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत फुरसोडीह में कुछ शातिर अपराधी फोन के माध्यम से ठगी कर रहे है। सूचना के बाद साइबर पुलिस उपाधीक्षक आबिद खा के नेतृत्व में छापेमारी टीम का गठन किया गया। उक्त टीम ने स्तर पर पहुंचकर तीनों साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इन साइबर अपराधियों के जरिये गर्भवती महिलाओं का नंबर प्राप्त कर मातृत्व लाभ दिलाने के नाम पर और एयरटेल पेमेंट बैंक का खाता बंद होने के नाम पर ठगी करता था। बताया गया कि सभी ने अपराध को स्वीकार कर लिया है। पुलिस ने इन आरोपितों के पास से चार मोबाइल फोन और पांच सिम कार्ड भी बरामद किए हैं। टीम में साइबर डीएसपी के अलावा साइबर थाना प्रभारी विजय कुमार, पुनीत कुमार, गौतम कुमार, गजेंद्र कुमार, सोनू कुमार, फिरोज आलम एवं अन्य सशस्त्र बल शामिल थे।

गिरफ्त में आरोपी व मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

पिकअप-बाइक में टक्कर से युवक की हो गई मौत

PALAMU : पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत डालटनगंज-गढवा मुख्य मार्ग पर मंगरदाहा घाटी में गुरूवार को एक पिकअप और बाइक में जोरदार टक्कर हो गयी, जिससे बाइक पर सवार एक युवक की मौत हो गयी, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जख्मी युवक को इलाज के लिए एमआरएमसीएच में भर्ती कराया गया है। उसकी स्थिति चिंताजनक बतायी गयी है। घटना के बाद से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। मृत युवक की पहचान चैनपुर के बरांव टोला करमाहा के रहने वाले श्रवण चौधरी के रूप में हुई है। जख्मी युवक राकेश चौधरी बताया गया है। घटना की सूचना मिलने पर चैनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और पिकअप को जब्त करके थाना ले आई है। घायल एवं मृतक के शव को एमआरएमसीएच में भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। परिजनों के अनुसार श्रवण चौधरी अपने साथी राकेश के साथ चैनपुर थाना क्षेत्र के कंकारी नानी के घर गया था। दरअसल श्रवण चौधरी को शादी के सिलसिले में देखने के लिए लड़की वाले शुक्रवार को आ रहे थे। इसकी जानकारी देने के लिए श्रवण नानी के घर गया था और वहां से घर लौट रहा था, जैसे ही मंगरदाहा घाटी में पहुंचा की विपरित दिशा से आ रहे पिकअप वैन ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही श्रवण की मौत हो गयी। परिजन के अनुसार श्रवण पढाई करता था। उन्होंने प्रशासन से उचित मुआवजा की मांग की है।

मृतक की फाइल फोटो

BRIEF NEWS

याद किए गए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी

HAZARIBAG : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 77वीं पुण्यतिथि पर गुरुवार को समाहरणालय सभाकक्ष में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। डीडीसी इश्तियाक अहमद, डीपीओ पंकज तिवारी, भू-अर्जन पदाधिकारी निर्भय कुमार सहित अन्य पदाधिकारियों व कर्मियों ने 2 मिनट का मौन रख कर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। ज्ञात हो कि 30 जनवरी 1948 को नाथूराम गोडसे ने दिल्ली के बिड़ला हाउस में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की गोली मार कर हत्या कर दी थी। इसी के चलते 30 जनवरी को प्रतिवर्ष महात्मा गांधी की पुण्यतिथि मनाई जाती है। इसके साथ ही इसे महात्मा गांधी के शहीद होने पर शहीद दिवस के रूप में भी मनाया जाता है।

बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ कार्यक्रम का आयोजन

LOHARDAGA : बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के 10 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन नगर भवन में गुरुवार को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला परिषद अध्यक्ष रीना कुमारी और उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत के जरिये दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद अध्यक्ष ने कहा कि मेहनत की बदौलत आज महिलाएं कुछ भी हासिल कर सकती हैं। महिला अगर ठान ले तो अपनी जिम्मेवारियों को निभाते हुए कुछ भी हासिल कर सकती हैं। बेटियां हमारा गर्व हैं। आज जिला प्रशासन के जरिये उत्कृष्ट मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया है और आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है, जो सराहनीय है। जिनको नियुक्ति पत्र मिला है उनकी जिम्मेवारी अपने कार्यक्षेत्र में बहुत अहम हो जाती है। प्रारंभिक शिक्षा और स्वास्थ्य आपके हाथों में है जिसकी बेहतर नींव आप रख सकती हैं। उन्होंने कहा कि जिला परिषद अध्यक्ष ने कहा कि माताएं अपने बच्चों; विशेषकर लड़के और लड़कियों के बीच कोई भेदभाव नहीं करें। सभी को समान अवसर दें।

मैट्रिक व इंटर परीक्षा को लेकर डीसी ने की बैठक

RAMGARH : डीसी चंदन कुमार ने गुरुवार को 11 फरवरी से शुरू होने वाली मैट्रिक और इंटर की परीक्षा की तैयारियों को परखा। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों और सभी परीक्षा केंद्रों के प्राचार्यों के साथ बैठक की। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम ने बताया कि इस वर्ष रामगढ़ जिले में माध्यमिक परीक्षा के लिए 53 परीक्षा केंद्रों पर 12669 एवं इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए 40 केंद्रों पर 12300 अभ्यर्थी परीक्षा में हिस्सा लेंगे। डीसी ने सभी केंद्र अधीक्षकों को उनके केंद्रों पर परीक्षाओं का आयोजन पूरी पारदर्शिता के साथ एवं कदाचार मुक्त तरीके से संपंन्न कराने का निर्देश दिया। डीसी ने केंद्र अधीक्षकों को दिशा-निदेर्शों से संबंधित पुस्तिका दी। साथ ही सभी परीक्षा केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी अनुराग कुमार तिवारी ने परीक्षा के आयोजन को लेकर जारी दिशा-निदेर्शों के संबंध में केंद्र अधीक्षकों की कई दुविधाओं को दूर किया।

महाकुंभ में जान गंवाने वाली गायत्री का हुआ अंतिम संस्कार

PALAMU : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ में हुई भगदड़ में जान गवाने वाली पलामू जिले के नावाबाजार थाना क्षेत्र के राजहरा गांव की गायत्री देवी का गुरुवार दोपहर अंतिम संस्कार किया गया। गांव के झरना शिव मंदिर घाट पर परिजनों ने अंतिम संस्कार किया। अंतिम संस्कार में नावाबाजार के अंचलाधिकारी शैलेश कुमार, प्रमुख प्रतिनिधि पटेल दुबे, राजहरा के मुखिया चंदन कुमार, समाजसेवी मुन्ना पांडे एवं अन्य ग्रामीण शामिल थे। गायत्री देवी 27 जनवरी को पति अमरेश पांडे, भाई, भाई की पत्नी और बहन के साथ डालटनगंज रेलवे स्टेशन से कुंभ स्नान के लिए निकली थीं।

हजारीबाग में नकली शराब बनाने वाले तीन गिरफ्तार

बरामद सामान के साथ पुलिस व आबकारी विभाग के पदाधिकारी

HAZARIBAG : जिला के बरही चौक के पास से तीन लोगों को नकली शराब बनाने और बेचने के आरोप में उत्पाद विभाग की टीम ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों में गोलू, संजय और कृष्णा शामिल है। उत्पाद विभाग के दारोगा सुमितेष कुमार ने जानकारी दिया कि ये सब के साथ बड़े कारोबारी छोटी साव फरार हो गया है। उन्होंने यह भी बताया कि पकड़े गए शराब की कीमत 2.5 लाख है। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया। वहीं फरार आरोपित को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी की जा रही है।

जुआ के अड्डे पर पुलिस की छापेमारी, 3 धराए

सार्वजनिक स्थान पर खेल रहे थे जुआ, एसपी को मिली थी सूचना

AGENCY RAMGARH : रामगढ़ पुलिस के जुआ के अड्डे पर छापेमारी से जुआरियों में हड़कंप मच गया है। इस दौरान पुलिस ने तीन जुआरियों को गिरफ्तार किया और जुए के अड्डे से लगभग 17 हजार रुपये भी जब्त किए गए हैं। गुरुवार को रामगढ़ थाने में एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद ने संवाददाता सम्मेलन कर इस कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रामगढ़ एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि रामगढ़ थाना क्षेत्र के बगीचा कॉलोनी, दामोदर नदी के किनारे सार्वजनिक स्थान पर कुछ जुआरी जुआ खेल रहे हैं। वे काफी हो हल्ला मचा रहे हैं, जिससे आम लोगों को परेशानी हो रही है। सूचना के बाद रामगढ़ थाना प्रभारी कृष्ण कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने बगीचा कॉलोनी, दामोदर नदी के किनारे घेराबंदी की। छापेमारी के दौरान आठ जुआरी पुलिस को देखते ही झाड़ी और नदी का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे। पुलिस इस दौरान तीन जुआरी को पकड़ने में सफल रही। इनमें वेस्ट बोकारो ओपी क्षेत्र के केदला, घाटोटांड़ निवासी अमित कुमार, कुजू ओपी क्षेत्र के पोचरा गांव निवासी गुड्डू यादव, रामगढ़ दुसाध मोहल्ला निवासी कयूम खान शामिल हैं। जब जुआरी वहां से भागे तो वे रुपए, ताश के पत्ते, अपनी मोटरसाइकिल, स्कूटी छोड़ गए थे। पुलिस ने उस जुए के अड्डे से ताश का पत्ता, 17,300 रुपए, एक मोबाइल, स्कूटी (जेएच 24 के 3594), लाल रंग की मोटरसाइकिल एफजेडएस (जेएच 24 एफ 3422), स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (जेएच 01 एम 0607), स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (जेएच 02 एडब्ल्यू 9344) बरामद किया है।

पत्रकारों को जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

दामोदर नदी किनारे जुआ का अड्डा लगाता था रामू कसेरा

RAMGARH : रामगढ़ शहर के बागीचा कॉलोनी, दामोदर नदी किनारे रामू कसेरा नामक व्यक्ति के जरिये जुआ का अड्डा लगाया जा रहा था। यहां हर दिन लाखों रुपए का खेल चल रहा था। सुनसान जंगल में दर्जनों बाइक पर सवार युवा इस अवैध कारोबार में न सिर्फ अपनी दौलत लूटा रहे थे, बल्कि वह अपना भविष्य भी दांव पर लगा रहे थे। लंबे समय से चले आ रहे इस खेल में जीतने और हारने वाले तो कई लोग थे। लेकिन रामू हर खेल का बादशाह था। कोई भी उसे बिना कमीशन दिए जुआ नहीं खेल सकता था। उसका मनोबल इस कदर बढ़ा हुआ था कि दिन के उजाले में वह पूरा अड्डा लगता था। जुआरियों को बुलाकर वहां शराब परोसता था। नशे में धुत्त युवा अपने जेब से रुपए निकाल कर दांव पर लगाते थे। पुलिस को जब इसकी सूचना मिली, तो उसे भी गिरफ्तार करने का प्रयास किया गया। लेकिन जुए के अड्डे से वह भागने में सफल रहा। पुलिस उनकी भी पहचान करने में जुटी है, जो छापेमारी के दौरान भाग निकले हैं।

समय पर पहचान हो, तो पूरी तरह से ठीक हो सकता कुष्ठ रोग : डॉ. मंजू दास

PHOTON NEWS DHANBAD : कुष्ठ रोग की पहचान यदि समय पर हो जाए तो यह बीमारी पूरी तरीके से ठीक हो जाती है। यह कोई अभिशाप नहीं है, बल्कि जिस तरह टीबी सहित अन्य बीमारी हैं, उसी तरीके से कुष्ठ रोग भी होता है। ये बातें जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ. मंजू दास ने कहीं। वह 30 जनवरी को जिले में शुरू हुए कुछ उन्मूलन अभियान के तहत नए मरीजों की खोज कार्यक्रम में लोगों को जागरुक कर रही थीं। सिविल सर्जन कार्यालय में इसे लेकर बैठक हुई, जिसमें सबसे पहले पुण्यतिथि पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को नमन करके श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। डॉ. दास ने कहा कि दो चरण में यह अभियान मनाया जा रहा है, पहले चरण में लोगों को जागरूक किया जा रहा है। दूसरे चरण में घर-घर जाकर स्वास्थ्य कर्मी और सहिया ऐसे मरीजों की पहचान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के हाथों में सफेद दाग हो रहे हैं तो इसकी जांच करानी चाहिए। हालांकि हर सफेद दाग कुष्ठ नहीं होता। इससे पहले सिविल सर्जन डॉ. चंद्रभानु प्रतापन, डॉ. मंजू दास, रणधीर कुमार समेत सभी चिकित्सक और कर्मियों ने कुष्ठ रोगी से भेदभाव नहीं करने और लोगों को जागरूक करने की शपथ ली।

कार्यक्रम में उपस्थित डॉ. मंजू दास

कम इम्यूनिटी वालों को जल्दी होती है बीमारी

डॉ. मंजू दास ने कहा कि यह बीमारी माइक्रोबैक्टेरियम लेप्रो वायरस से फैलता है। टीबी का बैक्टीरिया तेजी से संक्रमित करता है। लेकिन कुष्ठ रोग का बैक्टीरिया बहुत धीरे-धीरे संक्रमित करता है। कभी-कभी तो यह 1 साल तक पता भी नहीं चलता, कुछ ऐसे भी मरीज हैं जिन्हें इस बीमारी की पहचान करने में 20 वर्ष तक लगे। क्योंकि कुष्ठ का बैक्टीरिया बहुत धीरे-धीरे शरीर पर असर करता है। जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम है, वैसे लोगों को यह बीमारी जल्दी होती है। जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है, उन्हें जल्दी नहीं होता।

दिगंबर जैन समाज ने किया अष्ट मूलगुण संस्कार समारोह

RAMGARH : आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर जी गुरुदेव के शिष्य मुनिश्री 108 प्रज्ञान सागर जी महाराज एवं मुनिश्री 108 प्रसिद्ध सागर जी मुनिराज का बुधवार की शाम प्रवास रामगढ़ में हुआ। गुरुवार को मुनि संघ के सानिध्य में अष्ट मूलगुण समारोह का भव्य आयोजन सकल दिगंबर जैन समाज के जरिये किया गया। इसके तहत मुनि संघ के जरिये श्रद्धालुओं को जैन धर्म की प्रथम श्रेणी मद्य, मांस, मधु एवं पंच उदम्बर फल का परित्याग कराया गया। मौके पर मुनिश्री ने कहा कि जैन श्रद्धालु को अपने धर्म पालन की प्रथम श्रेणी का त्याग अवश्य कर अपने सच्चे जैनत्व का प्रथम उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। इस दौरान समारोह में 50 से अधिक श्रद्धालु ने मुनिश्री के सानिध्य में अष्ट मूलगुण को अपनाने की शपथ ली।

हाथी के हमले में एक गंभीर कई घरों का किया नुकसान

BOKARO : गोमिया में जंगली हाथियों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है' महुआटांड़ थाना क्षेत्र के बड़की पुन्नू गांव में गुरुवार की अहले सुबह हाथियों ने एक व्यक्ति पर अचानक हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हमले के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। घायल को रांची रेफर कर दिया गया है। घायल की पत्नी सेमा देवी ने बताया कि गुरुवार अहले सुबह उनका पति कामेश्वर करमाली उर्फ बहरा (52) साइकिल से बकरियों के लिए पत्ते लेने कोचिवा जंगल गया था। इस दौरान जंगली हाथी वहां आ पहुंचा और अपनी सूंड से उठाकर उसे पटक दिया। हाथी ने अपने पैर से व्यक्ति की कमर को दबाकर जख्मी कर दिया है। व्यक्ति के शोर मचाने पर अन्य युवक छोटू करमाली, ऋतिक करमाली व अजित करमाली मौके पर पहुंचे और काफी प्रयास के बाद हाथी को वहां से भगाया गया। वहां से घायल को घर लाकर उसका इलाज शुरू किया गया, फिर अस्पताल ले जाया गया। घटना की जानकारी वन विभाग को दे दी गई है। इसके बाद विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची' हाथियों ने कई जगह घरों को भी नुकसान पहुंचाया है।

हाथी के हमले में घायल

पीएम किसान सम्मान निधि के आवेदनों को निष्पादित करें : डीसी

बैठक करतीं उपायुक्त नैन्सी सहाय • फोटोन न्यूज

HAZARIBAG : उपायुक्त नैन्सी सहाय की अध्यक्षता में गुरुवार को कार्यालय सभागार में कृषि, पशुपालन और मत्स्य विभाग, उद्यान एवं संबद्ध विभागों की समीक्षा बैठक हुई। इसमें उपायुक्त ने उपरोक्त विभागों द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे पीडीएमसी, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, डेयरी, पशुधन, मत्स्य में डीएमएफटी के तहत चल रही योजना की स्थिति, केज कल्चर, हॉर्टिकल्चर, उद्यान विकास, संरक्षित फूलों की खेती, अर्बन फार्मिंग, किसान समृद्धि योजना की स्थिति व प्रगति की समीक्षा की। उपायुक्त ने सर्वप्रथम सभी विभागों के एक्सपेंडिचर स्टेटस की जानकारी ली। उन्होंने पीएम किसान सम्मान निधि के सेल्फ रजिस्ट्रेशन के पेंडिंग आवेदनों को जल्द निपटारा करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया। उन्होंने पशुपालन पदाधिकारी को डेयरी योजना में प्रगति लाने और पशुधन योजना में टारगेट कंप्लीट करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने मत्स्य पदाधिकारी से केज कल्चर और डीएमएफटी के तहत चल रही योजनाओं की स्थिति की जानकारी ली।

सर्वे रिपोर्ट सरकारी स्कूलों में तीसरी कक्षा के 80 प्रतिशत बच्चे नहीं पढ़ पाते दूसरी क्लास की किताबें

पांचवीं कक्षा के 69.6 प्रतिशत बच्चों को भाग देना भी नहीं आता

PHOTON NEWS JSR : सरकार के लाख दावे के बाद भी सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में कोई खास सुधार होता नजर नहीं आ रहा है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि राज्य के तीसरी कक्षा में पढ़ने वाले 80.4 प्रतिशत छात्र दूसरी कक्षा के टेक्स्ट बुक पढ़ नहीं पाते हैं। इसी प्रकार पांचवीं कक्षा के 44.7. प्रतिशत 8वीं कक्षा के 30.5 प्रतिशत बच्चे दूसरी कक्षा की किताबें नहीं पढ़ पाते हैं। यह खुलासा केंद्र सरकार की ओर से जारी एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (असर) 2024 से हुआ है। इस रिपोर्ट में पूर्वी सिंहभूम जिले की स्थिति भी खराब है। यहां की तीसरी से 5वीं कक्षा तक के सिर्फ 38.8 प्रतिशत छात्र ही दूसरी कक्षा की किताबें पढ़ पाते हैं, जबकि छठवीं से 8वीं कक्षा के 63.4 प्रतिशत बच्चे दूसरी कक्षा की किताबें पढ़ पाते हैं। इस रिपोर्ट की अच्छी बात यह है कि नामांकन में लड़कों के मुकाबले लड़कियों का रुझान बढ़ा है। बीच में पढ़ाई छोड़ने की संख्या में भी कमी आई है, जबकि लड़कियों से ज्यादा लड़के पढ़ाई छोड़ रहे हैं। स्कूलों में एडमिशन लेने में भी लड़कियां, लड़कों से आगे है। रिपोर्ट के मुताबिक 15 से 16 वर्ष आयु की 6% लड़कियां स्कूल नहीं जाती हैं।

इसी आयु वर्ग के 72% लड़के स्कूल नहीं जाते हैं या वे बीच में ही पढ़ाई छोड़ देते हैं। लेकिन, शहरों में स्थिति उलट है। यहां पढ़ाई छोड़ने में लड़कों की संख्या लड़कियों से कम है।

नामांकन की संख्या में आ रही गिरावट

इस रिपोर्ट की मानें तो झारखंड के सरकारी स्कूलों में नामांकन लेने वाले लड़के व लड़कियों की संख्या में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। 2024 में पहली से 5वीं कक्षा तक 72.9 प्रतिशत लड़कों का दाखिला सरकारी स्कूलों में हुआ, जबकि 2022 में यह आंकड़ा 81.1 प्रतिशत था। यानी की दो साल में ही लड़कों के नामांकन में 8.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की जा चुकी है। इसी प्रकार 2024 के रिपोर्ट में 81.3 प्रतिशत लड़कियों का दाखिला हुआ है, जबकि 2022 में यह आंकड़ा 86.9 प्रतिशत था। इस प्रकार दो साल में लड़कियों के नामांकन प्रतिशत में 5.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की जा चुकी है। केंद्र सरकार ने झारखंड के 24 जिलों के 720 गांवों के 14282 घरों में सर्वे किया। इस दौरान 3 से 16 वर्ष के 27,649 बच्चों से बात की। इसके बाद एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट तैयार हुई है।

13.3 प्रतिशत स्कूलों में ड्रिंकिंग वाटर की सुविधा नहीं

झारखंड के स्कूलों में बच्चों को दी जाने वाली सुविधाओं की बात करें तो उसकी स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं है। अभी भी राज्य के 13.3 प्रतिशत स्कूलों में ड्रिंकिंग वाटर की सुविधा नहीं है। इसी प्रकार 52.1 प्रतिशत स्कूलों का वाउंड्रीवाल नहीं है। इसी प्रकार एमडीएम बनाने के लिए 11.1 प्रतिशत स्कूलों में किचन शेड नहीं है। सबसे खराब स्थित शौचालय की है। यहां के 22 प्रतिशत स्कूलों में अभी भी शौचालय की सुविधा नहीं है। 24.5 प्रतिशत स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग से शौचालय नहीं है।

यह भी जानें

- कक्षा तीसरी के 68.3 प्रतिशत बच्चों को घटाना नहीं आता
- कक्षा पांचवीं के 69.6 व कक्षा आठवीं के 49.1 प्रतिशत बच्चों को भाग नहीं आता
- राज्य के 45.9 प्रतिशत स्कूलों में फिजिकल एजुकेशन के टीचर नहीं हैं
- 62 प्रतिशत स्कूलों में ही प्ले ग्राउंड की सुविधा
- राज्य के 70.3 प्रतिशत स्कूलों में कंप्यूटर नहीं
- झारखंड के 28 प्रतिशत स्कूलों में लाइब्रेरी का अभाव

85.1 प्रतिशत बच्चों के घर में स्मार्टफोन

झारखंड के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 85.1 प्रतिशत बच्चों के घर में स्मार्टफोन है। इस मामले में झारखंड अपने पड़ोसी राज्य बिहार, पश्चिम बंगाल व ओडिशा से आगे हैं। लेकिन, इसके बाद सभी राज्यों से पीछे हैं यानी कि असर के सर्वे में शामिल 27 राज्यों में से झारखंड 24वें नंबर पर है। इसी प्रकार राज्य के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 76.8 प्रतिशत बच्चे स्मार्टफोन का यूज करते हैं। इसमें से 63 प्रतिशत बच्चे ऑनलाइन एक्टिविटी में स्मार्टफोन का यूज करते हैं। राज्य के 62 प्रतिशत बच्चे डिजिटल टास्क स्मार्टफोन के जरिए करते हैं।

मेट्रो सिटी की तर्ज पर राजधानी में भी बनेगा फूड स्ट्रीट हब

नगर निगम ने जयपाल सिंह स्टेडियम के बाहर मार्केट बसाने का बनाया प्लान

स्टेडियम के दो साइड में 40 वेंडर्स को बसाने के लिए टेंडर निकालने की तैयारी

रात में खाने के शौकीन लोगों के लिए लजीज भोजन से गुलजार होगा बाजार

VIVEK SHARMA @ RANCHI : अगर आप भी खाने के शौकीन हैं। लजीज व्यंजनों के लिए स्ट्रीट फूड आपकी पसंद है, तो अब टेंशन लेने की जरूरत नहीं है। चूंकि मेट्रो सिटी की तर्ज पर झारखंड की राजधानी रांची में फूड स्ट्रीट हब डेवलप करने की तैयारी है। इसके तहत शाम ढलने के बाद तरह तरह के व्यंजनों का बाजार सजेगा। लोग लजीज खाने का आनंद ले सकेंगे। बता दें कि रांची में एक बार फिर नाइट मार्केट की शुरूआत कचहरी स्थित जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम के बाहर होगी। इस नाइट मार्केट में विशेष रूप से हेल्दी और हाईजेनिक स्ट्रीट फूड खाने को मिलेगा। नगर निगम इसके लिए टेंडर निकालने जा रहा है।

फूड वेंडर्स लगा सकेंगे दुकान

फूड स्ट्रीट हब में दुकान लगाने के इच्छुक स्ट्रीट वेंडर्स से आवेदन मंगाए जाएंगे। नगर निगम दुकानदारों का चयन करेगा, जिसमें वेंडर की दुकान, पेपर, और अन्य जरूरी दस्तावेजों की जांच की जाएगी। चयनित दुकानदारों को मोबाइल फूड वैन या मोबाइल कियोस्क लगाने की अनुमति दी जाएगी। आवेदन के साथ जरूरी दस्तावेज भी नगर निगम में जमा करने होंगे। निगम की ओर वेंडर्स को जरूरी सुविधाएं दी जाएंगी। इसमें पेविंग, स्वच्छ जल, हाथ धोने के लिए पानी, टॉयलेट सुविधाएं, वेस्ट डिस्पोजल और पार्किंग जैसी सेवाएं शामिल हैं। इसके अलावा सुरक्षा को लेकर इंतजाम किए जाएंगे।

स्टेडियम के बाहर लगेंगी 40 दुकानें

जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम का एरिया काफी बड़ा है। स्टेडियम के ठीक बाउंड्री से सटे दो एरिया में 40 दुकानें लगेंगी। ये दुकानें रवींद्र भवन और स्टेडियम के मेन गेट की तरफ होगी। इससे जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम भी गुलजार रहेगा। 40 दुकानों पर लोगों को अलग-अलग तरह के फूड आइटम खाने को मिलेंगे। बता दें कि स्टेडियम के आसपास कई होटल है। नजदीक में कई स्कूल, कॉलेज और एजुकेशनल संस्थान भी हैं। इससे काफी भीड़ जुटने की संभावना जताई जा रही है।

बड़ा तालाब में सफल नहीं रहा नाइट मार्केट

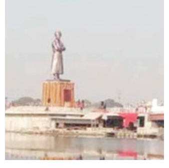

पिछले कुछ वर्षों में राजधानी में नाइट मार्केट के प्रयास सफल नहीं हो पाए थे। मेन रोड में नाइट मार्केट की शुरूआत हुई थी। देर रात तक बाजार गुलजार था। लेकिन, कुछ दिन के बाद वह बंद हो गया। इसके बाद बड़ा तालाब के पास नाइट मार्केट की योजनाएं शुरू की गईं, लेकिन सुरक्षा और प्रबंधन में कमी के कारण ये बंद हो गईं। अब नगर निगम ने जयपाल सिंह स्टेडियम के पास यह नया प्रयास शुरू किया है, लेकिन यहां भी सुरक्षा और निगरानी पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होगी।

बेखौफ अपराधी : सुबह-सुबह ताला तोड़कर लाखों के आभूषण और कैश ले उड़े चोर

पुनदाग में एक ही अपार्टमेंट के 4 फ्लैटों को चोरों ने बनाया निशाना

बंद घरों में चोरी की वारदात को लगातार दिया जा रहा अंजाम

CRIME REPORTER RANCHI : राजधानी रांची में अब गार्ड युक्त अपार्टमेंट में भी चोर दु:साहस दिखाते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। ताजा मामला रांची के पुनदाग ओपी क्षेत्र के एकलव्य टावर का है। यहां एक साथ चार फ्लैटों का ताला तोड़ कर अज्ञात चोरों ने लाखों के गहने और कैश उड़ा लिए हैं। राजधानी में चोरी की वारदात थमने का नाम नहीं ले रही है। खासकर बंद घर तो जैसे चोरों को न्योता दे रहे हैं। बंद घर में लगातार चोरी की वारदात को अंजाम दिया जा रहा है। इस बार बंद घरों में चोरी का मामला पुंदाग ओपी क्षेत्र स्थित एकलव्य टावर का है। गुरुवार को अहले सुबह एकलव्य टावर के चार फ्लैट्स का ताला तोड़ कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है। एकलव्य टावर की सोसाइटी से मिली जानकारी के अनुसार, चार की संख्या में अज्ञात चोरों द्वारा फ्लैट नंबर 406, 502, 507 और 304 का ताला तोड़ कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है। जिन फ्लैट्स में चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है, वे लोग अपने घरों में ताला बंद कर अलग-अलग शहरों में गए हुए थे। सोसाइटी से ही मिली जानकारी के अनुसार, सभी घरों में 10 लाख से ज्यादा के जेवरात और 5 लाख से ज्यादा नगद चोरी की गई है। फ्लैट मालिकों के आने के बाद थाने में एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी।

- हथौड़ी और ताला तोड़ने वाले दूसरे औजार लेकर अपार्टमेंट में घुसे थे सभी चोर
- चेहरा छिपाए रखने के लिए किया गया मंकी कैप का इस्तेमाल

सीसीटीवी में कैद है वारदात

एकलव्य टावर की सोसाइटी में लगे सीसीटीवी कैमरे में चोरी करने वाले सभी चोरों की तस्वीर भी कैद हुई है। चोर हाथ में हथौड़ी और ताला तोड़ने वाले दूसरे औजार लेकर अपार्टमेंट में घुसे। अपना चेहरा छुपाने के लिए चारों ने मंकी कैप भी पहन रखा था। गुरुवार की सुबह तकरीबन तीन बजे के करीब चारों चोर अपार्टमेंट में पहुंचे हैं और ताला तोड़कर बड़े आराम से चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार भी हो गए। सभी चोरों ने अपनी-अपनी चप्पल खोल कर अपने हाथों में रख लिए थे, ताकि किसी को उनकी आहट सुनाई ना दे।

जांच में जुटी पुलिस

मामले की जानकारी मिलने के बाद पुनदाग पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश में जुट गई है। एकलव्य टावर में रहने वाले कौशल ने बताया कि सोसाइटी द्वारा अपार्टमेंट की रखवाली के लिए गार्ड भी रखा गया है। रात में गार्ड मौजूद भी था, लेकिन वह सोया हुआ था। उसकी मौजूदगी में ही चोर अंदर घुसे और चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।

संयुक्त कार्रवाई में दबोचे गए सभी आरोपी

रेलवे स्टेशन से 45 किलो गांजा बरामद, तीन अरेस्ट

CRIME REPORTER RANCHI : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रांची स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक से कुल आठ बोरियों में 45 किलो गांजा बरामद किया है। मामले में बिहार के बक्सर निवासी चंदा कुमार चौधरी, अभिषेक प्रधान और उपेंद्र चौधरी शामिल है। आरपीएफ निरीक्षक शिशुपाल कुमार ने गुरुवार को बताया कि रांची रेल मंडल के आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर लगातार मादक पदार्थों और शराब के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है । इसी क्रम में रांची रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ की फ्लाइंग टीम, आरपीएफ रांची तथा सीआईबी रांची की संयुक्त कार्रवाई में बड़ी सफलता मिली है। रांची स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर ओवरब्रिज के नीचे तीन संदिग्ध व्यक्तियों को बैगों में भारी सामान के साथ बैठे देखा गया। संदेह होने पर तीनों व्यक्तियों को हिरासत में लेकर उनके बैग की जांच की गई। इनके पास कुल 8 बोरियों में 45 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। सहायक सुरक्षा आयुक्त, अशोक कुमार सिंह की उपस्थिति में सभी पैकेटों की डीडी किट से जांच की गई, जो पॉजिटिव पाई गई। बरामद गांजा की कीमत लगभग साढ़े चार लाख रुपये बताया गया है।

BRIEF NEWS

मौनी अमावस्या पर राधारानी कुष्ठ आश्रम में किया गया प्रसाद का वितरण

RANCHI : मौनी अमावस्या पर भदानी बिल्डकॉन झुमरी तिलैया ने दयाराम भदानी की स्मृति में इटकी रोड स्थित राधारानी कुष्ठ आश्रम में 200 कुष्ठ रोगियों में प्रसाद वितरण किया। श्रेयस भदानी और अनन्या मंगल ने श्रद्धा के साथ लोगों को प्रसाद का वितरण किया। सेवा विभाग विश्व हिंदू परिषद झारखंड के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि इसकी व्यवस्था प्रांत सह सेवा प्रमुख अशोक कुमार अग्रवाल और प्रांतीय उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिंह मुंडा द्वारा की गई। मौके पर राजू कुमार की आत्मा की शांति के लिए भी प्रार्थना की गई। साथ ही बताया गया कि श्रेयस भदानी 1 फरवरी को रांची में बच्चों के बीच प्रसाद वितरण करेंगे।

जैप 1 में आयोजित कार्यक्रम में डीजी आरके मल्लिक को दी गई विदाई

RANCHI : झारखंड पुलिस में डीजी रैंक के अफसर अजय कुमार सिंह व आरके मलिक शुक्रवार को सेवानिवृत हो जाएंगे। इसको लेकर डोरंडा स्थित जैप 1 परिसर में आरके मल्लिक की सेवानिवृति को लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय के द्वारा विदाई कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को किया गया। वहीं पूर्व डीजीपी अजय कुमार के विदाई को लेकर कल यानि शुक्रवार को कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अजय कुमार वर्तमान में झारखंड पुलिस हाउसिंग में एमडी के पद पर पदस्थापित हैं, जबकि आरके मलिक डीजी मुख्यालय के पद पर पदस्थापित थे। विदाई समारोह में झारखंड पुलिस के कई अधिकारी उपस्थित थे।

केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे आईपीएस एमएस भाटिया

RANCHI : झारखंड कैडर के 1993 बैच के आईपीएस एमएस भाटिया केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस लौट आए हैं। गुरुवार को आईपीएस एमएस भाटिया पुलिस मुख्यालय पहुंचे थे। इससे पहले भाटिया केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर थे और वो सीआरपीएफ में आईजी एडमिन के पद पदस्थापित थे। गौरतलब है कि अक्टूबर 2024 में झारखंड सरकार ने एमएस भाटिया को डीजी रैंक में प्रोफार्मा प्रोन्नति दी थी। इसको लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने अधिसूचना जारी की गई थी। वहीं दूसरी तरफ एक दिन बाद यानि 31 जनवरी झारखंड पुलिस के दो डीजी रैंक के अफसर अजय कुमार और आरके मल्लिक रिटायर हो जाएंगे। इसके बाद एस भाटिया के केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस लौट जाने के बाद झारखंड पुलिस में डीजी रैंक के अफसर की संख्या कुल चार हो जाएगी।

निगम आज से 11 फरवरी तक लगाएगा विशेष शिविर

RANCHI : नगर निगम आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 31 जनवरी से 11 फरवरी तक विशेष शिविर का आयोजन करने जा रहा है। नगर प्रशासक के निर्देश पर राजस्व शाखा की टीम विभिन्न वार्डों में प्रतिदिन शिविर लगाकर भवन मालिकों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और अन्य धृतिधारकों से टैक्स कलेक्शन के साथ नए आवेदन लेगी। इन शिविरों में निगम के पदाधिकारी, टैक्स कलेक्टर और मेसर्स श्री पब्लिकेशन एंड स्टेशनर्स के सदस्य उपस्थित रहेंगे। शिविर में नए होल्डिंग के लिए आवेदन, होल्डिंग टैक्स का ऑन-स्पॉट भुगतान हो सकेगा। इसके अलावा होल्डिंग के सेल्फ असेसमेंट, री-असेसमेंट और म्यूटेशन हेतु आवेदन भी लिए जाएंगे।

सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने का लिया संकल्प

गांधीजी ने अहिंसा को पूरे विश्व में दिलाई मान्यता : केशव कमलेश

- कांग्रेस मुख्यालय में गांधी की प्रतिमा पर नेताओं ने अर्पित किए श्रद्धा सुमन

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का शहादत दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और अन्य नेताओं ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में कांग्रेस के कार्यकताओं और नेताओं ने गांधीजी के सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि महात्मा गांधी के विचार आज भी हमारे समाज और देश के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि गांधीजी ने अहिंसा को विश्व में मान्यता दिलाई और स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज हमें बापू, डॉ. अंबेडकर और हमारे संविधान के आदर्शों की रक्षा के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ ताकतें जो गांधीजी के विरोधी थीं, अब उनके विचारों का हवाला दे रही हैं। कार्यक्रम में मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुंजनी, किशोर शाहदेव, खुर्शीद हसन, राजेश सिन्हा और अन्य कई नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस अवसर पर गांधीजी के विचारों को फैलाने और समाज में उनके आदर्शों को पुनः स्थापित करने का संकल्प लिया गया।

कल रांची पहुंचेंगे कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर

RANCHI : पहली फरवरी को कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर रांची पहुंचेंगे। झारखंड में होने वाले नगर निकाय चुनाव को लेकर मीटिंग में रणनीति बनाई जाएगी। दलीय आधार पर झारखंड में शहरी निकाय चुनाव नहीं होने के बावजूद कांग्रेस की कोशिश है कि ज्यादा से ज्यादा वार्ड पार्षद, डिप्टी मेयर और फिर मेयर, नगर पंचायत, नगर परिषद के अध्यक्ष, उपाधयक्ष के पदों पर कांग्रेसी विचारधारा वाले लोग आसीन हो। इसके लिए विशेष योजना के तहत काम किया जाएगा। 2 फरवरी को रामपुर के पास स्थित बागवानी सभागार में गुलाम अहमद मीर पहले सत्र में पार्टी के विधायक, मंत्री, सांसद, पूर्व विधायक, पूर्व सांसदों के साथ बैठक करेंगे।

पशुपालन निदेशालय में कृषि मंत्री ने अधिकारियों के साथ की मीटिंग

बीज उत्पादन के क्षेत्र में झारखंड को बनाएंगे आत्मनिर्भर : शिल्पी नेहा तिर्की

मंत्री ने की बीज निगम और जीव-जंतु कल्याण बोर्ड की कार्यप्रणाली की समीक्षा

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि झारखंड को बीज उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। रांची स्थित पशुपालन निदेशालय में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ बीज निगम और जीव जंतु कल्याण बोर्ड की कार्यप्रणाली की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य के बीज उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहल की जा रही हैं, ताकि झारखंड बीज के मामले में दूसरे राज्यों पर निर्भर न रहे। मंत्री ने बैठक के बाद कहा कि राज्य में बीज उत्पादन की स्थिति वर्तमान में अन्य राज्यों पर निर्भर है। राज्य हर साल करोड़ों रुपये बीज खरीद और वितरण पर खर्च करता है। उन्होंने कहा कि आज देश के कई राज्य बीज उत्पादन में आत्मनिर्भर हैं और दूसरों को बीज सप्लाई भी कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि झारखंड आने वाले समय में बीज उत्पादन में आत्मनिर्भर बने और हमें अन्य राज्यों से बीज की खरीदारी के लिए निर्भर न रहना पड़े।

कर्नाटक जैसी योजना पर करेंगे काम

मंत्री ने यह भी बताया कि हाल ही में विभाग की टीम ने कर्नाटक राज्य का दौरा किया, जहां बीज उत्पादन के क्षेत्र में शानदार कार्य हो रहा है। कृषि मंत्री ने कहा कि कर्नाटक ने बीज उत्पादन को लेकर जो नीति और शोध अपनाया है, उसे हमें भी अपनाने की जरूरत है। इससे झारखंड में बीज उत्पादन और वितरण की प्रक्रिया में सुधार आएगा। जिससे राज्य इस क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना पाएगा।

सेमिनार में जुटेंगे विशेषज्ञ

पशु कल्याण के मुद्दे पर कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य में बहुत जल्द एक वृहद सेमिनार आयोजित किया जाएगा। इसमें एनजीओ और पशु कल्याण से जुड़े विशेषज्ञों को शामिल किया जाएगा। शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि पशु कल्याण से संबंधित कई मुद्दे ऐसे हैं, जिन पर विभाग के पास पर्याप्त जानकारी नहीं है। लेकिन, एनजीओ इस क्षेत्र में लगातार काम कर रहे हैं और जमीनी स्तर पर उनका काम दिखाई भी देता है। हम इस तरह के एनजीओ के अनुभव और उनके किए गए अध्ययन से लाभ उठाने के लिए एक वृहद सेमिनार आयोजित करेंगे। पशु कल्याण के लिए यह जरूरी है कि विभाग और एनजीओ मिलकर काम करें ताकि राज्य में पशुओं के कल्याण के लिए ठोस कदम उठाए जा सकें।

हेमंत सरकार ने बोर्ड की सारी कमियों को दूर करने का किया फैसला

बिजली बोर्ड में सभी पदों पर जल्द होगी नियमित नियुक्ति

कोई भी पद अब प्रभार अथवा एक्सटेंशन के आधार पर नहीं रहेगा

सिर्फ चार इंजीनियरों को ही सीएमडी बनने का मिला है मौका

किसी भी आईएएस ने पूरा नहीं किया है कार्यकाल

PHOTON NEWS RANCHI : अब हेमंत सरकार ने बिजली बोर्ड के सभी कल कांटे दुरुस्त करने का फैसला किया है। विभिन्न पदों पर नियुक्ति का प्लान तैयार कर लिया गया है अब किसी भी पद को एक्सटेंशन और प्रभार में नहीं रखा जाएगा। सभी रिक्त पदों पर नियमित नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए विज्ञापन जारी कर दिया गया है। विज्ञापन जारी होते ही झारखंड ऊर्जा विकास निगम में सीएमडी, एमडी और डायरेक्टर के लिए लॉबिंग शुरू हो गई है। इंजीनियर इन चीफ से लेकर चीफ इंजीनियर तक सीएमडी, एमडी और डायरेक्टर पद के लिए जोरदार आजमाइश कर रहे हैं। ऊर्जा विकास निगम में सीएमडी का पॉलिटिकल पोस्ट है। फिलहाल सीएमडी का पद प्रभार में चल रहा है।

15 आईएएस सीएमडी की संभाल चुके हैं कमान

राज्य गठन से लेकर अब तक 15 आइएएस सीएमडी की कमान संभाल चुके हैं। इसके बावजूद बिजली आपूर्ति नहीं हो पाई है। अब तक सिर्फ चार इंजीनियर एचबी लाल, राजीव रंजन, एसएन वर्मा और बीएम वर्मा को ही सीएमडी बनने का मौका मिला। अब तक बिजली बोर्ड में जितने भी आईएएस अध्यक्ष रहे, उनमें से किसी ने भी तीन साल का कार्यकाल पूरा नहीं किया। पूर्व मुख्य सचिव शिव बसंत दो बार बिजली बोर्ड के अध्यक्ष रहे। पहले अध्यक्ष के रूप में इनका कार्यकाल सिर्फ दो माह का ही रहा।

बिजली बोर्ड का कैडर मैनेजमेंट

बिजली बोर्ड के बंटवारे के बाद कंपनियों में एमडी और डायरेक्टर की नियुक्ति आनन-फानन में कर ली गई थी। इसमें भी वरीयता का ख्याल नहीं रखा गया था। निदेशक मंडल में दो प्रधान सचिव रैंक के आईएएस अफसर शामिल थे। इसमें ऊर्जा और वित्त विभाग के प्रधान सचिव शामिल थे। इन्हें एमडी का निर्णय मानना बाध्य हो गया था। उस समय बिजली बोर्ड में प्रबंध निदेशक चीफ इंजीनियर रैंक के दो अफसर केके वर्मा और सुभाष सिंह को बनाया गया था। इन्हें आईएएस अफसरों को रिपोर्ट करना था। वहीं पूर्व सीएमडी एसएन वर्मा को भी आईएएस रिपोर्ट करते।

इन पदों पर की जाएगी बहाली

उर्जा विकास निगम के निदेशक वित्त, उत्पादन निगम के लिए निदेशक वित्त, उत्पादन निगम के लिए निदेशक तकनीक, उत्पादन निगम के लिए निदेशक परियोजना, संचरण निगम के लिए निदेशक वित्त, संचरण निगम के लिए निदेशक परियोजना, संचरण निगम के लिए निदेशक संचालन, वितरण निगम के लिए निदेशक वित्त और वितरण निगम के लिए निदेशक वितरण के पद पर नियुक्ति का विज्ञापन जारी किया गया है। आवेदन 21 फरवरी तक जमा किए जाएंगे।

रांची के अंजुमन इस्लामिया का चुनाव समय पर कराने की उठी आवाज

अलग-अलग संगठनों ने की ग्रामीण क्षेत्रों तक दायरा बढ़ाने की मांग

PHOTON NEWS RANCHI : अंजुमन इस्लामिया रांची का चुनाव वक्त पर कराने और अंजुमन के कार्यक्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने की मांग को लेकर अंजुमन बचाओ मोर्चा के बैनर तले विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी का ज्ञापन सौंपा। इसकी अगुवाई लेखक सह समाजसेवी रमजान कुरैशी ने की। कुरैशी ने कहा कि अंजुमन इस्लामिया रांची की मौजूदा कार्यसमिति का कार्यकाल 30 अगस्त 2025 को पूरा हो रहा है। लेकिन, इसके बायलॉज के मुताबिक अब तक वर्तमान कार्यसमिति ने इलेक्शन कनवेनर का चयन नहीं किया है। इससे मालूम होता है कि मौजूदा कार्यसमिति समय पर अंजुमन इस्लामिया का चुनाव कराने की मंशा नहीं रखती है। चूंकि अंजुमन इस्लामिया का कार्यक्षेत्र अथवा दायरा काफी बड़ा है और वोटर लिस्ट तैयार करने और मतदान संपन्न कराने में लंबा समय लगता है। ऐसे में अब तक इलेक्शन कनवेनर का इंतेखाब नहीं करना अंजुमन इस्लामिया के बायलॉज का उल्लंघन करने जैसा है। प्रतिनिधमंडल ने आगे मांग करते हुए कहा कि अंजुमन इस्लामिया रांची का कार्यक्षेत्र अथवा दायरा को वक्फ बोर्ड के माध्यम से बायलॉज के मुताबिक बढ़ाया जाए। मालूम हो कि समय के साथ पिछले 35-40 वर्षों में रांची के शहरी और ग्रामीण इलाकों में भौगोलिक बदलाव के साथ आबादी में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। इसलिए वक्त के साथ देही इलाकों को भी दायरा में जोड़ा जाए।

समाचार सार

समाहरणालय में शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला समाहरणालय परिसर में गुरुवार को शहीद दिवस (राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि) पर स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर, उपविकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, परियोजना निदेशक-आईटीडीए जयदीप तिग्गा, सामान्य शाखा प्रभारी उपसमाहर्ता कुमार हर्ष सहित सभी जिलास्तरीय पदाधिकारी व समाहरणालय संवर्ग के सभी कर्मचारियों ने 2 मिनट का मौन रखा। राज्य सरकार से प्राप्त निर्देश के आलोक में जिले के सभी कार्यालय, अनुमंडल कार्यालय, प्रखंड व अंचल कार्यालय में शहीदों को स्मरण किया गया।

नेताजी को समर्पित कैलेंडर विमोचित

JAMSHEDPUR : साकची बस स्टैंड के पास गुरुवार को सामाजिक संस्था हिंद सेवा समिति के प्रधान कार्यालय में नेताजी सुभाष चंद्र बोस को समर्पित कैलेंडर का विमोचन किया गया। नेताजी जयंती (23 जनवरी) पर समिति द्वारा प्रकाशित कैलेंडर में अन्य शहीदों के चित्र भी हैं। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष अशोक पांडेय, महासचिव शंभू मुखी डूंगरी, उपाध्यक्ष डॉ. पवन पांडेय आदि भी उपस्थित थे।

मजहरुल बारी ने वनकर्मियों को दिया प्रशिक्षण

JAMSHEDPUR : टाटा स्टील के सुरक्षाकर्मी मजहरुल बारी ने गुरुवार को वन विभाग के कर्मियों को प्रशिक्षण दिया, जिससे वे आपात स्थिति में ऊंचे भवन व पेड़ से किसी को सुरक्षित निकाल सकें। इसके लिए उप वन संरक्षक सह क्षेत्र निदेशक गज परियोजना, जमशेदपुर सबा आलम अंसारी ने प्रशस्तिपत्र भी दिया। ज्ञात हो कि बारी कुशल गोताखोर के रूप में लोकप्रिय हैं।

राष्ट्रपिता की याद में डीसी ने रखा मौन

JAMSHEDPUR : समाहरणालय सभागार में गुरुवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उपायुक्त अनन्य मित्तल ने 2 मिनट का मौन रखा। इस मौके पर अपर उपायुक्त भगीरथ प्रसाद, विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी समेत जिला स्तरीय अन्य पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने भी स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्य सरकार के निदेर्शानुसार सभी सरकारी कार्यालयों व संस्थानों में शहीद दिवस मनाया गया।

उपायुक्त ने शहीदों को अर्पित की विनम्र श्रद्धांजलि

SERAIKELA : उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभागार में स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को 2 मिनट का मौन रख कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान उपविकास आयुक्त सह परियोजना निदेशक-आईटीडीए आशीष अग्रवाल, अपर उपायुक्त जयवर्धन कुमार, उपनिर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पंचायती राज पदाधिकारी सुरेंद्र उरांव व जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार भी उपस्थित रहे।

सास्था प्रीति महोत्सव आज से

JAMSHEDPUR : खरकई लिंक रोड, बिष्टुपुर स्थित धर्मसास्था मंदिर में 31 जनवरी से 9 फरवरी तक 77वां सास्था प्रीति महोत्सव मनाया जाएगा। शुक्रवार सुबह 8 बजे गणपति पूजन से अनुष्ठान प्रारंभ होगा। गुरुवार को मंदिर परिसर में संस्था के चेयरमैन पीएन शंकरन ने बताया कि अनुष्ठान संपन्न कराने के लिए चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई व दिल्ली से 32 पुरोहित आए हैं। प्रेस वार्ता में अध्यक्ष एन राममूर्ति, महासचिव बी. सुब्रमण्यन व कोषाध्यक्ष एएस विश्वेश्वरन भी उपस्थित थे।

छात्राओं को बताए गए फाइलेरिया के लक्षण

JAMSHEDPUR :शोभा सहाय ट्रस्ट की ओर से गुरुवार को दस नंबर बस्ती, सिदगोड़ा स्थित हिंदुस्तान मित्र मंडल स्कूल के प्रागण में कार्यक्रम किया गया, जिसमें फाइलेरिया बीमारी से छात्राओं को जागरूक किया गया। स्कूल के प्रधानाध्यापक छक्कन चौधरी और स्कूल की मैनेजमेंट टीम ने सभी बातों को विस्तार से समझाया। सभी से अनुरोध किया गया कि आप सभी इस बार फाइलेरिया की दवा अवश्य खाएं और जिला व समाज को फाइलेरिया मुक्त बनाने में योगदान दें। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में ट्रस्ट की टीम ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

गांधी मैदान में वाहनों में भर कर रखा गया है कचरा

मानगो में अब भी हर तरफ कचरे का अंबार, नहीं हो रहा उठाव

MUJTABA RIZVI @ JSR

मानगो में अभी भी कचरे का उठाव नहीं हो रहा है। जगह-जगह कचरा डंप है। हर तरफ बदबू उठ रही है। मानगो नगर निगम ने अपने सभी कचरा ढोने वाले वाहनों को कचरे से लोड कर गांधी मैदान में खड़ा कर दिया है। इस वजह से गांधी मैदान में बदबू आ रही है। मानगो नगर निगम कचरा निस्तारण को लेकर हो रही परेशानी का हल नहीं खोज पाया है।

मानगो का कचरा पहले सोनारी के डंपिंग यार्ड में जाता था। मगर, यहां के स्थानीय लोग कचरा फेंके जाने का विरोध करते थे। इसके बाद वहां कचरा फेंकने का काम बंद कर दिया गया। तब से मानगो का कचरा कहां फेंका जाए, इसे लेकर नगर निगम के सामने दिक्कत खड़ी हो गई है। पिछले एक महीने से यह परेशानी चल रही है। मानगो से कचरो उठाव रुक गया है। समाजसेवी विकास सिंह ने पखवारा भर पहले एलान किया था कि अगर मानगो से कचरा उठाव नहीं किया जाता तो वह आमरण अनशन पर बैठ जाएंगे। इसके बाद मानगो नगर निगम के अधिकारी परेशान हो गए। इसके बाद नगर निगम के अधिकारियों ने कचरा ढोने के लिए लगाई गई गाड़ियों में कचरा लोड कर इसे गांधी मैदान के सामने खड़ा कर दिया है। इससे गांधी मैदान में भी बदबू फैल रही है। नगर निगम के सामने इस बात का कोई जवाब नहीं है कि कचरा उठाव कब होगा। कचरा कहां फेंका जाएगा।

मानगो नगर निगम परिसर में कचरे से लदी गाड़ियां • फोटोन न्यूज

जनप्रतिनिधि भी खामोश

मानगो कचरे के ढेर पर है। यहां सफाई व्यवस्था भी चरमराई हुई है। मगर, जनप्रतिनिधि खामोश हैं। सांसद और विधायक समेत सभी जनप्रतिनिधि इस मामले में खामोश बैठे हुए हैं। किसी के पास कोई ठोस हल नहीं है। पूर्व विधायक बन्ना गुप्ता जब यहां के विधायक थे, तो उन्होंने मानगो की समस्या हल करने की कोशिश नहीं की। अब वह इस मसले के सुलझाने के लिए सीएम से मिल रहे हैं।

कम सफाईकर्मियों के कारण फैल रही गंदगी

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने गुरुवार को कहा कि जमशेदपुर, मानगो नगर निगम और जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति अंतर्गत मुख्य सड़कों, नालियों की सफाई करने तथा कचरा उठाने के काम में लम्बे अरसे से कोताही बरती जा रही है। दोनों ही नगरपालिकाओं में इस काम के लिए प्रतिमाह लाखों रुपये खर्च हो रहे हैं, परंतु सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं है। जो ठेकेदार इस काम के लिए नगरपालिकाओं द्वारा बहाल किए गए हैं और इन ठेकेदारों को जितनी संख्या में सफाई कर्मियों को प्रतिदिन रखना है, वे उससे काफी कम संख्या में सफाई कर्मियों की तैनाती क्षेत्र में कर रहे हैं, जबकि इसके लिए ठेकेदार पूरा पैसा ले रहे हैं। मानगो नगर निगम के नगर आयुक्त और जेएनएसी के उप नगर आयुक्त यह सुनिश्चित करें कि उनके विधानसभा क्षेत्र में सभी सड़कों और गलियों की सफाई तत्परता से हो तथा वहां से प्रतिदिन कचरा उठाया जाए। एक बयान में सरयू राय ने कहा कि उन्होंने अपने सहयोगियों को निर्देश दिया है कि वे इस बात कि पूरी छानबीन लगातार करें कि ठेकेदारों को जितनी संख्या में सफाईकर्मी रखना है, उतनी संख्या में सफाईकर्मी क्षेत्र में कार्यरत हैं अथवा नहीं। इस सिलसिले में गुरुवार को जेएनएसी के अंतर्गत कदमा क्षेत्र में सहयोगियों ने सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया और पाया कि वहां के लिए ठेकेदार द्वारा कुल 72 महिला और पुरूष सफाईकर्मियों को तैनात करने का प्रावधान है, परंतु औचक निरीक्षण में वहां केवल 54 सफाईकर्मी ही पाए गए।

सदर अस्पताल में हुआ दोनों नक्सलियों का पोस्टमार्टम

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के सोनुआ थाना क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ में मारे गए दोनों नक्सलियों का पोस्टमार्टम गुरुवार को सदर अस्पताल में हुआ। पोस्टमार्टम करने वाली तीन सदस्य मेडिकल टीम में डॉ, प्रिंस पिंगुवा, डॉ. दीपक कुमार सिन्हा और डॉ. गजेंद्र नायक शामिल थे। मजिस्ट्रेट के रूप में सोनुआ के अंचल अधिकारी अनुज टेटे मौजूद थे। जिन नक्सलियों का पोस्टमार्टम किया गया, उसमें सिमरिया के 40 वर्षीय संजय गंझू उर्फ विजय गंझू और बोकारो की 40 वर्षीय हेमंती मंझियाइन शामिल है। बता दें कि बुधवार को पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में पुलिस ने दो नक्सली को मार गिराया था। इस दौरान भारी मात्रा में हथियार, कारतूस सहित कई सामग्री पुलिस ने बरामद की थी। इस घटना के बाद से नक्सली एक बार फिर बैकफुट पर नजर आ रहे हैं। बहरहाल पश्चिमी सिंहभूम जिले में पुलिस अब नक्सली मुक्त अभियान चला रही है। इसमें पुलिस का कहना है कि सरेंडर करो या गोली खाओ। पुलिस पूरी तरह आरपार की लड़ाई के मूड में है।

बिष्टुपुर में मिला महिला का शव अब तक नहीं हो सकी पहचान

सोनारी में मेरीन ड्राइव पर सड़क किनारे मिली लाश से फैल गई सनसनी

JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर में गुरुवार को एक महिला का शव मिला। शव मेरीन ड्राइव पर बेल्डीह ग्राम बस्ती के पास मिला। शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। मेरीन ड्राइव पर सड़क किनारे शव मिलने की सूचना जंगल में आग की तरह फैल गई। शव देखने वाले जुटने लगे। इसी बीच किसी ने शव मिलने की जानकारी पुलिस को दे दी।

इसके बाद बिष्टुपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को एमजीएम अस्पताल के शीतगृह में शव रख दिया है। पुलिस का कहना है कि शव सड़क किनारे पड़ा हुआ था। शव की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। पुलिस ने मौके पर ही शव की पहचान कराने की कोशिश की, मगर कामयाबी नहीं मिली। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

वाहन में रखा गया शव

कर्ज से दबे पुट्टी मिस्त्री ने फांसी लगा कर दी जान

एमजीएम थाना क्षेत्र के रुपाईडांगा के रहने वाले 25 वर्षीय राम कर्मकार ने फांसी लगा कर खुदकुशी कर ली है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। मृतक की पत्नी सोनिया कर्मकार का कहना है कि उसके पति ने बैंक से दो लाख रुपये लोन लिया था। इसी वजह से टेंशन में रहते थे। सोनिया का कहना है कि वह पड़ोस में गई थी। वहां से घर लौटी तो देखा दरवाजा अंदर से बंद है। खटखटाने पर जब दरवाजा नहीं खुला तो पड़ोसियों की मदद से तोड़ा गया। सोनिया का कहना है कि अंदर उसके पति की लाश फंदे पर लटक रही थी। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह पता चलेगी।

बहरागोड़ा में वाहन ने साइकिल सवार को मारी टक्कर, मौत

बहरागोड़ा में एक अज्ञात वाहन ने साइकिल सवार को टक्कर मार दी। इस सड़क हादसे में साइकिल सवार टोटासाई गांव के 30 वर्षीय दीपक मुंडा की मौत हो गई। दीपक बहरागोड़ा से मेला देख कर घर लौट रहा था। तभी यह हादसा हुआ। वाहन ने उसकी साइकिल को पीछे से टक्कर मार दी। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

परसुडीह में कचरा फेंकने के विवाद में महिला से मारपीट

परसुडीह के मकदमपुर में कचरा फेंकने के विवाद में दो पक्षों में मारपीट हो गई। इस मामले में एक महिला फरहत खातून के साथ मारपीट की गई है। इस मारपीट में महिला का सिर फट गया है। परिजनों ने परसुडीह थाने में मामले की शिकायत कर दी है। मगर, पुलिस ने अब तक आरोपियों पर कार्रवाई नहीं की है। महिला का कहना है कि कुछ आरोपी दुबई से यहां छुट्टी बिताने आए हैं। पुलिस ने कार्रवाई नहीं की तो ये कुछ दिन में फरार हो जाएंगे।

बर्मामाइंस में कार ने युवक को मारी टक्कर

बर्मामाइंस में एक युवक अनीस मुखी को कार ने गुरुवार को तब टक्कर मार दी, जब वह अपने घर से सामान खरीदने निकला था। अनीस सामान खरीद कर दुकान से घर जा रहा था, तब यह हादसा हुआ। अनीस को टक्कर मार कर चालक कार सहित फरार हो गया। अनीस का इलाज एमजीएम अस्पताल में कराया गया है।

कुंभ में लापता दोनों महिलाएं पुलिस के संरक्षण में मिलीं, परिजनों में खुशी की लहर

घाटशिला से गए सभी 12 श्रद्धालु लौट रहे, पोटका की महिला अब भी लापता

PHOTON NEWS GHATSILA : प्रयागराज के महाकुंभ मेले में मची भगदड़ के दौरान लापता हुई दो महिलाएं गुरुवार को सुबह में पुलिस के पास सुरक्षित मिलीं। दोनों के मिलने से परिवार के लोगों में खुशी का माहौल है। मेले में मिलने के बाद महिला सुनैना देवी व सरिता देवी ने बताया कि जिस दौरान भगदड़ मची, वह भी उसका शिकार हो गयी थीं, लेकिन पुलिस ने उन्हे बचाकर अपने साथ रखा और जब तक परिजन नहीं मिले, यह भरोसा दिलाया कि अगर परिजन नही भी मिलते है तो पुलिस अपनी निगरानी में उन्हे घर तक पहुंचाएगी। इस कारण उन लोगों ने हिम्मत नहीं खोया। लेकिन भगदड़ के दृश्य को वह अभी भी भूल नही पाई हैं। दोनों महिला के मिलने के बाद घाटशिला समेत अन्य स्थानों से गए सभी 12 लोग कुंभ में स्नान के बाद घाटशिला के लिए रवाना हो गए हैं। इधर महिला के लापता होने की सूचना पर घाटशिला से बुधवार की शाम को कुंभ के लिए रवाना हुए परिजन भी लौट कर घाटशिला आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार घाटशिला मुख्य शहर के भूंजा व्यवसायी तारकेश्वर साव अपनी पत्नी सुनैना देवी एवं उनके भाई राजेंद्र साव व उनकी पत्नी सरिता देवी 26 जनवरी को एक स्कार्पियों से अन्य स्थानों के कुल 12 लोग कुंभ गए थे। वे लोग बनारस में रुकने के बाद मंगलवार को कुंभ पहुंचे थे। जिस दौरान ये लोग कुंभ में पहुंचे थे, उसी दौरान भगदड़ मच गई और दोनों महिला का साथ इन लोगों से छूट गया। भगदड़ के शांत होने के बाद बाकी बचे 10 लोगों ने महिला को खोजना शुरू किया, लेकिन कहीं पता नहीं चला। इसके बाद प्रशासन का सहयोग लेकर इनलोगों ने एनाउंस भी कराया, लेकिन गुरुवार की सुबह दोनों महिलाओं की परिजन से मुलाकात हो गई। दोनों महिलाओं ने पुलिस का आभार जताया है। दूसरी ओर पोटका की महिला गीता देवी का अभी तक पता नहीं चल पाया है, वह भी भगदड़ के दौरान लापता हुई थी।

पटमदा के प्रोजेक्ट स्कूल में हुई बाल संसद

JAMSHEDPUR : प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय, माचा-पटमदा में गुरुवार को बाल संसद की बैठक हुई, जिसमें विभिन्न ग्राम से आई बालिकाओं को पंचायत सचिव रूमा कुमारी ने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि विद्यालय में बालिकाओं को शिक्षा के साथ आधारभूत संरचना भी मिलनी चाहिए, जिससे वे खुद में आत्मविश्वास ला सकें। एसएमसी सदस्य के साथ विद्यालय की प्रधानाध्यापिका डॉ. प्रियंका झा ने बालिकाओं की सुरक्षा तथा विज्ञान की पढ़ाई के लिए विद्यालय में प्रयोगशाला की आवश्यकता बताई। बच्चियों को अपने पैर पर खड़ा होने के लिए स्किल डेवलपमेंट के साथ पढ़ाई में बेहतर करने के लिए प्रेरित किया। छात्राओं ने अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्लस टू करने की बात रखी। यह प्रखंड में बालिकाओं का एकमात्र उच्च विद्यालय है।

विधायक पूर्णिमा ने 28 विकास योजनाओं का किया शिलान्यास

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र की विधायक पूर्णिमा साहू ने गुरुवार को टाउन हॉल परिसर, सिदगोड़ा में 28 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं की कुल लागत 5,94,62,291 है, जो नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा वित्तपोषित और जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति द्वारा कार्यान्वित की जाएंगी। शिलान्यास किए गए कार्यों में 2,18,55,314 की लागत से 12 सड़क परिवहन परियोजनाएं, 3,47,36,827 की लागत से 15 नागरिक सुविधा परियोजनाएं, और 15वें वित्त आयोग के तहत 28,70,150 की एक परियोजना शामिल है। इन विकास कार्यों में बिरसानगर जोन नंबर 1, भुइयांडीह के ब्राह्मणटोला, गोलमुरी के मथुरा बागान में सड़कों का निर्माण, बिरसानगर, काशीडीह, बमार्माइंस और सीतारामडेरा में पेवर्स ब्लॉक का निर्माण, मनीफीट, बिरसानगर जोन नंबर 1 और भुइयांडीह में नालियों का निर्माण, गोलमुरी सामुदायिक भवन में पुस्तकालय हॉल, बागुनहातु और भुइयांडीह में भूखंडों की बाउंड्री, देवनगर में सामुदायिक भवन निर्माण सहित अन्य परियोजनाएं शामिल हैं।

शिलान्यास करतीं पूर्णिमा साहू

लापता छात्र को खोजने के लिए सभी थानों को किया गया अलर्ट

GHATSILA : ऊपरपावड़ा आदिवासी आवासीय विद्यालय से लापता तीसरी कक्षा के छात्र सुशील मुर्मू का पता 10वें दिन भी नहीं चला। बच्चे की खोज को लेकर पुलिस, स्कूल प्रबंधन व अभिभावक भटक रहे हैं। इस मामले को लेकर आईटीडीए के परियोजना निदेशक ने स्कूल के एचएम कालीचरण स्वांसी व छात्रावास के वार्डेन एस श्रवण को कारण बताओ नोटिस जारी कर 24 घंटे में जवाब देने को कहा था। जवाब में दोनों ने बच्चे को खोजने की बात कही है। इस घटना को लेकर घाटशिला थाना की पुलिस भी परेशान है। थाना प्रभारी मधुसूदन दे ने बताया कि पुलिस बच्चे को खोजने के लिए जिले के सभी थाना के साथ साथ इंटर स्टेट पुलिस को भी मामले से अवगत कराया है। इसके बावजूद कहीं से क्लू नही मिल रहा है। पुलिस का कहना है कि बच्चे के साथ किसी प्रकार की अनहोनी भी होती, तो कहीं न कहीं से कोई पता जरूर चलता। सभी थाना अलर्ट मोड पर हैं। पुलिस लगातार स्कूल प्रबंधन और अभिभावक के संपर्क में है।

राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में देश के 30 संस्थान से 100 प्रतिनिधि ले रहे भाग, प्रस्तुत होंगे 37 तकनीकी पत्र

कोलकाता में शुरू हुआ कोयला व खनिज में नवाचार पर सम्मेलन

PHOTON NEWS JSR : सीएसआईआर-एनएमएल, जमशेदपुर द्वारा 30-31 जनवरी को संसाधनों के सतत उपयोग के लिए कोयला एवं खनिज लक्षण वर्णन में नवाचार (आईसीएमसीएस) पर सम्मेलन का आयोजन फेयरफील्ड बाय मैरियट, कोलकाता में आयोजित किया जा रहा है। एनएमएल, जमशेदपुर की प्लैटिनम जयंती पर संसाधनों के सतत उपयोग के लिए कोयला एवं खनिज लक्षण वर्णन में नवाचार पर यह राष्ट्रीय सम्मेलन हो रहा है। सम्मेलन का उद्देश्य शोधकताओं, उद्योग जगत के लीडरों और नीति निमार्ताओं को साझा मंच प्रदान करना है, ताकि ज्ञान साझाकरण, नवाचार और संसाधनों के सतत उपयोग हेतु सहयोगात्मक रूप से उन्हें बढ़ावा दिया जा सके। सम्मेलन का उद्घाटन फेयरफील्ड बाय मैरियट, कोलकाता में किया गया, जिसमें कई प्रमुख गणमान्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनोज कुमार, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, सीएमपीडीआई, रांची, डॉ. संदीप घोष चौधरी, निदेशक, सीएसआईआर-एनएमएल सहित अन्य व्यक्तियों ने सम्मेलन की स्मारिका का विमोचन किया। सीएसआईआर-एनएमएल के प्लैटिनम जुबिली समारोह का हिस्सा के रूप में यह राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन कोयला और खनिज लक्षण वर्णन, संसाधन अन्वेषण, विश्लेषणात्मक तकनीकों और टिकाऊ प्रथाओं में प्रौद्योगिकियों और पद्धतियों को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में देश भर के 30 संस्थानों के 100 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं, तथा छह सत्रों में 37 तकनीकी पेपर प्रस्तुत किए जाएंगे, जिनमें कोयला और खनिज अनुसंधान के अत्याधुनिक विषयों को शामिल किया जाएगा।

इन्होंने भी किया संबोधित : सम्मेलन में उद्योग जगत के लीडरों द्वारा दिए गए दो पूर्ण व्याख्यान सुंदर रामम डीबी, उपाध्यक्ष, रॉ मैटेरियल, टाटा स्टील लिमिटेड और जॉय गोपाल घोष, एसोसिएट प्रिंसिपल (भूविज्ञान और अन्वेषण), जियोवेल सर्विसेज भी शामिल थे। सम्मेलन के छह तकनीकी सत्रों में विविध क्षेत्रों को शामिल किया गया, जिनमें कोयला लक्षण-निर्धारण में उभरते रुझान, अन्वेषण तकनीक और संसाधन उपयोग के लिए टिकाऊ दृष्टिकोण शामिल हैं।

सम्मेलन के प्रतिभागी • फोटोन न्यूज

अनुसंधान संगठनों व उद्योग में सहयोग जरूरी : मनोज कुमार

मुख्य अतिथि मनोज कुमार, सीएमडी, सीएमपीडीआई ने सभा को संबोधित किया और संसाधन अन्वेषण और सतत विकास में सीएमपीडीआईएल की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने अनुसंधान संगठनों और उद्योगों के बीच सहयोगात्मक रूप से महत्वपूर्ण विषयों पर जोर दिया, जैसे कि सीएसआईआर-एनएमएल और सीएमपीडीआई के बीच दीर्घकालिक साझेदारी, जिसने कोयला लक्षण-निर्धारण और प्रमाणित संदर्भ सामग्री में प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

खनिजों के सतत उपयोग में लैब की भूमिका महत्वपूर्ण : डॉ. चौधरी

सीएसआईआर-एनएमएल के निदेशक डॉ. संदीप घोष चौधरी ने गणमान्य व्यक्तियों, प्रतिनिधियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने पदार्थ विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान, विशेष रूप से कोयला और खनिज लक्षण-निर्धारण तथा उनके सतत उपयोग के क्षेत्र में प्रयोगशाला के महत्वपूर्ण योगदान पर जोर दिया। उन्होंने उद्योगों के साथ सहयोग, नवाचार को बढ़ावा देने, तथा शिक्षा जगत में युवा मस्तिष्कों के नवीन विचारों और क्षमताओं को विकसित करने तथा राष्ट्र निर्माण में एनएमएल की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

इन संस्थानों की सहभागिता

इस कार्यक्रम में आईआईटी, खड़गपुर; बीएचयू, वाराणसी; सीएमपीडीआई, रांची; एनसीसीसीएम, बीएआरसी, हैदराबाद; सीएसआईआर-सीएलआरआई, चेन्नई; मिजोरम विश्वविद्यालय; आईआईटी बॉम्बे; टाटा स्टील लिमिटेड, कोल इंडिया लिमिटेड, महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड; एनटीपीसी; सीएसआईआर-सीआईएमएफआर, धनबाद; जीएसआई, कोलकाता, सीएसआईआर-आईएमएमटी, भुवनेश्वर; तथा कई अन्य संस्थानों के प्रतिनिधियों प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी में रिसर्च जरूरी : डॉ. संचिता

आईसीएमसीएस-2025 की अध्यक्ष डॉ. संचिता चक्रवर्ती ने कोयला और खनिज लक्षण-निर्धारण और उनके सतत उपयोग में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के विकास को आगे बढ़ाने के लिए अनुसंधान प्रयोगशालाओं और उद्योगों के बीच दीर्घकालिक सहयोग को बढ़ावा देने के महत्वपूर्ण महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने ऐसे सहयोगात्मक प्रयासों से प्राप्त उल्लेखनीय उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला, विशेष रूप से उद्योगों और सीएसआईआर-एनएमएल जैसी प्रमुख राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं के बीच, तथा इस बात पर बल दिया कि किस प्रकार इन साझेदारियों ने नवाचार को बढ़ावा दिया है तथा संसाधन प्रबंधन में प्रमुख चुनौतियों का समाधान किया है।

सर्दियों में स्किन का ख्याल रखता है गुड़, इन तीन तरीकों से करें इस्तेमाल

सर्दी के मौसम में जब आपकी स्किन रूखी व बेजान हो जाती है तो ऐसे में गुड आपकी स्किन को हाइड्रेटेड और ग्लोइंग बनाए रखता है। यह विटामिन, मिनरल और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर है जो आपकी स्किन को मॉइश्चराइज़ करने के साथ-साथ उसे एक्सफ़ोलिएट और हील भी करता है।

ठंड के मौसम में हम सभी गुड़ का सेवन जरूर करते हैं। यह शरीर को गरमाहट प्रदान करता है। लेकिन क्या आपको पता है कि गुड़ ठंड के दिनों में आपकी स्किन का ख्याल भी रख सकता है। सर्दी के मौसम में जब आपकी स्किन रूखी व बेजान हो जाती है तो ऐसे में गुड आपकी स्किन को हाइड्रेटेड और ग्लोइंग बनाए रखता है। यह विटामिन, मिनरल और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर है जो आपकी स्किन को मॉइश्चराइज़ करने के साथ-साथ उसे एक्सफ़ोलिएट और हील भी करता है।

गुड़ को आप कई अलग-अलग तरीकों से अपने विंटर स्किन केयर रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि ठंड के दिनों में अपनी स्किन का ख्याल रखने के लिए आप गुड़ का इस्तेमाल किस तरह करें-

गुड़ और शहद से बनाएं फेस मास्क

ठंड के मौसम में अपनी स्किन की नमी को बनाए रखने और डेड स्किन सेल्स को हटाने के लिए आप गुड़ और शहद की मदद से फेस मास्क बनाकर इस्तेमाल करें।

आवश्यक सामग्री-

1 बड़ा चम्मच गुड़ पाउडर या कुचला हुआ

1 बड़ा चम्मच शहद

इस्तेमाल का तरीका-

सबसे पहले गुड़ को शहद के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें।

अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर 10-15 मिनट तक लगाएं।

अंत में, गुनगुने पानी से चेहरा धो लें और स्किन को मॉइश्चराइज करें।

गुड़ से बनाएं लिप बाम

ठंड के मौसम में होंठों के रूखेपन या फटने की समस्या बेहद आम है। ऐसे में आप गुड़ की मदद से लिप बाम बनाएं। यह आपके होंठों की नमी को बनाए रखने में मदद करेगा।

आवश्यक सामग्री-

1 चम्मच गुड़

1 चम्मच घी या नारियल का तेल

इस्तेमाल का तरीका-

गुड़ को घी या नारियल के तेल के साथ मिक्स करें।

अब इसे अपने होठों पर लगाएं।

आप हर दिन इसका इस्तेमाल कर सकती हैं और सर्दियों में भी होंठों को मुलायम बनाए रख सकती हैं।

गुड़ से बनाएं स्क्रब

गुड़ की मदद से स्क्रब भी बनाया जा सकता है। आप इसके साथ ओट्स या चीनी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आवश्यक सामग्री-

1 बड़ा चम्मच गुड़

1 बड़ा चम्मच पिसा हुआ ओट्स या चीनी

1 बड़ा चम्मच जैतून का तेल

स्क्रब बनाने का तरीका-

सबसे पहले गुड़ को पिसे हुए ओट्स या चीनी के साथ मिक्स करें।

अब इसमें जैतून का तेल मिलाएं।

इसे अपने चेहरे या शरीर पर लगाकर मसाज करें और धो लें।

हेल्दी डाइट के बाद भी कम नहीं हो रहा बजन तो आज से ही शुरू कर दें यह काम, एक हफ्ते में दिखेगा असर

वेट लॉस करना चाहते हैं और इसके लिए एक्सरसाइज भी करते हैं। हेल्दी खाना भी खाते हैं। लेकिन फिर भी मनचाहा रिजल्ट नहीं मिल रहा। इसके लिए कई बार लाइफस्टाइल की बहुत छोटी बातें जिम्मेदार होती हैं। इस बारे में फिटनेस कोच शितिजा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है और बताया कि कैसे वर्कआउट करने के बाद भी वजन कम नहीं हो रहा।

आखिर क्यों दिखता है बढ़ा हुआ वजन

अगर आपका वजन भी रोज एक किलो के करीब ज्यादा दिख रहा तो इसके लिए कई फैक्टर जिम्मेदार होते हैं।

-रात को हाई कार्बोहाइड्रेट वाला डिनर

-स्ट्रेस

-बहुत ज्यादा हैवी वर्कआउट, जिसकी वजह से मसल्स लॉस होने की बजाय स्ट्रेंथ पाती हैं।

-रात को देर से खाना

-पीरियड्स के दौरान भी कुछ महिलाओं का वजन बढ़ा हुआ दिखता है।

-अगर आपकी नींद ठीक से पूरी नहीं हो रही तो भी वेट गेन होगा।

-वेट नापते वक्त आपका पेट खाली होना चाहिए। अगर आप शौच के लिए जाने वाले हैं तो वजन ना तौलें। ऐसे वक्त में भी वेट ज्यादा दिखता है।

-ज्यादा नमक और सोडियम रिच फूड्स खाने की वजह से शरीर में वाटर रिटेंशन की प्रॉब्लम हो जाती है और वजन ज्यादा दिखने लगता है।

कैसे पता करें कि हो रहा वेट लॉस

-अगर आप वजन नापने वाली मशीन पर खड़े होने पर वजन घटा हुआ नहीं पाते तो घबराएं नहीं। रोज वजन घटने की बजाय बढ़ा हुआ दिख रहा तो इस तरह पता करें कि आपकी एक्सरसाइज असर दिखा रही है।

-आपके कपड़ों की साइज बदल गई है और फिटिंग चेंज हो गई है।

-शरीर ज्यादा फ्रेश और स्ट्रांग महसूस करता है। जैसे कि सीढ़ियां चढ़ते वक्त या फिर वेट ट्रेनिंग करना अब पहले से आसान लगता है।

रोज-रोज वजन फलक्चुएट हो रहा लेकिन लंबे समय में वजन घटा है तो इसका मतलब है कि आपकी डाइट और एक्सरसाइज असर दिखा रही है।

स्वेटर-शॉल पर आ गए हैं रोएं तो निकालने के लिए अपनाएं ये तरीके

गर्म कपड़ों में रोएं निकलने से हर कोई परेशान रहता है। एक-दो धुलाई के बाद वूलेन कपड़ों में रोएं निकल आते हैं। जिसकी वजह से महंगे से महंगा कपड़ा पुराना नजर आने लगता है। लेकिन आप कुछ आसान हैक्स की मदद से आप इनको आसानी से हटा सकते हैं।

दिसंबर और जनवरी का महीना आते-आते कई राज्यों में सर्दी ने जोर पकड़ लिया है। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में भी देखने को मिल रहा है। सर्दी से बचने के लिए हम सभी ऊनी कपड़ों का सहारा लेते हैं। लेकिन गर्म कपड़ों में रोएं निकलने से हर कोई परेशान रहता है। एक-दो धुलाई के बाद वूलेन कपड़ों में रोएं निकल आते हैं। जिसकी वजह से महंगे से महंगा कपड़ा पुराना नजर आने लगता है। लेकिन आप कुछ आसान हैक्स की मदद से आप इनको आसानी से हटा सकते हैं। इसके साथ ही आपको कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए। जिससे कि इन कपड़ों में रोएं न लगें। वहीं रोएं की वजह से आपका कपड़ा खराब हो रहा है, तो आप कंघी वाली ट्रिक आजमा सकती हैं।

कपड़ों से क्यों निकलते हैं रोएं

कपड़ों को गलत तरीके से धोने या सुखाने से रोएं निकलने लगते हैं।

ऊनी कपड़े पहनकर सोने से भी कपड़ों में रोएं निकलने लगते हैं।

ऊनी कपड़ों को गर्म पानी से धोने से रोएं भी निकलने लगते हैं।

सस्ती और खराब क्वालिटी का ऊन होने पर रोएं निकल सकते हैं।

कंघी से हटाएं रोएं

आप कंघी की मदद से भी वूलेन कपड़ों से रोएं हटा सकती हैं। सबसे अच्छी बात ये है कि इसमें किसी तरह का कोई खर्च नहीं आता है। आप रोएं वाली जगह पर कंघी को घुमाना होगा। ऐसे में कंघी में रोएं फंसकर साफ हो जाएंगे। ध्यान रखें कि रोएं निकालने के लिए पतली कंघी लेनी होगी।

इन ट्रिक्स से निकालें रोएं

आप पैकिंग टेप की सहायता से आसानी से रोएं निकाल सकते हैं। इसके लिए रोएं पर टेप लगाएं।

इसके अलावा वूलेन कपड़ों को विनेगर में भिगोकर रखें, इससे रोएं आसानी से निकल सकते हैं।

आप शेविंग रेजर की सहायता से भी रोएं निकाल सकते हैं। लेकिन ध्यान रखें कि रोएं निकालते समय कपड़े को कोई नुकसान न हो।

वहीं अगर आपके पास लिंट रिमूवर है, तो यह बेस्ट ऑप्शन होगा।

ऐसे धोएं ऊनी कपड़े

बता दें कि बहुत सारे लोग ऊनी कपड़ों को गर्म पानी से धोते हैं, जिसकी वजह से कपड़ों में रोएं निकल आते हैं। बल्कि गर्म पानी से धोने से इसकी बनावट भी खराब हो जाती है। इसलिए सबसे अच्छा तरीका है कि आप वूलेन कपड़ों को गर्म पानी से धोएं। वहीं अगर आप वूलेन कपड़ों को वॉशिंग मशीन में धोते हैं, तो आपको वूल या डेलिकेट मोड ऑन करें। अगर आप हाथ से इन कपड़ों को धोते हैं, तो ज्यादा बेहतर रहेगा। गर्म कपड़ों को सही तरीके से धोने से गर्म कपड़ों में रोएं की कोई परेशानी नहीं होती है।

साइकल चलाते समय न करें ये गलतियां

अधिकतर लोग खुद को फिट रखने के लिए साइकिल चलाना पसंद कर रहे है और फिटनेस के लिए इसे अपनी रूटीन में शामिल कर रहे है। वैसे भी फिट और एक्टिव रहने के लिए साइकिल चलाना बेस्ट माना जाता है। यदि नियमित रूप से साइकिल चलाई जाए तो इससे बॉडी की पूरी एक्सरसाइज होती है। और टोन्ड और परफेक्ट फिगर पा सकते है। लेकिन साइकिल चलाते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। वरना सेहत से जुड़ी अन्य समस्या हो सकती हैं।

- कुछ लोगों की आदत होती है कि वे बार-बार पानी पीते है, ये बिलकुल अच्छी बात है लेकिन साइकिल चलाते समय अधिक मात्रा में पानी नहीं पीना चाहिए। क्योंकि साइकिल चलाते वक्त अधिक मात्रा में पानी पीया जाएं तो इससे मतली की समस्या होने लगती है। वहीं ज्यादा पानी पीने से बार-बार पेशाब आएगी। जिससे पेट में दर्द हो सकता है। इसलिए साइकिल चलाते वक्त पानी न पीएं।
- साइकिल चलाना फिट रहने के लिए एक बेस्ट विकल्प है। इसलिए साइकिल चलाते वक्त फास्ट फूड या फिर जंक फूड से दूरी रखना ही बेहतर होता है, क्योंकि अनहेल्दी खाने से शरीर में फेट बढ़ता है। इससे आप सुस्त महसूस करेंगे।
- साइकिल चलाने से पहले स्ट्रेचिंग न करें। वैसे आमतौर पर वर्कआउट से पहले स्टेचिंग की सलाह दी जाती है। लेकिन साइकिल चलाने से पहले स्ट्रेचिंग न करें। इससे मांसपेशियां कमजोर हो सकती है और उनमें खिंचाव आ सकता है। यदि आप स्टेचिंग करना चाहते है तो कम से कम आधे घंटे पहले करें।
- कई बार ऐसा होता है कि हम साइकिल राइड को मजेदार बनाने के लिए स्टंट करना शुरू कर देते हैं। इससे एक्सीडेंट होने की संभावना अधिक रहती है।

सर्दियों में लहसुनी पालक का लुत्फ उठाएं

सर्दियों के दौरान हरी सब्जियां खाना काफी पौष्टिक माना जाता है। पालक खाना सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होती। ठंड के मौसम में लहसुनी पालक का लुत्फ उठाएं, स्वाद इतना गजब सब करेंगे तारीफें।

ठंड के मौसम में साग, पालक और मेथी की सब्जी खूब खाई जाती है। सब्जी मंडी में इस समय पूरे बाजार में हरी सब्जियां नजर आती है। हरी सब्जियां सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती है। पालक के सेवन करने से शरीर को कई पोषक तत्व मिलते हैं। पालक में भरपूर न्यूट्रिशन पाए जाते हैं। इसमें आयरन, मैग्नीशियम, पोटेशियम, कैल्शियम, प्रोटीन और फाइबर मौजूद होता है। इस विंटर सीजन में लहसुनी पालक की सब्जी बनाएं, जो स्वाद और हेल्थ के लिए बढ़िया है। आइए आपको लहसुनी पालक रेसिपी बताते हैं।

लहसुनी पालक बनाने के लिए हमें क्या चाहिए?

- 1 बड़ा कटोरा पालक, उबालकर कटा हुआ
- 1 बड़ा चम्मच घी
- 1/4 छोटा चम्मच जीरा
- 2 बड़ा चम्मच कटा हुआ लहसुन
- 1 छोटा कटा प्याज
- 1 चम्मच कटी हरी मिर्च
- 2 साबुत सूखी लाल मिर्च
- 1/4 चम्मच हल्दी पाउडर
- 1/4 चम्मच मिर्च पाउडर
- स्वादानुसार नमक

तड़का के लिए

- 1 बड़ा चम्मच शुद्ध घी
- 1/2 छोटा चम्मच जीरा
- 1 छोटा चम्मच कटा हुआ लहसुन
- 1 साबुत सूखी लाल मिर्च
- कटा हुआ टमाटर

लहसुनी पालक कैसे बनाएं

– सबसे पहले आप एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा, कटा हुआ लहसुन और साबुत सूखी लाल मिर्च डालें। कुछ समय तक भूने, फिर आप कटा हुआ प्याज डालें, जब तक यह ग्लोडन ब्राउन न हो जाए।

– अब कटी हुई हरी मिर्च, हल्दी और लाल मिर्च पाउडर डालें। कुछ सेकंड के लिए भूनें, फिर कटा हुआ पालक और स्वादानुसार नमक डालें। कुछ मिनट तक भूनते रहें, और परोसने के बर्तन में निकाल लें।

– फिर आफ तड़का के लिए शुद्ध घी, जीरा, कटा हुआ प्याज और साबुत सूखी लाल मिर्च के साथ तड़का तैयार करें। जब तक लहसुन सुनहरा भूरा ने हो जाए तब तक इसे भूनें।

– अब आप इस तैयार किए हुए तड़के को लहसुनी पालक में डाल दीजिए और कटे हुए टमाटर से गार्निश करें।

दलित ओबीसी मतदाता बनाएंगे दिल्ली में सरकार

रमेश सर्राफ धमोरा

दिल्ली विधानसभा के चुनाव में जो संघर्ष देखने को मिल रहा है उससे लगता है कि इस बार मुकाबला नेक टू नेक होने की पूरी संभावना नजर आ रही है। सभी दलो द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिये बड़ी-बड़ी धोषणा की जा रही है। पिछले लोकसभा चुनाव का ट्रेंड देखकर तो यही लगता है कि इस बार भाजपा, आआप व कांग्रेस में से कौन सी पार्टी सरकार बनायेगी यह कोई नहीं बता सकता है। इसका फैसला तो वोट डालकर दिल्ली के मतदाता ही करेंगे।

दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए वोट डालने में अब कुछ दिनों का समय ही शेष रह गया है। वहां चुनाव प्रचार पूरे शबाब पर है। सभी दलों के बड़े नेता अपनी-अपनी पार्टी प्रत्याशियों को जीताने के लिए जमकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। पूरी दिल्ली में चुनावी चौसर बिछी हुई है। सट्टा बाजार में राजनीतिक दलों की हार-जीत के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। दिल्ली में किसकी सरकार बनेगी इसका पता तो 8 फरवरी को मतगणना के बाद ही चल पाएगा।

मगर दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार बड़ी कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। एक तरफ जहां सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) चौथी बार सरकार बनाने के प्रयास में लगी हुई है। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भी चाहती है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में उनकी पार्टी की सरकार बने ताकि केंद्र व राज्य का झगड़ा समाप्त हो। कहने को तो दिल्ली केंद्र शासित प्रदेश है। यहां की सरकार व मुख्यमंत्री के पास अन्य प्रदेशों की तरह पूरे अधिकार नहीं होते हैं। मगर दिल्ली का मुख्यमंत्री होना अपने आप में बड़ी बात है। दिल्ली से ही देश की सरकार चलती है। ऐसे में दिल्ली में जो सरकार बनती है उसके महत्व को नकारा नहीं जा सकता है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार दलित, जाट व गुर्जर मतदाताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होने जा रही है। दिल्ली में 12 विधानसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। यहां करीबन 18 प्रतिशत दलित मतदाता है। दिल्ली की आरक्षित 12 सीटों के अलावा 18 और ऐसी विधानसभा सीटे हैं जहां दलित मतदाताओं की संख्या 15 प्रतिशत से अधिक है। ऐसे में दिल्ली की 30 विधानसभा सीटों पर दलित मतदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण रहने वाली है।

दिल्ली में बवाना, सुल्तानपुर माजरा, मंगोलपुरी, करोल बाग, पटेल नगर, मादीपुर, देवली, अंबेडकर नगर, त्रिलोकपुरी, कोंडली, सीमापुरी, गोकलपुर विधानसभा सीट को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित किया गया है। इसके अलावा करीबन 15 से 20 अन्य ऐसी सीटें है जहां दलित मतदाता निर्णायक भूमिका में रहते हैं। इसलिए दिल्ली विधानसभा की 70 में से करीबन 30 सीटों पर दलित मतदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। 2020 के विधानसभा चुनाव में सभी 12 आरक्षित सीटों पर आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों ने चुनाव जीता था। इसलिए आम आदमी पार्टी का पूरा फोकस दलित मतदाताओं पर है। दिल्ली के अनुसूचित जाति के मतदाताओं में से 38 फीसदी जाटव और 21 फीसदी वाल्मीकि है।

पिछले लोकसभा चुनाव में अनुसूचित जाति के मतदाताओं के लिए देश भर में आरक्षित 84 लोकसभा सीटों में से भाजपा मात्र 30 सीट पर ही चुनाव जीत पाई थी। इंडिया गठबंधन के भाजपा द्वारा संविधान बदलने के नारे के कारण दलित मतदाता भाजपा से छिटककर विपक्षी खेमे में चले गए थे। इसी तरह दिल्ली में भी पिछले दो विधानसभा चुनाव में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सभी 12 सीटों पर आम आदमी पार्टी लगातार जीतती आ रही है। इसलिए अनुसूचित जाति के मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए भाजपा व कांग्रेस इस बार के चुनाव में पूरा जोर लगा रही है।

भाजपा ने 12 आरक्षित सीटों के अलावा दो सामान्य सीटों मटिया महल से दीप्ति इंदौरा व बल्लीमारन से कमल बागड़ी को उम्मीदवार बनाया है। इस तरह भाजपा ने कुल 14 सीटो पर दलित उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। वहीं कांग्रेस ने भी नरेला से अनुसूचित जाति की अरुणा कुमारी को टिकट देखकर कल 13 सीटों पर दलित प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है। भाजपा व कांग्रेस की रणनीति है कि दलित मतदाताओं को आम आदमी पार्टी से दूर किया जाए। आम आदमी पार्टी ने 12 आरक्षित सीटों पर ही अनुसूचित जाति के प्रत्याशियों को टिकट दी है। हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एक बार फिर दलित मतदाताओं का रुझान भाजपा की तरफ होने के चलते वहां भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की थी। इसी से उत्साहित होकर भाजपा अनुसूचित जाति के मतदाताओं की बहुलता वाली सीटों पर विशेष चुनावी प्रबंधन कर चुनावी रणनीति बना रही है।

दिल्ली में जाट मतदाताओं की बहुलता वाली 10 सीटों महरौली, मुंडका, रिठाला, नांगलोई, मटियाला, पालम, नरेला, विकासपुरी, नजफगढ़ व बिजवासन पर आम आदमी पार्टी का कब्जा है। इस बार भाजपा आम आदमी पार्टी से इन सभी 10 सीटों को छीन कर अपनी वापसी का प्रयास कर रही है। भाजपा ने इस बार करीबन 14 टिकट जाट नेताओं को दी है। जिनमें पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा नई दिल्ली से पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सामने चुनाव लड़ रहे हैं। वही आप सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे कैलाश गहलोत भी बीजेपी टिकट पर बिजवासन से चुनाव लड़ रहे हैं। कैलाश गहलोत के भाजपा में जाने से आप के पास कोई बड़ा जाट नेता नहीं रह गया है जो जाट मतदाताओं को आप पार्टी से जोड़े रख सके। जबकि भाजपा ने पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा को अरविंद केजरीवाल के सामने खड़ा कर दिल्ली के चुनाव को रोचक बना दिया है।

दिल्ली में गुर्जर मतदाताओं की भी बड़ी संख्या है। इनके प्रभाव वाली छतरपुर, मुस्तफाबाद, तुगलकाबाद, घोंडा, गोकुलपुरी, ओखला पर आम आदमी पार्टी का कब्जा है। वहीं बदरपुर, करावल नगर व पालम पर भाजपा का कब्जा है। दिल्ली के पूर्व सांसद व बड़े गुर्जर नेता रमेश बिधूड़ी को भाजपा ने मुख्यमंत्री आतिशी मालेर्ना के खिलाफ चुनाव मैदान में उतार कर चुनाव को रोचक बना दिया है।

दिल्ली में मदनलाल खुराना व साहिब सिंह वर्मा के बाद हमेशा बाहरी व्यक्ति ही मुख्यमंत्री बनता रहा है। सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित, अरविंद केजरीवाल, अतिशी मालेर्ना जैसे लोग दिल्ली के मूल निवासी नहीं है। इसलिए दिल्ली के लोग चाहते हैं कि अब की बार दिल्ली का ही रहने वाला नेता दिल्ली का मुख्यमंत्री बने ताकि उसे दिल्ली की असली नब्ज व समस्याओं की बखूबी जानकारी हो। जाट मतदाता चाहते हैं कि साहिब सिंह वर्मा के बाद एक बार फिर उनके बेटे प्रवेश वर्मा को मुख्यमंत्री बनाया जाए ताकि दिल्ली का सर्वांगीण विकास हो सके। वही गुर्जर मतदाता रमेश बिधूड़ी को मुख्यमंत्री बनाने की का मांग कर रहे हैं।

कहने को तो कांग्रेस भी पूरी सक्रियता से चुनाव लड़ रही है। मगर इंडिया गठबंधन में उनके साथी दलों द्वारा आम आदमी पार्टी को समर्थन देने के बाद कांग्रेस का मनोबल कमजोर हुआ है। इसी के चलते कांग्रेस का चुनाव प्रचार भी ज्यादा गति नहीं पकड़ पाया है। ऐसे में मुख्य मुकाबला आप व भाजपा के मध्य माना जा रहा है।

दिल्ली विधानसभा के चुनाव में जो संघर्ष देखने को मिल रहा है उससे लगता है कि इस बार मुकाबला नेक टू नेक होने की पूरी संभावना नजर आ रही है। सभी दलो द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिये बड़ी-बड़ी धोषणा की जा रही है। पिछले लोकसभा चुनाव का ट्रेंड देखकर तो यही लगता है कि इस बार भाजपा, आआप व कांग्रेस में से कौन सी पार्टी सरकार बनायेगी यह कोई नहीं बता सकता है। इसका फैसला तो वोट डालकर दिल्ली के मतदाता ही करेंगे। जिस पार्टी के पक्ष में दिल्ली के मतदाता मतदान करेंगे। वही पार्टी दिल्ली में सरकार बनाएगी।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है।)

संपादकीय

दूर की सोचें राहुल गांधी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी दोनों के प्रति अब समान रूप से हमलावर हो गए हैं। दिल्ली में एक चुनाव सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने साफ-सुथरी राजनीति की बात की थी, लेकिन उनकी सरकार में सबसे बड़ा शराब घोटाला (आबकारी घोटाला) हो गया और वह 'शीश महल'' में रहने लगे। इसी तरह उन्होंने भाजपा, मोदी और आरएसएस पर एक बार फिर देश में नफरत की राजनीति करने का आरोप लगाया।

सच तो यह कि राहुल गांधी को अपनी नीतियों को लेकर स्पष्ट होना चाहिए और यह समझ बनानी चाहिए कि उन्हें कब किसका और किस मुद्दे पर विरोध करना है। केजरीवाल पर उनका हमला लगभग वैसा ही है, जैसा भाजपा के होते हैं। तो क्या यह माना जाना चाहिए कि जो भाजपा का शत्रु है वह राहुल गांधी का भी शत्रु है। यह हास्यास्पद स्थिति है कि केजरीवाल के मामले में राहुल गांधी भाजपा की लाइन ले रहे हैं। जब केजरीवाल जेल में थे तो वह उनकी रिहाई की मांग कर रहे थे और जब दिल्ली के चुनाव में उनकी पार्टी के साथ गठबंधन या समझौता नहीं हुआ तो उन पर तीखा हमला कर रहे हैं। अब राहुल गांधी को यह तय करना चाहिए कि ऐसा करके वह किसको फायदा पहुंचा रहे हैं और किसे नुकसान पहुंचा रहे हैं। दूसरी महत्त्वपूर्ण बात यह है कि अब उनकी मोहब्बत की दुकान वाला जुमला अर्थहीन हो चुका है। जब उनकी मोहब्बत की दुकान उनके गठबंधन 'इंडिया' यानी विपक्षी दलों के गठबंधन के साझेदारी को ही मोहब्बत नहीं दे पा रही है तो बाकी किसे देगी। शायद उनकी मोहब्बत सिर्फ उनके लिए है जो आंख मूंदकर उनके साथ आ जाए और जो उनका अपना ही क्यों ना हो, अगर उनके विरोध में आता है तो वहां उनकी मोहब्बत की दुकान बंद हो जाती है। दरअसल, जरूरत इस बात की है कि कांग्रेस अपने छोटे-छोटे दली स्वार्थ से ऊपर उठकर राष्ट्रीय एजेंडा तैयार करे और उसी के अनुसार अपने राजनीतिक दोस्त और दुश्मन को तय करे। अन्यथा इस समय राहुल गांधी जो कर रहे हैं उससे उनके दोस्त भी दुश्मन होते चले जाएंगे और इसकी भारी कीमत उनकी पार्टी कांग्रेस को चुकानी पड़ेगी?

चिंतन-मनन

एकता में भाषा भी अवरोध

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, उसे भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है. अपनी भाषा के प्रति आकषर्ण होना अस्वाभाविक नहीं है और मातृभाषा व्यक्ति के बौद्धिक विकास का सशक्त माध्यम बन सकती है, इसमें कोई संदेह नहीं. पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकषर्ण होता है, उतना ही आकषर्ण दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है? हमारे पूर्वाचर्यों ने एकता की सर्वोत्तम कसौटी प्रस्तुत की थी। वह है- जो तुम्हारे लिए प्रतिकूल है, वह तुम दूसरों के लिए मत करो। हमारा भाषाई प्रेम उस सीमा तक ही होना चाहिए जहां दूसरों के भाषाई प्रेम से उसकी टक्कर न हो। हर प्रांत का अपना भाषाई प्रेम है।

उनके पारस्परिक संपर्क के लिए एक जैसी भाषा भी अपेक्षित होती है, जो उनके प्रेम को अक्षुण्ण रखते हुए एक-दूसरे को मिला सके। वह राष्ट्रीय भाषा होती है। प्रांतीय भाषा के प्रेम को इतना उभार देना कैसे उचित हो सकता है, जिससे प्रांतीय और राष्ट्रीय भाषाओं में परस्पर टकराहट पैदा हो जाए। राष्ट्रीय एकता के लिए इस विषय पर गंभीर चिंतन आवश्यक है। भाषा की समस्या को मैं सामयिक समस्या मानता हूं। इस समस्या को कभी-कभी उभार दिया जाता है और यह राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती बन जाती है। फिर भी इसमें स्थायित्व नहीं है। इसके आकषर्ण की एक सीमा है। यह लंबे समय तक जनता को आकृष्ट किए नहीं रख सकती। आर्थिक-सामाजिक वैषम्य तथा जातीय और सांप्रदायिक वैमनस्य राष्ट्रीय एकता की स्थाई समस्याएं हैं। इनका समाधान हुए बिना राष्ट्रीय एकता का आधार मजबूत नहीं हो सकता। क्या हित-सिद्धि के भेद की भित्ति पर अभेद का प्रासाद खड़ा किया जा सकता है? क्या हीनता और उच्चता की उबड़-खाबड़ भूमि पर एकता के रथ को ले जाया जा सकता है? ऐसे कभी नहीं हो सकता।

स्वतंत्रता सेनानियों के सपनो का भारत बनाएंगे उनके उत्तराधिकारी!

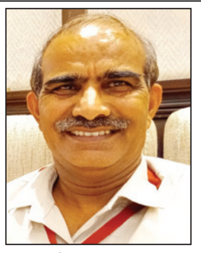

डॉ श्रीगोपाल नारसन

स्वतंत्रता सेनानी परिवार कल्याण महापरिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवम वयोवृद्ध स्वतंत्रता सेनानी डॉ. प्रह्लाद प्रसाद प्रजापति के कुशल नेतृत्व में देश के दो करोड़ स्वतंत्रता सेनानी परिवार एकजुट होने के रास्ते पर चल रहे है,ताकि उनकी ताकत के बल पर स्वतंत्रता सेनानियों के सपनो का भारत बनाया जा सके।इसी मुद्दे को लेकर 16 फरवरी को झारखंड की राजधानी रांची में स्वतंत्रता सेनानी महापरिषद राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रही है।कानपुर के स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी हरिराम गुप्ता की शिकायत है कि सरकार स्वतंत्रता सेनानी परिवारों तरफ ध्यान नहीं दे रही है,जबकि इन्ही परिवारों के बलबूते आज देश आजाद है और हम खुले मन से आजादी की सांस ले पा रहे है। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी परिवारों की संगठन शक्ति बढ़ाने के लिए देश के सभी जिले के स्वतंत्रता सेनानी परिवारो को संगठन की वकालत की।उनका मानना है कि आजादी के आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाले स्वतंत्रता सेनानी के परिवार के लोगो को देश की अग्रिम पंक्ति का नागरिक माना जाना चाहिए ।उनकी दृष्टि में आज के जीवित स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान भारत रत्न की तरह होना चाहिए।वही उत्तराखंड में स्वतंत्रता सेनानी परिवार के उत्तराधिकारी अवधेश पंत का कहना है कि उत्तराखंड में जो सुविधाएं तत्कालीन हरीश रावत सरकार द्वारा शुरू की गई थी,उन सुविधाओं को देश के हर राज्यों में स्वतंत्रता सेनानी के परिवारों को मिलनी चाहिए,क्योंकि देश के महान स्वतंत्रता इतिहास को और उन महान स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को भुलाया नही जा सकता।जिन्होंने इस देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुतियां दी थी ।लेकिन आज उनके नाम और काम को भारत के इतिहास से मिटाने का षड्यंत्र भिन्न-भिन्न तरीकों से किया जा रहा है। मीसा बंदियों को महिमा मंडित कर उन्हें लोकतंत्र सेनानी बताकर उनको स्वतंत्रता सेनानियों से ऊपर करके सम्मानित किया जा रहा है।वही सरकार स्वतंत्रता सेनानियों व शहीदों का अपमान कर उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश में लगी है।लेकिन वह अब तक इसलिए सफल हो पाई है क्योंकि देशभर में फैले स्वतंत्रता सेनानियो व शहीदों परिवारों के लगभग दो करोड़ परिवारो की शक्ति अब एकजुट हो गई है ।स्वतंत्रता सेनानियों व शहीदों के परिवारों को एक माला में पिरोकर उन्हें अपने पूर्वजों के मान-सम्मान और अपने स्वयं के अस्तित्व की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए ही प्रतिबद्धित और संकल्पित किया जा रहा है।स्वतंत्रता सेनानी और शहीदों की शौर्य गाथाएं हमारे देश को उत्तर से लेकर दक्षिण तक तथा पूर्व से लेकर पश्चिम तक एक सूत्र में पिरोने का कार्य करती हैं ।यही इस महापरिषद का एकमात्र उद्देश्य भी है कि हम अपने पूर्वज स्वतंत्रता सेनानियों एवं शहीदों के बलिदान को याद रखें, उन्हें अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करें, जिससे आने वाली पीढ़ियां उनसे प्रेरणा लेती रहें तथा उनका बलिदान कभी भी विस्मृत न होने पाए। इसी लिए महापरिषद के पहल पर स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर देश के विभिन्न महानगरों व नगरों में मार्गो का नामकरण हो रहा है,साथ ही सार्वजनिक स्थलों व भवनों के नाम भी स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर हो ऐसी कोशिश की जा रही है।देश के 26 राज्यो में संगठनात्मक रूप से सक्रिय स्वतंत्रता सेनानी परिवार कल्याण महापरिषद ने राष्ट्रीय स्तर पर जहां 21 पदाधिकारियों को संगठन को आगे बढाने की जिम्मेदारी सौंपी है,वही राज्य स्तर पर भी संगठन की

मजबूती के लिए पदाधिकारी नियुक्त किये गए है,जिनमे नारी शक्ति को भी शामिल किया गया है।महापरिषद के महासचिव के रूप में कुमार पटेल संगठन की धुरी बने हुए है,जो हर माह वर्चुअल माध्यम से संगठन को गति देने के लिए पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे है,वही रांची सम्मेलन को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है।

(लेखक राष्ट्रहित चिंतक एवं स्वतंत्रता सेनानी परिवार कल्याण महापरिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता है)

महाकुंभ की महत्व पर उठते कई सवाल

विनोद तकियावाला

भौतिकवादी इस युग में जहाँ प्रत्येक क्षेत्र में आज विज्ञान का तुती बोल रही है,वही वैश्विक मानचित्र के पटल पर इनदिनों एक बार फिर से भारत की चर्चा चहुँ दिशाओं हो रही है।अवसर है आस्था व आध्यात्म के अविस्मरणीय स्वर्णिम पल की।सर्व विदित रहे कि इन दिनों तीर्थराज्य की राजधानी धर्म नगरी प्रयागराज स्थित गंगा युमना व सरस्वती की पवित्र संगम स्थली पर भव्य व दिव्य महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है।यूँ तो कुंभ चार वर्ष व महाकुंभ 12 बर्ष में लगता है।देश में सिर्फ चार जगहों पर 12 वर्ष के अंतराल में लगता है।

ये चार शहर है हरिद्वार,प्रयागराज, उज्जैन और नासिक।इसी वजह से इन शहरों को कुंभनगरी कहा जाता है।जिनका उल्लेख प्राचीन हिंदू शास्त्रों व पुराणों में भी मिलता है,पौराणिक ग्रन्थ के अनुसार आदिकाल में जब समुद्र मंथन के दौरान अमृत कलश निकला था,जिसे पाने के लिए देवताओं व असुरों में होड़ मच गई थी।तब स्वंय भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण किया और असुरों को छलकर अमृत देवताओं को ही पिलाया था लेकिन इस दौरान कलश के अमृत की कुछ बूंदें छलककर धरती पर आ गिरी थीं।ये बूंदें हरिद्वार,प्रयागराज,उज्जैन और नासिक और इसी वजह से इन्हीं चार स्थलों महाकुंभ का आयोजन होता है।

आप के मन उठना स्वामिक है कि हर 12 साल के बाद ही क्यों आता है।तो आप को बता दे कि अमृत के लिए असुरों और देवताओं के मध्य 12 दिनों का युद्ध हुआ था।मै स्पष्ट कर दूँ कि उस समय के12दिव्य आज के एक दिन 12 साल के बराबर है।इसी कारण महाकुंभ का आयोजन पूरे12साल के अंतर पर होता है।पौराणिक मान्यता के अनुसार कुंभ मेले में स्नान करने से मोक्ष मिलता है व इंसान के सारे पापों का अंत हो जाता है।एक विशेष पक्ष का मानना है कि यह महाकुंभ न केवल धार्मिक आयोजन है,बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत प्रदर्शन भी है।हालाकि यथार्थ की घरातल ये सभी बातें कोपल कलपित लगती है।एक ओर तो हम पृथ्वी से इसरो चन्द्रयान 3 व आदित्या एल वन चाँद व सूर्य की तस्वीर भेज रहे हो।मै यहाँ स्पष्ट कर दुँ कि मै कोई धर्म विरोधी या नास्तिक व्यक्ति नही हूँ।आध्यात्म व धर्म आस्था व धारण की अवधारणाओ पर आधार्रित होता है।आज जो महाकुम्भ के नाम की ब्राण्ड,मॉकेट्रिग व विज्ञापन पोस्टर बाजी,खबरिया चैनल के माध्यम पताल भैरवी राग अलापे जा रहे है,वही दूसरी तरफ शोसल मीडिया के ओछी मानसिकता व हरकतों से कुछ लोग नाराज देख रहे है।इसका बड़ा उद्धाहरण हर्षा रिछारिया,मोनालिसा और आईआई टीन बाबा के नाम से प्रसिद्ध अभय सिंह,ये तीनों ही चेहरे महाकुंभ में ना केवल चर्चित व चर्चा में रहे बल्कि बेलगाम शोसल मीडिया के द्वारा अपने नीजी स्वार्थ सिद्धि के कारण कई चेहरों ने सोशल मीडिया पर सुर्खियां तो खुब बटोरीं टी आर पी व अपनी ब्यूबर की संख्या मिलयन में पहुंचाने के कारण इन चर्चित चेहरो को अध्यात्म व आस्था के संगम को बीच में ही छोड़कर जा चुके हैं।महाकुंभ की शुभारम्भ से ही सोशल मीडिया पर छाई हुई हर्षा रिछारिया को सबसे सुंदर साध्वी का तगमा तक दे दिया गया,लेकिन जब निरंजनी अखाड़े के रथ पर भी बैठ कर शाही सवारी करते नजर आईं तो इसे लेकर संत समाज में विवाद शुरू हो गया। कुछ संतों ने तो हर्षा के संग रथ पर बैठने और भगवा वस्त्र धारण करने पर अपनी आपत्ति तकजताई।यह मामला इतना तुल पकड़ गया है कि हर्षा रिछारिया ने रोते हुए महाकुंभ छोड़ने तक का ऐलान कर दिया।वहीं दूसरी ओर मोनालिसा भी महाकुंभ छोड़कर चली गई है।बताया जा रहा है कि ऐसा करने के लिए उसके पिता ने कहा था।मोनालिसा खूबसूरती की वजह से चर्चा में आई।सर्वविदित रहे कि इंदौर की रहने वाली मोनालिसा रुद्राक्ष की माला बेचने कर कुछ पैसे कमाने के लिए यहाँ आई थी।ताकि वहअपने परिवार के भरण पोषण में मदद करे सके,लेकिन महाकुंभ में उनकी खूबसूरती के कारण चर्चा में आ गई।जिसके कारण कुछ लोक उसकी तुलना सिनेजगत व स्वर्ग लोक की परी व कलाकारों से कर रहे हैं।वही सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में उसकी आंखों पर काफी रिएक्शन आए।मोनालिसा की बहन ने बताया कि वह तो माला बेचने आई थी,यहाँ के लोग मोनालिसा को माला बेचने नहीं देते थे और वीडियो छुप छुप के बनाते थे,इसी के चलते वह चली गई।इसी तरह आई आई टी एन बाबा के नाम से चर्चा में आए अभय सिंह ने आई आई टी बॉम्बे से पढ़ाई की थी।उनपर आरोप है कि उन्होंने गुरु के प्रति अपशब्दों का प्रयोग किया था।इसी के चलते बाबा को अखाड़ा शिविर और उसके आस- पास आने पर रोक लगा दी गई है।इस पूरे मामले को लेकर अखाड़े का कहना है कि संन्यास में अनुशासन और गुरु के प्रति समर्पण महत्वपूर्ण है।इसका पालन न करने वाला संन्यासी नहीं बन सकता है।

उपरोक्त उदाहरण एक छोटा किन्तु कटु सत्य है।जिसकी अनदेखी नही की जा सकती है।कुछ लोगो ने तो महाकुंभ को आस्था व भावना से खिलवाड़ व एक राजनीतिक दल नीजी स्वार्थ से जोड़ दिया है।उनका तर्क है कि अगले वर्ष राज्य में विधान सभा के चुनाव होने वाले है,महाकुंभ के नाम सरकारी खजानों व सरकारी तंत्र व जिस तरह से पानी तरह से बहाया जा रहा है।व्यवस्था के नाम श्रुद्धालुओ के लिए सुविधा के नाम सिर्फ और सिर्फ खाना पुर्ति की गई है।वह सच्चे-संत साधुओं श्रुद्धाओं को कठिनाईयों का समाना करना पड़ रहा है।मौनी अमावस्या के अवसर महत्वपूर्ण के पूर्व घटित घटना ना केवल कई मासूम को जान गवाना पड़ा इसके पूर्व टेन्ट में आग लगी थी। जिसकी खबरे छन छन कर आ रही है।गोदी मीडिया अपने आकाओं की गुनगान व टी आर पी को बढ़ाने के ब्रेकिंग न्यूज देते थक नही रहें। परिणाम स्वरूप महाकुम्भ की महत्व पर कई सवाल उठाए जा रहे। वही भारत जैसे विकासशील देश के लिए सिर्फ ऐसे आयोजन जहाँ करोड़ो जनता को 5 किलो अनाज के लिए लाईनों मे खडा रहना पड़ता है।शिक्षा व स्वास्थ्य व रोजगार के लिए सड़को पर आये दिनो आन्दोलन करना पड़ता हो,धर्म की आड़ में अपने चेहते की फैक्टरी चलें,एक वर्ग के मतदाताओ को रिझा -बहका कर अपने पक्ष में वोट करवा सके। महाकुंभ की महता कम सरकार व उनके चेहते पूँजीपतियों के लिए प्रचार प्रसार के संग मार्केट्रिग कर रहें। एक संत ने तो सबाल उठाते हुए यहाँ तक कह दिया कि क्या बात पुरे कुम्भ मेला क्षेत्र सिर्फ दो व्यक्तियों की फोटो लगी।वही विपक्षी दल के नेता ने कहाँ कि कुम्भ में डुबकी लगाने से महंगाई,भुखमरी व बेरोजगारी देश से समाप्त नही होने वाली है।महाकुंभ की महत्व पर उठते कई सवाल राष्ट्र व समाज के लिए सोचने को मजबुर करती है।क्या यह वही भारत है जिसकी कल्पना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व आजादी के दीवाने, हमारे स्वतंत्रता सेनानी व संविधान निमाताओं की थी ,जिन्होने भारत को धर्म निरपेक्ष व लोकतांत्रिक देश बनाने की सपना देखा था।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

The political & social cost of climate crisis

We are fully aware of the consequences of advancing climate change on our planet's ecology, on our economies and our energy, health and food systems. The political and social consequences of unabated climate change and irreversible global warming are less understood and appreciated. These consequences are already changing societies. They are changing political dynamics.

Both within countries and beyond, climate change is exacerbating income and wealth inequalities. There are increasing differences in the capacity to cope with higher temperatures, for example, through expensive air-conditioning, the ability and wherewithal to move from more inclement to relatively less affected regions and to corner increasingly depleted resources to maintain unsustainable lifestyles longer, even if eventually a ravaged planet will sink all humanity.

Some assume that the use of artificial intelligence will find a way to tackle climate challenge. This is hubris of the worst kind. Time and again, the forces of nature have overwhelmed human artifice and will continue to do so with even greater intensity as the delicate threads that hold life together on our planet are snapped by human exploitation.

ur earth is a tiny speck in the vastness of our Milky Way galaxy. And our galaxy is a speck in the unbounded vastness of the cosmos. Planetary extinction will be an insignificant episode in cosmic time. It is the humility that this should engender among humans which is missing and this lies at the heart of the ecological crisis, of which climate change is only an acute manifestation.

How does climate change alter societies? Climate change is changing weather patterns and vast areas of productive farmland. For example, farmlands in Africa, are becoming arid deserts. This triggers large population movements within countries and across borders. Families are disrupted, children suffer from malnutrition and irreparable psychological damage and the whole social fabric begins to disintegrate.Their vulnerability exposes them to violence and exploitation by a powerful minority, which itself is contested by other such groups. Coercive power becomes the only instrument for holding a community together through fear.hose who migrate across borders are no less exposed to violence and exploitation and the migration issue becomes, as it has in many western societies, an instrument of political mobilisation through fear of the "outsider." The stability of societies in both source countries as well as target countries, is disturbed. As families disintegrate and scatter, their members lose their anchor and identity.Unstable societies are unequal societies; they are victims of oppression and injustice, they are often violent and cannot sustain a democratic polity. Stability does not mean stagnation. It means orderly change and aspirational societies. A sense of threat from the unfamiliar and fear of the outsider justifies authoritarian governance.People become complicit in the limitation and even suspension of their own rights even as they applaud the violation of the rights of those they consider "outsiders". Populism is an expression of this pathology.

There is no doubt that the climate crisis — as also the larger ecological crisis the world confronts today — is the inevitable consequence of the fossil fuel-based pattern of economic development spawned by the industrial revolution of the 18th century. This has progressively become more resource- and energy-intensive and is mainly responsible for accelerating global warming and the larger ecological crisis.Climate change is the result of greenhouse gases, chiefly carbon dioxide, accumulated in the earth's atmosphere, since the dawn of the industrial age. Carbon dioxide stays in the atmosphere for over a hundred years, diminishing only slowly and current carbon emissions add to that stock.One measure of the stock is the concept of particles per molecule (ppm) of air. The higher the density of the ppm, the greater the extent of global warming.

A child's failure in school exams is the system's failure

The role of state governments in the appointment of VCs has been eliminated, though education is a state subject and under the Concurrent List.

A 10-year-old child in class V must be held responsible for her learning outcomes. If her learning outcomes do not meet the 'benchmark' or 'expected level of learning', she must be 'detained'. What should be regarded as the failure of the pedagogy, curriculum and the collective system of schooling has, in effect, been shifted onto the child or the individual learner.The systematic dilution of the Right to Education (RTE, 2009) through successive amendments and the National Education Policy (NEP-2020) is a testament to this shift. The first amendment granted local governments the authority to 'ensure class-level learning', prompting 19 state governments to wholly reject the 'no-detention' policy. The recent abrogation of this policy for centrally governed schools is merely another step toward its inevitable denouement.

Over six decades ago, John Holt authored the seminal work, 'How Children Fail'. Since then, the discourse surrounding education has evolved, gradually acknowledging that no learner, irrespective of his/her situation, is intrinsically unwilling to learn — he/she simply does not wish to be 'taught.' A child cannot, with deliberate intent, choose not to learn.

The educational narrative has also moved, to some extent, away from solely emphasising intelligence quotient in favour of a broader understanding of multiple intelligences. There is no child who is inherently 'slow', 'weak', or a 'failure'. Rather, it is the inadequacy of the learning environment that prevents the child from realising his or her full potential. In this sense, it is the failure of the system, not the failure of the child.Examinations should never serve as instruments of exclusion. Yet, each time we design an exam, we do so with a fixed understanding of merit, deeply rooted in the belief in the 'normal probability curve'. This framework tends to measure and categorise the learner based on rigid, prescriptive standards. Once a student is marked as 'below average' or labelled a 'failure', she is relegated to repeating the grade and the collective gaze of teachers, parents and peers begins to regard her as 'undeserving' or 'fit to fail'.

Multiple studies have revealed that repeating a grade does little to enhance a child's 'learning outcomes' or 'learning abilities'.The promise of additional resources or strategies for improvement — beyond the superficial provision of 'special' attention or reducing the learner to an object of pity — remains murky at best. Simply revisiting the same syllabus for another year fails to address the core needs of the learner, reinforcing only the hollow logic of 'meritocracy'.

What is considered merit is often dictated by those perched in positions of power. If monkeys were to define 'ability' as the capacity to climb a tree, all fish would inevitably fall short. In much the same way, a learner's abilities are shaped not merely by innate potential but also by their 'cultural capital'.

As Bourdieu and countless sociologists and psychologists have pointed out, the learner's capacity to learn is intricately tied to their socio-historical, economic and cultural background — factors over which they have little, if any, control.

Access to quality education, a rich curriculum and effective pedagogy is often determined by the learner's 'social assets'. In India, these assets extend beyond gender and physical abilities to encompass religion, caste, language and geography.The growing clamour for a uniform system of one nation, one education, one curriculum and one examination will only amplify the struggles faced by the already marginalised learners. Take, for instance, a differently-abled, tribal, Muslim girl in a conflict zone. Her ability to meet the prescribed learning expectations under the 'normal probability curve' is not a matter of will or intellect but of a convergence of obstacles beyond her control.India, with its vast network of over 15 lakh schools and a student population exceeding 25 crore, paints a paradoxical picture of promise and neglect. Among these, 1.17 lakh schools operate with a single teacher, while a staggering two crore students remain deprived of access to what can truly be called 'quality' education. The teacher-student ratio is alarmingly skewed in several states, with recent reports revealing that 16 per cent of teacher posts lie vacant. This figure includes the patchwork addition of 'contractual' teachers.If salaries and recruitment processes were indicators of teaching quality, the disparities would be nothing short of scandalous: 23 per cent of schools lack the requisite number of teachers and even more suffer from a deficit of professionally trained educators.Despite lofty proclamations of education as an 'investment', budgetary allocations have persistently missed the mark, falling far below the recommended six per cent of the GDP. The numbers are stark — 79 per cent gross enrolment at the secondary level, yet 3.6 crore children remain out of school. To compound this, 11 per cent of the schools function without electricity and 13 per cent are without libraries, eroding the infrastructure critical for holistic learning.The abolition of the no-detention policy is, therefore, not merely an epistemic injustice, it is also a grave social betrayal. The children who are envisioned as the architects of a developed India by 2047 are, in reality, ensnared in a system that fails them at every level.

This is not a call to abandon the procedures that assess learning, but rather an invitation to reimagine the very constructs of 'pass' and 'fail', of 'retention' and 'detention'. To declare that 'schools are no longer centres of learning but merely mid-day meal distribution hubs' is not only a dismissal of the crushing poverty faced by our people but also a betrayal of the profound human aspiration to cultivate knowledge within these spaces.

The delicate interplay between being a learner and a knower — a dynamic already fragile — risks being irreparably blurred with the dismantling of the no-detention policy. A child may 'fail' as a learner, but under no circumstance should her inherent agency as a knower be stripped away.

Ram Rahim's parole

Poll-eve release raises eyebrows yet again

If a poll comes, can Ram Rahim's parole be far behind? The Dera Sacha Sauda chief has been released from jail after being granted a 30-day parole — just a week before the Delhi Assembly elections. He has been finally allowed to visit his dera in Sirsa; this privilege has been given to him for the first time since he was awarded a 20-year jail sentence in 2017 for raping two of his disciples. It is not uncommon for the dera head, who continues to wield influence in the region, to be freed on parole or furlough whenever Punjab, Haryana or neighbouring states go to the polls. He was granted a 20-day parole in October last year ahead of the Haryana Assembly elections. The move had triggered allegations that the ruling BJP was pulling out all the stops to dent the Congress' prospects. And we all know which party had the last laugh.Ram Rahim's advocate has rightly said that every prisoner

has the legal right to apply for parole. However, the devil is in the timing. The dera head is known for his covert ways of telling his supporters whom they should vote for. He might be a convict in rape and murder cases, but there is no dearth of his followers who are convinced that he has been framed.The BJP has been out of power in Delhi for the past 26 years. Looking to turn the tables on AAP at long last, the saffron party is going the whole hog in wooing voters. Ram Rahim can do his bit by working behind the scenes. His repeated paroles and furloughs have invited criticism from political and religious leaders of Punjab, where he continues to be reviled for his alleged role in sacrilege incidents. But Punjab is not a priority in the BJP's current scheme of things. The party has no qualms about antagonising Sikhs because Ram Rahim's release holds the promise of electoral gains in Delhi.

FM must raise the bar for growth

A budgetary stimulus will underscore the fact that the India story is for the long term

The 2025-26 Budget proposals are being formulated in the backdrop of a grim domestic and international scenario. On the domestic front, slowing demand has led to tepid financial results for corporates. The stock markets are volatile, with bears being rampant for the first time in several years. Both Sensex and Nifty have fallen by about 12 per cent since September, largely due to an outflow by foreign institutional investors (FIIs).rowth seems to be sluggish, with the first advance estimates of national accounts projecting 6.4 per cent for FY 2025 as against a healthy 8.2 per cent in FY 2024. The geopolitical outlook also remains dismal amid an uneasy truce in the Israel-Hamas war, while the conflict in Ukraine shows little signs of ending soon. Moreover, US President Donald Trump looks set to upend American policies in a wide swathe of areas, especially trade, and this could affect India.

However, there is a ray of hope. The slowdown in the first half of the current fiscal is now being made up for with reports of rising rural consumption owing to higher agricultural output and the impact of direct benefit schemes. Urban demand continues to be laggard, but it is here that budgetary policies could make a significant impact. Providing income tax relief at the lower end of the spectrum could bring more money in the hands of the urban middle class. It is this segment that has provided buoyancy in direct tax revenues in recent years. A calibrated reduction in the lower tax slabs could give a much-needed fillip to urban consumption.The urgent need to bring about greater simplification and rationalisation of direct taxes cannot be overemphasised. Much has been done in recent years on this score, but an even greater paring of tax rules and regulations is required. Shifting income tax filing to the online route was a major leap in this direction; government websites need to be upgraded to world-class levels as well, given the enormous information technology expertise available in this country.The Goods and Services Tax (GST) must also be rescued from the maze of Byzantine regulations that are now even being commented upon by the global media. Popcorn tax slabs, symptomatic of the tax bureaucracy's overzealousness, hit the headlines. It may not strictly come under the purview of the Budget, but a signal of intent on ironing out complexities would be welcome.

The focus of Finance Minister Nirmala Sitharaman must be, however, on stimulating economic growth in view of the slowdown in FY2025. The slump in the second quarter was largely due to sluggish public spending during the General Election. The effort should be to make up for this in FY2026 by ensuring that capital expenditure remains on track so that the engine of growth is revved up yet again. It may ultimately be followed by a much-awaited cut in interest rates by the Reserve Bank of India, thereby providing an even greater momentum to the economy.There are two key sectors that can also contribute to a revival in the coming financial year and need greater support. These are micro, small and medium enterprises (MSMEs) and export-linked industries. The MSME sector, one of the most vibrant segments of the economy, faced serious challenges during the Covid-19 pandemic. Credit assistance provided at the time did not ameliorate conditions adequately for these enterprises, which also had to face crippling payment delays from both public and private sectors. A package of measures to provide easier credit and repayment facilities would revitalise a sector that generates an enormous number of jobs.The export-oriented sector poses greater challenges in the light of the Trump

administration's plans to raise tariffs. The extent of tariff hikes on imports are not known yet, but an increase seems inevitable. While tariffs may go up higher for countries like China, there is no certainty that Indian goods will benefit in terms of getting a comparative advantage. Export units need to be given assistance to be able to compete with economies, again like China, where heavy state subsidies are the norm.

It is also a good time to gradually bring down tariff walls built in recent years to protect the domestic industry in view of the 'Make in India' programme. This is not merely to blunt the attack from the US over high tariffs, but also to align these levels with international levels. Such a move could go a long way towards plugging this country into global supply chains.In contrast, Trump's new policy directive on oil is likely to have a positive outcome for this country. His exhortation to the American oil industry to drill more could result in higher output and lower prices. World crude rates have already fallen from $80 to $78 per barrel since he made these comments. Any price softening will come as a relief by reducing the huge oil import bill and thereby the current account deficit as well.The proposals should also provide a conducive climate for higher investment, both from domestic and foreign sources. A critical element needing greater attention is the ease of doing business. Even the recent annual corporate summit at Davos became an occasion for several economists to highlight the urgency of improvement in this area. Undoubtedly, much has been done in recent years to cut red tape, but much more work is needed to make it easier to invest and run a business.

As for the volatility in equity markets, the budgetary proposals may not curb short-term trends of FIIs pulling out and moving to places giving higher returns, like the US. But a stimulus to growth will underscore the fact that the India story is there for the long term. It would also ensure that the more viable foreign direct investment flows pick up significantly. The Finance Minister's aim must be to push growth to the range of 7-8 per cent. Only then will it be possible to come closer to the target of becoming a developed economy by 2047.

Axis Bank launches Devanagari PIN for safer banking. Here's how it works

NEW DELHI. Axis Bank has come up with a unique solution to increasing digital security. In a first of its kind move, they've unveiled the Devanagari PIN, blending technology and tradition to create a banking PIN that's as personal as your favourite memory, but much harder for cyber criminals to crack.

"Your banking PIN can be as memorable as your favourite book, movie, or dish and yet almost impossible for scammers to guess because with Devanagari PIN you can create a secure and unique PIN! The possibilities are endless when it comes to creating your PIN! Devanagari PIN lets you turn any word into a secure and personalised banking PIN. Head to http://devanagaripin.com, type any word and create a strong banking PIN," Axis Bank said on X.Instead of predictable numbers, this innovation hides digits within the Devanagari script, allowing users to turn familiar words into ultra-secure PINs. Whether it's your favourite mantra, a childhood nickname, or even a beloved dish, your PIN can now be personal, memorable, and almost impossible to guess.

STEPS TO GET YOUR DEVANAGARI PINVisit www.devanagaripin.com

Enter a word of choice in Devanagari

Generate a secure PIN for banking transactions

One of the most common ways fraudsters gain access to accounts is by guessing weak PINs or using phishing techniques to trick users into revealing their banking details. This is why experts suggest using strong passwords and PINs that are not easily predictable.

Market hoping for capital gains tax cut

NEW DELHI. Foreign portfolio investors (FPIs) have been pulling out of the Indian equity markets in droves -- FPIs have been net sellers to the tune of R1.74 lakh crore since October

Several factors are attributed to capital outflow including Trump's policies, overheated Indian market and a relatively poor economic forecast.

However, many in the market believe India's aggressive tax policies have not helped either.

The government in last year's budget increased tax on short-term capital gains from equities from 15% to 20%, and on long-term capital gains from 10% to 12.5%.With the budget around the corner, the investor community is hoping against hope for a possible cut in capital gains tax or removal of securities transaction tax (STT). It must be noted that STT was brought in 2004 after removing the long-term capital gains tax on equities.

In 2018 when the government brought back LTCG tax, it did not remove STT (currently at 0.1% on delivery-based sale and purchase of shares). Sameer Arora, founder and fund manager, Helios Capital Management, in a recent post on X said one way to show how wrong the FPIs are in selling Indian stocks is to cut long-term capital gains tax rate to 10%.While Arora's post reads like a light-hearted response to well-known investor Shankar Sharma's angsty column on how India has failed to stop foreign investors from exiting Indian markets, the general sense among investors is that the government was wrong in increasing capital gains tax in the first place.Venkat Nageswar Chalasani, chief executive the Association of Mutual Funds in India (AMFI), says the industry hopes the Budget would prioritise investor confidence by restoring indexation benefits for debt funds and rationalising the capital gains tax regime.

Government unveils Rs 100 crore credit guarantee scheme to strengthen MSME manufacturing sector

NEW DELHI. Government on Wednesday approved a Mutual Credit Guarantee Scheme aimed towards improving the credit availability for micro, small and medium manufacturing sectors, aligning with the goals set under the Make in India Union Budget 2024-25 for the MSME sector.The scheme will offer 60 per cent guarantee coverage through the National Credit Guarantee Trustee Company Limited (NCGTC) to Member Lending Institutions (MLIs) for loans up to Rs 100 crore, helping eligible MSMEs finance the purchase of equipment and machinery.

This credit will enable MSME industries to purchase plant, machinery, and equipment, giving a boost to the sector and strengthening the Make in India initiative.The finance ministry, in a press release, revealed that the manufacturing sector currently contributes 17 per cent to India's GDP, providing jobs to more than 27.3 million workers. It further added that PM Modi's vision of 'Make in India, Make for the World' aims to increase this share to 25 per cent of GDP.

Features of the scheme

The borrower should be an MSME with valid Udyam Registration Number and the loan amount guaranteed should not surpass Rs 100 crores.

Though the project cost could be higher, 75 per cent of it should be utilised for the equipment and machinery.In case the loan amount is Rs 50 crore or less, the borrower can repay it over a maximum of 8 years. They are also granted a 2-year break at the start, during which they don't have to pay the principal amount, only interest (this is called a moratorium period).If the loan is above Rs 50 crore, the repayment period and moratorium period can be extended further.Borrowers must pay 5 per cent of the loan amount upfront when applying for the guarantee cover under the scheme.

The Scheme will be applicable to all loans sanctioned under MCGS-MSME during the period of 4 years from the date of issue of operational guidelines of the scheme or till total guarantee of Rs 7 lakh crore is issued, whichever is earlier.

Chinese-made AI model DeepSeek safe for use in India, says government source

What sets DeepSeek apart from others is the company's claim that the new release was built at a fraction of the cost of industry-leading models such as OpenAI.

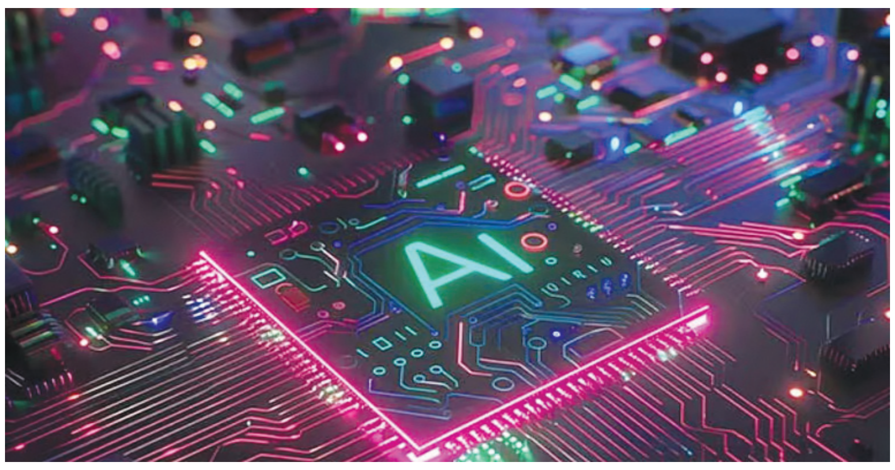

NEW DELHI. DeepSeek, a Chinese-made artificial intelligence (AI) model, is safe to use in India, according to a source from the government. The source also assured that there are no concerns regarding data transfer to China.

"It is safe to use in India. I can assure you there is no data transfer of Indian users' information to China when using this chatbot," the source stated. DeepSeek, a little-known Chinese start-up, has caused a stir in the global tech sector with the release of its low-cost AI model. It functions similar to Google's Gemini and OpenAI.The latest version of DeepSeek was released on January 20, and it impressed AI experts. What sets DeepSeek apart from others is the company's claim that the new release was built at a fraction of the cost of industry-leading models such as OpenAI.This led to significant market impact, with chip-making giant Nvidia losing nearly $600 billion (£482 billion) in market value on Monday—marking the biggest one-day loss in the US history. US President Donald Trump called DeepSeek release a "wake-up call" for US companies, urging them to focus on "competing to win."The model is reportedly as powerful as OpenAI's O1 model, released at the end of last year, in tasks such as mathematics and coding. Like O1, DeepSeek's R1 model is a "reasoning" modelThese models produce responses incrementally, simulating how humans reason through problems or ideas. DeepSeek uses less memory than its competitors, which ultimately reduces the cost to perform tasks. Similar to many other Chinese AI models, such as Baidu's Ernie or ByteDance's Doubao, DeepSeek is trained to avoid politically sensitive questions.

Sensex, Nifty open flat as market awaits cues from Budget, US Fed's next move

NEW DELHI. Benchmark stock market indices opened flat on Thursday with IT and auto stocks declining in early trade, reacting to the statement made by US Fed Chair Jerome Powell.

The S&P BSE Sensex was up by 328 points to 76,860.96, while the NSE Nifty50 gained 135.70 points to 23,298.80 as of 10:50 AM.

Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services said that the recovery in the market is healthy since it is being led by fairly valued largecaps."The rally can sustain if the Budget comes up with some strong growth stimulating measures that can improve the market sentiments too. However, a sustained rally can happen only if the FII selling stops and we get some leading indicators suggesting growth and earnings recovery," he added.In today's early market action, IT and auto stocks which have led the market recovery were trading in red,while utility and financial stocks led the gainers.Power Grid Corporation of India emerged as the top gainer, advancing 2.99%, while Bajaj Finance showed strong momentum with a 2.69% rise. Hindalco Industries continued its upward move, gaining 2.61%, followed by Oil and Natural Gas Corporation (ONGC) which added 2.35%. Cipla rounded off the gainers with a healthy increase of 2.11%.ata Motors witnessed heavy selling, tumbling 6.50%. Indian Hotels Company declined by 1.69%, while Infosys shed 0.72%. UltraTech Cement saw a modest dip of 0.24%, and ICICI Bank ended marginally lower with a 0.18% decrease.Globally, the stock markets remain strong mainly due to the resilient US economy and the down trending interest rate cycle in the US. The Fed's decision to pause yesterday was on expected lines. The Fed chief Powell's statement yesterday that "the central bank will need to see real progress on inflation or easing of labour conditions before making further adjustments" is a clear message that further cuts will be data-dependent," said Vijayakumar.

Broader market indices showed resilience while volatility took a hit. The Nifty Smallcap100 index led the gains with a 0.99% increase, while the Nifty Midcap100 moved up by 0.39%, indicating positive sentiment in the mid and small-sized companies. However, market anxiety appeared to ease as the India VIX, which measures volatility, dropped by 2.61%.

Budget 2025: These 5 popular deductions are not available under new tax regime

NEW DELHI. With only two days to go for the announcement of Union Budget 2025, taxpayers are still confused about the new tax regime.Though the new tax regime which was introduced in Budget 2020, offers concessional tax rates, it removes several popular tax benefits that are otherwise availble under the old tax regime. Some of these deductions that are not available include:

HOUSE RENT ALLOWANCE (HRA)

This is given by the employer to employee for expenses incurred toward rented accommodation. While calculating taxable income under the old regime, the sum of HRA exemption is deducted from taxable income, thereby allowing individuals to save on taxes.

INTEREST INCURRED ON HOME LOAN

It is another popular deduction availble under Section 24(b) in the old tax regime. A tax exemption of up to Rs 2 Lakh can be claimed towards interest incurred on home loan.

LEAVE TRAVEL CONCESSION (LTC)

This allowance under the old tax regime is given by the employer to th employee to travel anywhere within India. A maximum of Rs 36,000 per individual can be availed for exemption from taxes. No international travel can be claimed by the employee under LTC.

CHILDREN'S EDUCATION ALLOWANCE

This allowance under the old tax regime is given to the employees to cover their child's educational expenses, thus easing their financial burden. However, the same is not availble under the new tax regime.

DONATIONS MADE TO A POLTICAL PARTY

Under the old tax regime, Section 80GGB provides exemption for any donations or contributions made to a political party. However, donations made in cash are not eligible for tax deductions under this section.

Dr Agarwals Healthcare IPO: Should you subscribe Check latest GMP

New Delhi. The initial public offering of Dr Agarwals Healthcare has seen a muted response from investors as it enters its second day of bidding process.Dr Agarwals Healthcare IPO aims to raise Rs 3,027.26 crore through a combination of fresh issue of 75 lakh shares and an offer for sale of 6.78 crore shares.Dr Agarwals Healthcare IPO subscribed 0.07 times. The public issue subscribed 0.12 times in the retail category, 0 times in QIB, and 0.06 times in the NII category by January 29.Dr Agarwals Healthcare has set the price band for its IPO between Rs 382 and Rs 402 per share.Retail investors need to apply for at least one lot, which consists of 35 shares, requiring a minimum investment of Rs 14,070. For small non-institutional investors (sNII), the minimum application size is 15 lots (525 shares), translating to an investment of Rs 2,11,050. Meanwhile, large non-institutional investors (bNII) must apply for at least 72 lots (2,520 shares), amounting to Rs 10,13,040.

SHOULD YOU SUBSCRIBE?

"We believe its organic growth strategy and focus on expanding the primary facility network position it well to capture this growing demand. Hence, looking at all attributes we recommend our investors to "SUBSCRIBE" the Dr. Agarwal's Health Care Ltd IPO for long term perspective only," said Rajan Shinde, Research Analyst, Mehta Equities Ltd."At the upper price band of Rs.402,DAHL is available at a P/E of 133.6x (FY24), which appears expensive compared to peers. However, considering the company's plans to expand its presence across India by establishing new facilities, strengthening its brand image, and its consistent revenue growth over the years, we recommend 'subscribe' on a long-term basis," said an IPO report from Geojit.The initial public offering (IPO) of Dr Agarwal's Healthcare opened for subscription on January 29, 2025, and will remain open until January 31, 2025.

LATEST GMP

The grey market premium (GMP) for Dr. Agarwal's IPO has seen a decline in the official market.

The latest GMP was Rs 5 as of January 30, 2025, at 8:32 AM. Given the price band of Rs 402, the estimated listing price is around Rs 407, factoring in the latest GMP. This suggests a potential gain of approximately 1.24% per share.

The allotment of shares is expected to be finalised on Monday, February 3, 2025. The company's shares are set to be listed on the BSE and NSE.

Kerala startup Graamyam helps artisans go global with handmade, eco-friendly products

Highlighting the problems plaguing the sector, she says lack of revenue makes the younger generation ditch craft work.

KOCHI. Products from Kerala artisans have great demand in the international market. But these artisan communities struggle for visibility as they are unable to feature their products on a global platform.Aiming to help change this situation, Biju George — a mechanical engineer by training but with more than 20 years of experience in the IT field — and Rakkee Thimothy — a researcher from the Jawaharlal Nehru University — shared a dream of developing a business model that would improve the reach of Indian craft in the global market.That was the time they were relocating to Kerala. And they founded a social startup, Graamyam, which is now bringing joy into the artisan communities across the state."We wanted to make a change in the lives of rural craftspeople," Rakkee tells TNIE.

Highlighting the problems plaguing the sector, she says lack of revenue makes the younger generation ditch craft work. "Another major issue with traditional crafts is the absence of innovation in design and process. The laborious processes make the products costly and unaffordable to a large section of society," she adds.Further, the artisans are unable to generate interest in modern society for traditional crafts. "The sector also suffers from poor awareness in society about the quality and value of a traditional handicraft. Over the years, we have lost many valuable crafts because of a lack of patronage. Even now, many crafts are going through an existential crisis," Rakkee points out.

But what does Graamyam do?

"Graamyam is an e-commerce platform that exclusively deals with handmade, eco-friendly, and sustainable products. At Graamyam, we partner with the communities to introduce new designs and markets, thereby providing the artisans with better prices for the products," she says.The platform works with more than 70 craftspersons in 15 communities across Kerala.

"We work with handloom weavers, potters,

and ethnic communities crafting natural fibre and bamboo into home decor products," she say.Graamyam also has special initiatives for women to ensure they continue in the trade.

"For example, Killimanagalam mats are made by a group of women weavers. The unit was in a terrible condition. The first thing we did was to fund the maintenance of the building to ensure a safe working place for the women. We continued to use the same model for other communities too," Rakkee says.And the fact that the initiative has touched the lives of these artisan communities is evident in the feedback of Sudhakaran, the secretary of Killimangalam Mat Weaving Society. "If Graamyam hadn't reached out to us, closing the unit would have been the only option left before us," he says.The platform features over 150 products ranging from terracotta, bamboo, wood, natural fibre and handloom cotton to metal items. "We are a very young startup, founded in 2019. We help the artisans create innovative designs to appeal to the aesthetics of modern society," Rakkee says.Currently, they are in the process of establishing production lines and links with craftspersons in Kerala. "We will diversify to other southern states soon and then cover craft communities in other parts of the country," she says.

With plans in place to make Graamyam a global brand for home decor, the founders are in talks with big lifestyle chains in the US.

Supreme Court's word of caution to RG Kar victim's family questioning probe in case

➤RG Kar Rape Murder Case: The Supreme Court cautioned the family of the 31-year-old trainee doctor, who was raped and murdered in Kolkata's RG Kar hospital to be "careful" while hearing their application filed by them questioning the investigation in the case.

NEW DELHI. The Supreme Court on Wednesday cautioned the lawyer appearing for the family of a trainee doctor, who was raped and murdered in Kolkata last year, to be "careful" while arguing an application filed by them questioning the probe in the case.The body of the 31-year-old doctor was found in a semi-naked state in the seminar hall of RG Kar Medical College and Hospital on August 9 last year. The trial court on January 20 sentenced Sanjoy Roy, the lone convict, to life imprisonment till death in the case.

"Just be a little careful. There's a judgment of conviction," said a bench led by Chief Justice of India Sanjiv Khanna, leading to the counsel pointing out that their application was filed before the trial court passed its conviction order.

"The application was filed prior to the judgment of conviction. We are not going to read those parts out," senior advocate Karuna Nandy, appearing for the victim's family, argued.The top court indicated that it was aware of the fact that the application was filed before the conviction order. It stressed its earlier suggestion that a fresh application can be filed

with the same plea, considering the effect that their affirmation may have."Your statements and averments in the application speak volume and are debatable. File a simple application again with your prayers and we will entertain," CJI Khanna said.

"It's for you now then to press it or not. Averments made in your application are there. Everything you say in court may have its consequences," he added.

The counsel for the victim's family, however, pointed out their concern that time was passing under the bridge.The court advised her to file a fresh application and draft it in a way where it may not be misused. "You should have yourself thought about it, withdrawn it and filed against it," it said.Solicitor General Tushar Mehta, supporting what was coming from the bench, remarked the present application would be unintentionally helping the accused and will affect the victim. He urged the counsel to understand what the court was suggesting.

The court also asked the counsel to take instructions and think about whether the top court should still continue to hear the main matter or close it, considering that the High Court is also hearing the case.

It, thereafter, recorded that the counsel filed an application before the order of conviction, and they would like to withdraw and file a fresh application with a similar prayer. The application was dismissed as withdrawn.The Supreme Court also clarified that the protesting doctors, who joined their duties after its order on August 22, 2024, would be regularised and won't be treated as absent. It noted that the intent behind its order was that the said period would be regularised.

Supreme Court orders to end manual scavenging in 6 metro cities

New Delhi. The Supreme Court on Wednesday ordered a complete ban on manual scavenging and sewer cleaning in six major metropolitan cities -- Delhi, Mumbai, Chennai, Kolkata, Bengaluru, and Hyderabad.A bench led by Justice Sudhanshu Dhulia directed the chief executive officers of these cities to submit detailed affidavits by February 13, explaining how and when manual scavenging had been stopped. The court scheduled the next hearing for February 19.

In December 2023, the court instructed the Centre to coordinate with states and gather feedback on efforts to

eliminate manual scavenging and sewer cleaning. A recent affidavit from the Union government revealed that among 775 districts in India, 456 reported no cases of manual scavenging or manual sewer cleaning.

However, after reviewing submissions by the Additional Solicitor General, the court noted a lack of clarity on whether manual sewer cleaning had been completely eradicated in metropolitan cities, as intended in the Supreme Court's October 10, 2023, order."We are of the opinion that the time has come to pass clear directions," the bench stated.In its October ruling, the court had stated that both the central and state governments are legally obligated to ensure the complete eradication of manual scavenging across India.

Jobs, caste survey in Congress manifesto for Delhi polls

NEW DELHI. The Congress on Wednesday released its manifesto for the Delhi Assembly elections, making a slew of promises aimed at job creation, social justice, and public welfare.The party vowed to fill vacant government positions, abolish contractual hiring, conduct a caste survey, and introduce a 33% job reservation for women, apart from the five schemes it announced earlier.At the Delhi Pradesh Congress Committee headquarters, senior party leaders Jairam Ramesh, Pawan Khera, and Delhi Congress chief Devender Yadav unveiled the manifesto, branding it as the party's "guarantee" to the people.

"The Congress party delivers what it promises. This is not just an announcement; it's a guarantee. If we fail to fulfill these commitments, people will have the legal

right to challenge us," Ramesh said. The manifesto aligns with the party's national campaign, 'Jai Bapu, Jai Bhim, Jai Samvidhaan,' emphasizing social justice and constitutional values.

Among its key commitments, the party promised to strengthen the Delhi SC/ST/OBC/Minority and Handicapped Development Finance Corporation, ensuring low-interest loans for marginalized communities to start businesses. It also pledged to establish a Scheduled Castes Commission to address grievances and enhance scholarships for SC students.

Focusing on the city's workforce, the party vowed to introduce an Unorganised Workers' Social Security Act and set up 100 Indira Canteens to provide affordable and nutritious meals. Addressing concerns about education, Yadav accused the AAP government of allowing private schools to dominate the sector.

Rare disease patients in crisis as delays stall national policy implementation

NEW DELHI. Several rare disease patients across India, including many children, are facing a life-or-death struggle due to delays in implementing the National Policy for Rare Diseases (NPRD) 2021, patient advocacy groups said.In open letters to Prime Minister Narendra Modi and Union Health Minister Jagat Prakash Nadda, advocacy organisations and affected families have urged immediate intervention, citing stalled funding and bureaucratic hurdles in rolling out the Rs 974 crore National Programme for Rare Diseases.

HEALTHCARE EMERGENCY

Rare diseases, especially genetic disorders, disproportionately impact children—30 per cent of diagnosed cases do not survive beyond age five without treatment. NPRD 2021 was meant to provide relief, but its delayed execution has left patients stranded without life-saving therapies, claimed

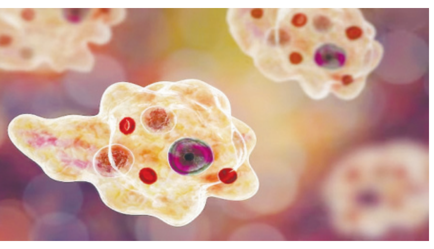

the patients' families.

At top hospitals like AIIMS Delhi, IGICH Bangalore, and IPGMER Kolkata, patients who had previously stabilised on treatment are now reportedly regressing due to lack of care. The Rs 50 lakh one-time financial aid under NPRD 2021 has proven inadequate for chronic conditions such as Lysosomal Storage Disorders (LSDs), including Gaucher, Pompe, Fabry, and MPS I & II.

Patients like Alishba Khan (Gaucher), Ashok Kumar (Gaucher), Imran Ghoshi (MPS I), and Adrija Mudy (Gaucher) have exhausted their funds, leaving families in financial distress and children without essential medication.

COURT ORDERS IGNORED

On October 4, 2024, the Delhi High Court directed the Ministry of Health and Family Welfare to release funds for rare disease patients who had exceeded the Rs 50 lakh cap. The court also ordered the creation of a Rs 974 crore national fund for rare diseases for FY 2024-25 and 2025-26.However, months later, no action was taken, leaving patients without treatment and eroding trust in the government's commitment to rare disease care.

ADVOCACY GROUPS' DEMANDS

In their letter, patient groups have outlined key measures for immediate action:Sustainable Funding for Lifelong Conditions: Remove the Rs 50 lakh cap for chronic and ultra-rare diseases and establish a transparent, long-term funding model.

2 Fugitives Facing Interpol Red Notice Deported To India From Thailand, US

New Delhi. In operations coordinated by the CBI, two fugitives facing Interpol Red Notice and wanted in separate cases in Tamil Nadu and Gujarat were arrested after their return from the US and Thailand on Wednesday, officials said.

Janarthanan Sundaram, accused of siphoning over Rs 87 crore of investors' money through his ponzi scheme, was deported from Bangkok to India and taken into custody at the Kolkata airport by the Tamil Nadu Police, they said.He was wanted by the Economic Offence Wing (EOW) of Tamil Nadu Police for the offences of criminal conspiracy, criminal breach of trust, cheating, default in repayment of deposits/interest and offences committed under Banning of Unregulated Deposit Schemes Act, 2019, among others."The CBI on request of Tamil Nadu Police got Red

Notice issued against the subject from Interpol on June 21, 2023," a CBI spokesperson said.Sundaram who travelled to Bangkok on January 28, 2025 was denied entry on the basis of Red Notice, the agency said.

The CBI, which is nodal body of India on all matters related to Interpol, coordinated with the global body, Indian Embassy in Bangkok and Kolkata airport authorities for his return."He was deported to India from Bangkok, Thailand," the spokesperson said.

On arrival at the Kolkata airport on Wednesday, he was detained and later handed over to Tamil Nadu Police team, which arrived at the airport from Chennai to secure his custody, the officials said.In the second operation, the Global Operations Centre of the CBI which handles such matters closely coordinated with the Gujarat Police and immigration authorities at Ahmedabad airport for return of Virendrabhai Manibhai Patel wanted for 20 years in a case of cheating, forgery and criminal conspiracy.Patel, director of Charotar Nagrik Sahakari Bank, Anand, was wanted in a case of fraud of Rs 77 crore registered by the Gujarat Police in 2002.A Red Notice was issued against him by the Interpol on March 3, 2004, the CBI spokesperson said in a statement.

"Punjab Sarkar" Car With Cash, Liquor Seized In Delhi, State Responds

New Delhi. A large amount of cash and liquor have been seized from a car with a "Punjab government" sticker in election-bound Delhi, police said yesterday, adding that AAP pamphlets were also found in the car. The BJP soon launched an attack on the Aam Aadmi Party, after which the Punjab government clarified the car had a fake registration plate - that the seized vehicle was different from the registered model.Sharing details about the seizure, Delhi Police said the vehicle was parked outside Punjab Bhawan on Copernicus Marg. When searched, the cops said they found wads of cash amounting to Rs 8 lakh, liquor bottles with Punjab stamps, and AAP pamphlets inside the car.

As per the model code of conduct in force in Delhi ahead of the polls, people are barred from carrying more than Rs 50,000 in cash.

A case has been registered at the Tilak Marg police station.The Punjab government said in a statement that as per the official record, the car was registered in the name of Maj. Anubhav Shivpuri, who was posted at the Army Dental College, Pathankot, three years ago. He is a permanent resident of Khadki in Maharashtra, it said.

Moreover, the vehicle registered with the number PB35AE1342 - as seen in visuals of the seized car - was a Ford Eco Sport, but the car seized by Delhi Police belongs to the Hyundai Creta series, said the statement. "This confirms that the vehicle's number plate is forged and fake," said the Punjab government, clarifying that no such car is owned or hired by them.Expressing shock over the incident, Delhi BJP president Virendra Sachdeva said he can't recall such a huge recovery of cash and liquor in his 35 years of public life. "Till now, we thought Arvind Kejriwal institutionalised corruption in Delhi government, polluted Yamuna and Delhi's air but today we understand that he has polluted Delhi's political system too," said the BJP leader.

The matter was "totally fake and laughable", the AAP hit back, stating that the number plate belonged to a different car model than the one seized by the cops. There is no entry record of the car at the Punjab Bhawan, the ruling party added.

"Conveniently (the car was) parked with no driver in sight. Owner details trace back to someone from Pathankot, now in Punjabi Bagh, but originally from Pune. A planted stunt poorly executed and utterly bogus," said an AAP statement.

'Delhi ab AAP ki nahi, Delhi ab hum sabki hogi'

NEW DELHI. "We trust in Modi's guarantee, none else, not even the BJP leadership's," school teacher Meenakshi asserted as she joined women in droves to hear Prime Minister Narendra Modi, who launched his Delhi poll campaign on Wednesday.The presence of so many women marked the PM's rally in the Ghonda assembly constituency in northeast Delhi. They came from all walks of life, literate or otherwise, young and old, rich and poor. They brought friends and relatives along, eager to hear Modi.

Clad in vibrant attire and Modi face masks, they filled the venue hours ahead.Were they happy about the BJP's pledge of direct financial assistance of Rs 2,500 a month? It's more than monetary, Ritu Gaur told this newspaper.

The worker in a private company in Shahdara explained: "However, it is more than just a monetary pledge—it is a reflection of Modi's guarantees that seem to have struck a deep chord with them."

Government high school teacher Meenakshi was passionate: "We trust in Modi's guarantee, none else, not even in the BJP leadership's."Her confident prediction: "Delhi ab AAP ka nahi, hum sab ka hoga (Delhi will no longer belong to AAP, but be ours)."A short distance from the main rally venue, Sharmista Ghosh, in her 50s, and her husband Dinesh Das, a clerk in a Delhi government school, stood near a massive cutout of PM.Das did not see any irony in working for the Delhi government backing Modi. He had but one reason: "I work in the Delhi government, but I trust only in Modi's leadership. Why? Because PM Modi has vision, a mission, and ambition—all combined to make Bharat a developed nation. Visit my native state, Odisha, and you will see the transformation he is bringing there."

Another big stampede at Maha Kumbh, many likely dead; but no official word

New Delhi. There was a second stampede at the Maha Kumbh in Prayagraj just hours apart and 2 km from the spot of the first crowd crush near Sangam Nose that killed 30 people in the wee hours on Wednesday. Piles of clothes and footwear indicate it was a big stampede, but there is no official word on the number of dead and injured. Eyewitnesses, however, have claimed multiple deaths in the stampede at Jhusi.

An exclusive report by Abhinav Pandey of The Lallantop, India Today Digital's sister news outlet, with photojournalist Mohan Kanojia reveals the scale of the stampede. Exclusive footage shows piles of clothes, footwear and bottles being cleared by tractors from the Jhusi site. They also spoke to eyewitnesses who narrated that they saw people being crushed and bodies being recovered from the site.

The spot in Jhusi is across the Ganga and just 2 km from the site of the first stampede near the Sangam Nose. While the first stampede occurred around 1.30 am, the stampede at Jhusi was around 5.55 am.

"There were bodies lying here, and no one was asking about them. People who had suffocated to death in the morning were taken away by 1:30 pm. A female police constable arrived after 4 hours of the stampede. The police were stopping people from shooting videos," Neha Ojha of Jhusi's Haldiram kiosk told The Lallantop.

"There were four dead bodies inside the Haldiram kiosk that had been taken away. There have been 24 casualties here alone. Children were dying from being crushed. There was no one here, no help. A lot is being covered up, and the public deserves to know the truth," another person from the Haldiram kiosk told The Lallantop.

DETAILS OF THE STAMPEDE AT PRAYAGRAJ'S JHUSI

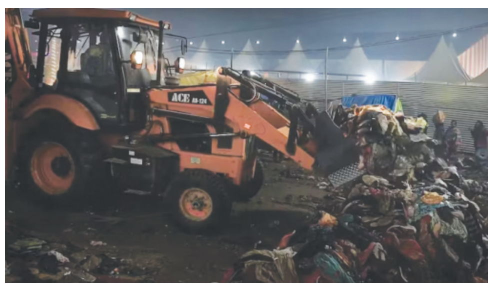

Jhusi, which falls on the north bank of the river Ganga, also offers access to the Sangam site. This is where the stampede took place hours after the one near the Sangam Nose."The crowd was so massive that it was completely out of control. People started breaking through the barricades and pushing forward," Prayagraj-native Harshit told The Lallantop."Many devotees were already sleeping all around. The roads were blocked, and there was no space to walk. Amidst the chaos, many people had their laptops and iPhones stolen," he added.

"When the stampede occurred in Jhusi, there was no reporter present. The issue was never raised anywhere. People only came to know about the stampede at Sangam," said another eyewitness.Neha Ojha of the Haldiram kiosk added that Rs 1,80,000 was looted from the cash counter. "Bodies of elderly people were being pulled out from the rubble of clothes and footwear. In front of a tent, two deaths occurred right there," Neha told The Lallantop.Abhinav Pandey and Mohan Kanojia were the only ones reporting from the spot of the stampede in Jhusi on Wednesday midnight. Because there was no word about the crowd crush there, they reached the spot after almost 18 hours but still got to record the devastation there.A person who was working to clear the debris at the Jhusi site said they had been at work since 6pm.

NEWS BOX

Israeli strike kills at least 10 people in the West Bank, officials say

WEST BANK. Palestinian health authorities said an Israeli airstrike in the northern West Bank killed at least 10 people late Wednesday.Israel's use of a jet fighter to strike the rural village of Tamoun late Wednesday marked the latest escalation in its intensifying crackdown on Palestinian militants in the occupied territory.Residents of Tamoun said that the airstrike hit a house in a crowded neighborhood. The Palestinian Health Ministry cautioned that the death toll was likely to rise.In a statement, Hamas mourned the men killed in Tamoun but did not claim them as members. It called on Palestinians across Israel and the occupied West Bank to mobilize against Israel in hopes of making it "pay the price for its crimes."The tenuous ceasefire between Israel and Hamas is aimed at ending the war in Gaza and securing the release of dozens of hostages held by the militant group, as well as hundreds of Palestinians imprisoned or detained by Israel. The truce does not apply to the West Bank.Under the ceasefire, hundreds of thousands of Palestinians have jubilantly returned to northern Gaza over the past three days. However, their homecoming has been bittersweet as nearly everyone has friends or relatives who died, and many northern neighborhoods have been transformed into an apocalyptic landscape of devastation by more than 15 months of war.

2 dogs get new homes after surviving plane crash that killed rescue flight pilot

World Two dogs that survived an animal-rescue flight crash that killed the pilot have found new homes as the late aviator's friends work to honor him by helping more pets, a shelter director said Wednesday.

The Nov. 24 crash in New York's Catskill Mountains killed Seuk Kim of Springfield, Virginia, a dedicated volunteer who transported cats and dogs from disaster areas and overcrowded shelters to rescue groups. He was bringing three dogs to an Albany, New York-area organization called the Animal Shelter of Schoharie Valley when his 1986 Mooney M20J went down.Kim told air traffic controllers that he hit moderate to heavy turbulence at 5,000 feet (1,520 meters), but then he descended to about 4,300 feet (1,311 meters) and reported that conditions improved to light to moderate turbulence, according to the National Transportation Safety Board's preliminary report on the crash. The report said he didn't contact air traffic control again or make any distress calls.Two of the dogs, a Labrador-mix puppy named Whiskey and a young Yorkshire terrier mix called Pluto, survived. Pluto was internally bruised, while Whiskey was found huddled in the snow with two broken legs. The Lab pup subsequently underwent surgeries at Pieper Memorial Veterinary emergency and specialty hospital in Middletown, Connecticut.After those procedures and lots of physical therapy, 6-month-old Whiskey is on his feet and playing at his foster home in Middletown, and the family that took him in has decided to keep him, said Maggie Jackman Pryor, the executive director of the Animal Shelter of Schoharie Valley.Pluto, meanwhile, recovered quickly and was adopted a few weeks into a home in Averill Park, a community near Albany, Pryor said.The remains of the third dog, a little one named Lisa, went to Kim's relatives at their request.

US passenger jet with 64 aboard collides with Army helicopter near Washington, several feared dead

ARLINGTON. A jet carrying 60 passengers and four crew members collided Wednesday with an Army helicopter while landing at Ronald Reagan National Airport near Washington, prompting a large search-and-rescue operation in the nearby Potomac River.

There were multiple fatalities, according to a person familiar with the matter, but the precise number of victims was uncler as rescue crews hunted for any survivors.Three soldiers were onboard the helicopter, an Army official said.There was no immediate word on the cause of the collision, but all takeoffs and landings from the airport were halted while helicopters from law enforcement agencies across the region flew over the scene.

Inflatable rescue boats were launched into the Potomac River from a point along the George Washington Parkway, just north of the airport, and first responders set up light towers from the shore to illuminate the area near the collision site.At least a half-dozen boats are scanning the water using search lights.

US President Donald Trump said he had been "fully briefed on this terrible accident" and, referring to the passengers, added, "May God Bless their souls."

The Federal Aviation Administration said the midair crash occurred around 9 p.m. EST when a regional jet that had departed from Wichita, Kansas, collided with a military helicopter on a training flight while on approach to an airport runway. It occurred in some of the most tightly controlled and monitored airspace in the world, just over three miles south of the White House and the Capitol.Investigators will try to piece together the aircrafts' final moments before their collision, including contact with air traffic controllers as well as a loss of altitude by the passenger jet.

American Airlines Flight 5342 was inbound to Reagan National at an altitude of about 400 feet and a speed of about 140 miles per hour when it suffered a rapid loss of altitude over the Potomac River, according to data from its radio transponder.The Canadian-made Bombardier CRJ-701 twin-engine jet, manufactured in 2004, can be configured to carry up to 70 passengers.A few minutes before landing, air traffic controllers asked the arriving commercial jet if it could land on the shorter Runway 33 at Reagan National and the pilots said they were able. Controllers then cleared the plane to land on Runway 33. Flight tracking sites showed the plane adjust its approach to the new runway.

West Virginia white couple convicted of forced labor, human trafficking of adopted black kids

CHARLESTON, W.Va. A West Virginia couple accused of neglect and forced labor involving their adopted children was convicted by a jury on Wednesday after eight hours of deliberations.Jeanne Kay Whitefeather and Donald Ray Lantz went on trial in mid-January and each faced over a dozen counts, including forced labor, civil rights violations, human trafficking and child neglect.The couple, who are white, were accused of mistreating their children — all of whom are Black — by locking them in a shed, forcing them to sleep on the floor and use buckets as toilets, and more.The Kanawha County Circuit Court jury convicted Whitefeather on all 19 counts against her, including the civil rights violations. Lantz was found guilty on 12 counts out of 16. He was acquitted of four counts of civil rights violations. Both showed little emotion as the verdict was read.Kanawha County Prosecuting Attorney Debra Rusnak said she cried as she heard the word "guilty" repeated again and again."These cases mean a lot to us — we take a lot of this personally," she said at a news conference afterward. "This is our community, and these are the children of our community. If we're not going to fight for them, then who will?"Whitefeather and Lantz adopted the five siblings while living in Minnesota, moved to a farm in Washington state in 2018, and then brought the family to West Virginia in May 2023, when the children ranged in age from 5 to 16.The couple was arrested in October 2023 after neighbors saw Lantz lock the oldest girl and her teenage brother in a shed and leave the property. A deputy used a crowbar to get them out.Inside the main residence, a 9-year-old girl was found alone crying in a loft with no protection from falling, according to a criminal complaint. A fourth child was with Lantz when he eventually returned. Deputies were later led to the couple's youngest daughter.The children were found in dirty clothes and smelling of body odor, deputies said, and the eldest boy was found barefoot with what appeared to be sores on his feet.

All five were turned over to Child Protective Services after the couple's arrest.During

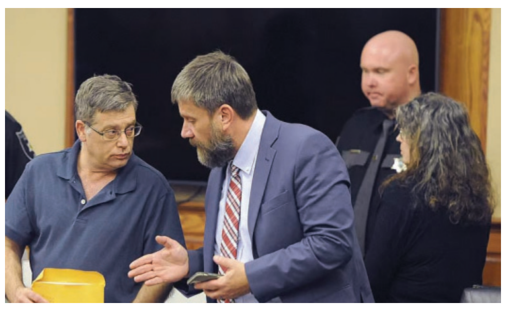

the trial, neighbors in Sissonville testified they never saw the children play and witnessed Lantz make them stand in line or perform difficult chores around the yard, including lifting heavy items. After Lantz noticed the curious neighbors, the children mostly stayed indoors.The couple's eldest daughter, now 18, testified that the outdoor work occurred mostly in Washington and that some of them were forced to use their hands for digging.She also said the children were fed a steady diet of peanut butter sandwiches at scheduled times, some left over from a previous meal. Some kids were forced to stand in their rooms for hours and keep their hands on their heads. The oldest girl and boy shared a room, including the same bucket for using the bathroom while the other held up a sheet for privacy.The couple and their attorneys pushed back on the accusations, with Lantz testifying that the chores were assigned to teach the children responsibility.Whitefeather called the shed the children were found in a "teenager hangout" and said the teens had access to a key and were free to leave as they pleased.Whitefeather's attorney said the oldest boy had attempted to run away from home and the lock on the shed was meant to keep him from trying again.Testimony showed that the children didn't know where a key was — detectives found one out of sight on a cabinet in the shed.Prosecutors said the couple's tactics were less about teaching responsibility and instead about control."The whole point of treating them this way is they become less than human," Kanawha County Assistant Prosecutor Chris Krivonyak said.

American Airlines flight with 64 aboard collides with Army helicopter while landing at Reagan Airport near DC

ARLINGTON. A passenger jet collided Wednesday with an Army helicopter while landing at Ronald Reagan National Airport near Washington, prompting a large search-and-rescue operation in the nearby Potomac River.

Some 60 passengers are believed to have been on the commercial jet, a US senator from Kansas said."A plane, traveling to the Nation's capital from Wichita, KS carrying roughly 60 passengers collided with a Military helicopter," Senator Roger Marshall posted on X, describing the situation as "nothing short of a nightmare."Meanwhile, the U.S. Army confirmed that three soldiers were aboard the military helicopter.Inflatable rescue boats were launched into the Potomac River from a point near the airport along the George Washington Parkway, just north of the airport.President Donald Trump was briefed, his press secretary said, and Vice President JD Vance encouraged followers on the social media platform X to "say a prayer for everyone involved."The Federal Aviation Administration said the midair crash occurred around 9 p.m. EST when a regional jet that had departed from Wichita, Kansas, collided with a military Blackhawk helicopter while on approach to an airport runway.It occurred in some of the most tightly controlled and monitored airspace in the world, just over three miles south of the White

House and the Capitol.Investigators will try to piece together the aircrafts' final moments before their collision, including contact with air traffic controllers as well as a loss of altitude by the passenger jet.American Airlines flight 5342 was inbound to Reagan National at an altitude of about 400 feet and a speed of about 140 miles per hour when it suffered a rapid loss of altitude over the Potomac River, according to data from its radio transponder.The Canadian-made Bombardier CRJ-701 twin-engine jet was manufactured in 2004 and can be configured to carry up to 70 passengers.A few minutes before landing, air traffic controllers asked the arriving commercial jet if it could land on the shorter Runway 33 at Reagan National and the pilots said they were able. Controllers then cleared the plane to land on Runway 33. Flight tracking sites showed the plane adjust its approach to the new runway.

In audio from the air traffic control tower around the time of the crash, a controller is heard asking the helicopter, "PAT25 do you have the CRJ in sight," in reference to the passenger aircraft."Tower did you see that?" another pilot is heard calling seconds after the apparent collision.

The tower immediately began diverting other aircraft from Reagan.Video from an observation camera at the nearby Kennedy Center showed two sets of lights consistent with aircraft appearing to join in a fireball.n a post on social media, American Airlines said it was aware of reports that one of its flights was involved in the incident and said it would provide more information once available.The crash is serving as a major test for two of the Trump administration's newest agency.

Newly spotted asteroid has a tiny chance of hitting Earth in 2032

CAPE CANAVERAL, Fla. A newly discovered asteroid has a tiny chance of smacking Earth in 2032, space agency officials said Wednesday.

Scientists put the odds of a strike at slightly more than 1%."We are not worried at all, because of this 99 percent chance it will miss," said Paul Chodas, director of NASA's Center for Near Earth Object Studies. "But it deserves attention."First spotted last month by a telescope in Chile, the near-Earth asteroid — designated 2024 YR4 — is estimated to be 130 to 330 feet (40 to 100 meters) across.

Scientists are keeping close watch on the space rock, which is currently heading away from Earth. As the asteroid's path around the sun becomes better understood, Chodas and others said there's a good chance the risk to Earth could drop to zero.

The asteroid will gradually fade from view over the next few months, according to NASA and the European Space Agency. Until then, some of the world's most powerful telescopes will keep monitoring it to better determine its size and path. Once out of sight, it won't be visible until it passes our way again in 2028.

The asteroid came closest to Earth on Christmas Day — passing within roughly 500,000 miles (800,000 kilometers) of Earth, about twice the distance of the moon. It was discovered two days later.

Chodas said scientists are poring over sky surveys from 2016, when predictions show the asteroid also ventured close.If scientists can find the space rock in images from then, they should be able to determine whether it will hit or miss the planet, he told The Associated Press. "If we don't find that detection, the impact probability will just move slowly as we add more observations," he said.Earth gets clobbered by an asteroid this size every few thousand years, according to ESA, with the potential for severe damage. That's why this one now tops ESA's asteroid risk list.

The potential impact would occur on Dec. 22, 2032. It's much too soon to know where it might land if it did hit Earth.The good news, according to NASA, is that for now, no other known large asteroids have an impact probability above 1%.

Donald Trump sounds the same, but his White House—so far—couldn't be more different

NEW YORK. The marathon Q&A sessions are back, along with the cream Oval Office rug and the Diet Coke button on the Resolute Desk. So, too, are the late-night social media posts that ricochet across the globe and the barrage of executive orders.But in 10 days, Donald Trump has frozen federal spending and hiring, offered buyouts to more than two million government workers, and ended federal diversity and transgender-rights efforts.

He's fired nearly two dozen independent inspectors general, rewritten American maps, pardoned Jan. 6 protesters who assaulted police, announced plans to detain migrants at Guantánamo Bay, and undone years of his predecessors' actions with the stroke of his Sharpie pen.Trump 2.0 looks and sounds a lot like he did during his first go-around. But this time, the president is far more experienced and surrounded by a team that's spent years planning for its White House return, including a fusillade of action that is testing the bounds of presidential power, sowing confusion and drawing fury from Democrats unsure how to stop him.

"He seems much more comfortable, almost relaxed in how he's doing the job," according to Sean Spicer, Trump's first White House press secretary, who said Trump is showing a new "level of confidence," having spent four years in office."I think he has the people, the policies and the process down. He knows who can get his agenda done, who he wants to surround himself with, the policies he wants to advance, and the process to get that enacted," said Spicer, who now hosts a show on YouTube.US President Donald Trump answers questions from reporters as he signs an executive orders in the Oval Office of the White House, Jan. 23, 2025, in Washington.Trump finds new ways to flex presidential power after returning to White House

An emboldened president

Trump no longer needs to worry about reelection. The Constitution bars a third term. He faces little resistance from a unified Republican Congress, which controls both chambers. The Supreme Court, a third of which he nominated, has ruled that he and future presidents have expansive immunity from legal consequences.But beyond that, Trump has lived through a stunning four years, surviving a pair of assassination attempts, including one in which a would-be assassin's bullet grazed his ear. He was indicted four times, became the first former president to be convicted of a crime—and.

Robert F Kennedy Jr's nomination signals new era of anti-intellectualism in American politics

World The many controversial people appointed to the Trump administration, from Elon Musk to Robert F. Kennedy Jr., have at least one thing in common: They dislike and distrust experts. While anti-intellectualism and populism are nothing new in American life, there has hardly been an administration as seemingly committed to these worldviews.

Take President Donald Trump's decision to nominate Kennedy, a well-known vaccine skeptic, to lead the Department of Health and Human Services. Kennedy, whose Senate confirmation hearing is Jan. 29, 2025, epitomises the new American political ethos of populism and anti-intellectualism, or the idea that people hold negative feelings toward not just scientific research but those who produce it.Anti-intellectual attacks on the scientific community have been increasing, and have become more partisan, in recent years. For instance, Trump denigrated scientific experts on the campaign trail and in his first term in office. He called climate science a "hoax" and public health officials in his administration "idiots."

Skepticism, false assertions

This rhetoric filtered into public discussion, as seen in viral social media posts mocking and attacking scientists like Dr. Anthony Fauci, or anti-mask protesters confronting health officials at public meetings and elsewhere.Trump and Kennedy have cast doubt on vaccine safety and the medical scientific establishment. As far back as the Republican primary debates in 2016, Trump falsely asserted that childhood vaccines cause autism, in defiance of scientific consensus on the issue.

Kennedy's long-term vaccine skepticism has also been well documented, though he himself denies it. More recently, he has been presenting himself as "pro-vaccine safety," as one Republican senator put it, on the eve of Kennedy's confirmation hearing.

Kennedy has mirrored Trump's anti-intellectual rhetoric by referring to government health agency culture as "corrupt" and the agencies themselves as

"sock puppets."If confirmed, Kennedy has vowed to turn this anti-intellectual rhetoric into action. He wants to replace over 600 employees in the National Institutes of Health with his own hires. He has also suggested cutting entire departments. During one interview, Kennedy said, "In some categories, there are entire departments, like the nutrition department at the FDA, that are – that have to go."Populism across political spectrum

In lockstep with this anti-intellectual movement is a version of populism that people like RFK Jr. and Trump both espouse.Populism is a worldview that pits average citizens against "the elites." Who the elites are varies depending on the context, but in the contemporary political climate in the U.S., establishment politicians, scientists and organizations like pharmaceutical companies or the Centers for Disease Control and Prevention are frequently portrayed as such.For instance, right-wing populists often portray government health agencies as colluding with multinational pharmaceutical companies to impose excessive regulations, mandate medical interventions and restrict personal freedoms.Left-wing populists expose how Big Pharma manipulates the health care system, using their immense wealth and political influence to put profits over people, deliberately keeping lifesaving medications overpriced and out of reach – all of which has been said by politicians like Bernie Sanders.The goal of a populist is to portray these elites as the enemy of the people and to root out the perceived "corruption" of the elites.

NEWS BOX

Virat Kohli requests chilli paneer for lunch on Ranji Trophy return

New Delhi Virat Kohli requested for chilli paneer at lunch on Day 1 of the Ranji Trophy clash between Delhi and Railways at the Arun Jaitley Stadium in New Delhi. Earlier, chilli chicken used to be Kohli's favourite dish when the Indian batter used to have non-veg. But in 2018, Kohli turned vegan, given the necessity of staying fit amidst a tight schedule in international and domestic cricket.Before the match against Railways, Kohli snubbed chhole poori, according to a Delhi and Districts Association official. Rather, he decided to have kadhi chawal with his teammates and the backroom staff. Sanjay Jha, the chef, who has known Kohli since his formative days, talked about Kohli's down-to-earth nature despite being a prolific name in international cricket."I have been running a canteen for 25 years and I have known Virat Kohli from his childhood. He used to eat from our canteen. He started his career from here, but he doesn't have any arrogance. Even today, he stays humble while talking to us and the waiters just how a normal person does," Sanjay Jha told Sports Today in an interview.

"Earlier, chilli chicken used to be his favourite. Not only did he use to eat it, but he also recommended it to his teammates. Now he

has chole bhature or kadhi chawal. Once I asked him if we should order something from outside, but he refused, saying that he wanted to have food from our canteen itself," Sanjay Jha said.Back in 2021, the 36-year-old Kohli had shared his diet during an Ask Me Anything' session on Instagram. "Lots of vegetables, some eggs, 2 cups of Coffee, quinoa, lots of spinach, love dosas too. But all in controlled quantities," Kohli wrote.

On Thursday, January 30, Kohli returned to playing in the Ranji Trophy after over 12 years since he last played against Uttar Pradesh in Ghaziabad back in 2012. On Tuesday, Kohli arrived at the Arun Jaitley Stadium and took part in running and fielding drills before taking the field on Thursday.

Champions League: Manchester City advance to playoff with 3-1 win over Club Brugge

New Delhi Manchester City came from behind to beat Club Brugge 3-1 and secure their place in the Champions League playoffs, as big guns Real Madrid, Bayern Munich and Paris St Germain also won to progress, while AC Milan and Juventus will join them despite both losing on Wednesday.

A goal-stacked night of 18 simultaneous kick-offs in the final group matchday of the competition's new format, eventually ended as the traditional format usually ended - with all the big guns still alive.Liverpool and Barcelona were the only teams already guaranteed a place in the top eight and automatic progress to the round of 16 and they stayed first and second respectively despite Liverpool losing 3-2 to PSV Eindhoven and Barca drawing 2-2 with Atalanta.Joining them are Arsenal, Inter Milan, Atletico Madrid, Bayer Leverkusen, Aston Villa and Lille, who produced the performance of the night to thrash Feyenoord 6-1.Although they eventually progressed reasonably comfortably, it was anything but for Man City at the Etihad. The 2023 European champions were exposed just before halftime when Raphael Onyedika brilliantly finished off a Brugge sweeping move.Mateo Kovacic pulled one back for City early in the second half but at that stage they were still heading out of the competition and they needed an own goal by Joel Ordonez to get the lead and then a third by Savinho to relax. PSG, who were in 22nd place and in danger of missing out at kickoff, avoided a nervous night by racing into a 3-0 halftime lead at Stuttgart. Bradley Barcola opened the scoring and a hat-trick for in-form Ousmane Dembele completed the 4-1 win.It was the same score for Atletico Madrid at Salzburg. The visitors were helped by two goals for Antoine Griezmann. Lautaro Martinez got all three goals for Inter Milan in their 3-0 victory over Monaco, who had Christian Mawissa sent off after 12 minutes, but still made the playoffs. Arsenal came from behind to win 2-1 at Girona and rubber-stamp their third-placed finish, while Leverkusen also avoided the two-legged play-offs by beating Sparta Prague 2-0 to finish sixth.

Bayern Munich beat Slovan Bratislava

Lille began the day in 12th but ended in seventh after thumping Feyenoord, who contributed a remarkable three own goals to those scored by Osame Sahraoui, Jonathan David and Remy Cabella. Real Madrid, seeking to extend their record 15 European titles, secured their playoff slot with a 3-0 win over Brest courtesy of two goals from Rodrygo and another by Jude Bellingham.

It was a second successive defeat for Brest but their flying start to the campaign proved enough for them to make the playoffs. Aston Villa led Celtic 2-0 with two Morgan Rogers goals inside the first five minutes but two for Adam Idah made it level at halftime. Ollie Watkins, who missed a penalty, then restored the lead and Rogers completed his hat-trick at the death to lift Villa into the top eightAC Milan began the day in sixth but goals by Martin Baturina and Marko Pjaca combined with an early red card for gave Dinamo Zagreb a 2-1 that dropped the Italians into the playoff, but still left Zagreb missing out on joining them by one place on goal difference.Bayern Munich beat Slovan Bratislava 3-1 with goals by Thomas Mueller, Harry Kane and Kingsley Coman while Benfica had an impressive 2-0 win at Juventus, a result that left both teams in the playoffs.The draw for the two-legged next stage takes place on Friday, where, unlike in previous years, teams from the same country and group can meet. Those games will be played on Feb. 11/12 and 18/19 and the eight winners will then meet the eight top-ranked teams from the group stage in the round of 16 - with the seeded draw for that made on Feb. 21. The final is in Munich on May 31.

Barcelona secure second in Champions League with Atalanta draw

BARCELONA. Barcelona made sure of second place in the Champions League on Wednesday after being held to a 2-2 draw by plucky Atalanta, who failed in their mission for direct qualification for the last 16.Hansi Flick's team finished the new single league phase second on 19 points, ahead of Arsenal and Inter Milan on goal difference thanks to goals from Lamine Yamal and Ronald Araujo.Barca had the chance to claim top spot after Liverpool lost at PSV Eindhoven and twice went ahead, but were pegged back in the 67th and 79th minutes by Ederson and

Mario Pasalic.The match looked set for a grandstand finish when Pasalic poked home Marten de Roon's pass but the Italians' hopes of a historic win at the Montjuic Olympic stadium vanished when Giorgio Scalvini was stretchered off after falling awkwardly on his shoulder with three minutes remaining.Defender Scalvini, who has missed most of this season with a serious knee injury, left the field moments after Atalanta made their last substitution of the evening, leaving Gian Piero Gasperini's team with 10 men for the final minutes.Barca will now face one of Paris Saint-Germain, Benfica, Monaco or Brest in the last 16 while Atalanta will have to brave the play-offs after dropping out of the top eight and finishing ninth.

David Warner on Steve Smith's work ethic: He has cricket ball sandwiches

Former Australia opener David Warner has lavished praise on star Australia batter Steve Smith's work ethic after his magnificent hundred vs Sri Lanka in Galle. Smith scored an unbeaten 104* on Day 1 of the first Test as he brought up his 35th Test century.

The stand-in Australia captain left behind legendary cricketers, namely Sunil Gavaskar, Brian Lara, Mahela Jayawardene and Younis Khan, as he now sits on the sixth spot in the list of most hundreds in the longest format. Following Smith's remarkable ton, his former teammate Warner was full of praise for the batting stalwart as he shared his incredible work ethic."He is an absolutely amazing cricket player and he just works hard. He literally has cricket ball sandwiches. Early in his career, he would be the first in the nets and the last in the nets. You just knew when Steve

was hitting a lot of balls, he was on. It is not by fluke that he is still playing," Warner was quoted by Fox Cricket as saying.Furthermore, Warner also spoke at length about Smith's ability to bat for long periods and revealed how he left him in awe of his batting prowess during his playing days.

Australia finish Day 1 in a commanding position

"His tenacity to bat long periods of time and get himself in and score runs for the team is amazing. Being up the other end and watching him do it with ease and have so much time, you then go back and, 'If I hit that many balls, would I have that much time?'. I don't think so. But it is his natural knack and ability to do that and churn our hundreds for fun and lots of runs for Australia," he added.Meanwhile, Smith was well-supported by Usman Khawaja on Day 1 as the duo got involved in a massive 195-run stand for the third wicket.

India vs England 4th T20I: Samson's weakness against raw pace, finishing woes in focus

PUNE. Sanju Samson's technical weaknesses against express pace along with Rinku Singh's dip in form and fitness issues will be a concern for India when they take on a resurgent England in the fourth T20 International here on Friday.Having fluffed their chances in the third T20I in Rajkot, the penultimate game of the five-match series gives the hosts another opportunity to seal the series going into the final game in Mumbai on February 2.

Suryakumar Yadav's men won the first two games in Kolkata and Chennai.

Samson, the maverick keeper-batter from Kerala, whose sympathetic and loyal fan base never fails to remind everyone of the limited chances he has got, started the T20I season with three hundreds against Bangladesh and South Africa prior to the ongoing series.In the current rubber, he has had scores of 26, 5 and 3 and it is not these numbers that are concerning.In T20 cricket, if one factors in risk, there would always be

lot of less profitable days at the office considering the kind of strokes batters play these days.But in case of Samson, what is of concern is his palpable discomfort against anything bowled above 145 clicks.Against Bangladesh at home, he faced Taskin Ahmed, Tanzim Hasan Shakib while in South Africa Andile Simelane and Lutho Sipamla were among the bowlers.These are not exactly intimidating fast bowlers and he rightfully took them to the cleaners.

These are bowlers who fire in between 130 to 140 clicks and can be hit through the line on flat decks.However, Jofra Archer and Mark Wood are different beasts, bowling between 145 kmph to 155 kmph and that pace is creating problems for Samson.During all three games, the Kerala batter couldn't even get his bat down as deliveries would thud into Phil Salt's gloves.The hard lengths and steep bounce are creating a problem and even on batting shirt-fronts, it is not easy to hit through the line if one doesn't have proper technique or doesn't regularly face this quality of fast bowling.Samson is one of head coach Gautam Gambhir's favourites and it is expected that he would be persisted with going into next year's T20 World Cup.But his technical issues need.

Manchester City rally to avoid Champions League exit, face Madrid or Bayern next

MANCHESTER. Pep Guardiola said Manchester City will be ready compete with "giants" Real Madrid or Bayern Munich in the Champions League play-off round after escaping an embarrassing early exit by beating Club Brugge 3-1 on Wednesday.

The Belgian champions were on course to send City packing before the knockout stages for the first time since 2012 when Raphael Onyedika fired the visitors into the lead just before half-time.City needed all three points after winning just two of their opening seven matches in the competition's new format and turned it around just in time."We were on the verge, 45 minutes from being out. It is an incredible lesson for me, the club that nothing is (taken) for granted," said Guardiola.Mateo Kovacic levelled from the edge of the box before the unfortunate Joel Ordonez turned in Josko Gvardiol's cross.Substitute Savinho then drilled in the third to ease Guardiola's nerves.But victory may be a stay of execution for the diminished English champions up against the might of Madrid or Bayern next month.Guardiola said his side had come through a "million problems" to reach the knockout stage.The City boss is hoing for a refresh as the club's three new signings Omar Marmoush, Abdukodir Khusanov and Vitor Reis can now be registered for the next phase, while others such as Nathan Ake and Ruben Dias could return from injury."In two weeks will be better than we are (now)," added Guardiola. "Against these two giants, one of them we are going to play, we'll see how we arrive."Despite a first defeat in 22 games for Brugge, they also sneaked into the next round in 24th place and will take on Atalanta or Borussia Dortmund next.The drama at the Etihad on a nervous night began

before the action even got underway as a merchandise stand caught fire on the perimeter of the stadium shortly before the teams arrived.Brugge were not daunted by the task that faced them and got their reward just before half-time.The dangerous Christos Tzolis was the creator as the Greek's cross was swept home by Onyedika.Guardiola responded by introducing Savinho for Ilkay Gundogan at the break in what proved to be an inspired change as City posed far more attacking threat in the second period."We were losing, we were out and when you are out, you have nothing to lose," added Guardiola.John Stones headed wide a glorious chance to equalise just seconds after the restart.Kovacic then provided much-needed drive from the City midfield as the Croatian powered forward and slotted in from the edge of the box to level on 53 minutes.But in the nine minutes between City's first and second goals, Brugge could have sent the 2023 champions to an early exit.Tzolis fired too close to Ederson, drilled a shot inches wide and was prevented another clear sight of goal by Gvardiol's last-ditch intervention with a hat-trick of big chances.At the other end, it was Brugge who did the hard work for City as Gvardiol's low cross was turned into his own net by Ordonez.Guardiola furiously kicked a water box during his celebration.The City boss' mood was not helped when Erling Haaland wasted his one huge chance of the evening as Simon Mignolet saved a one-on-one and Savinho's follow-up effort was cleared off the line by Brandon Mechele.But Guardiola was finally able to offer a smile of relief 13 minutes from time when Savinho took down Stones' cross on his chest and blasted in his first Champions League goal.Guardiola even embraced his counterpart Nicky Hayen before the match finished as the two exchanged a handshake during stoppage time.But the City manager is under no illusions that his side will need to be much better if they are to have aspirations of conquering.

Ousmane Dembele hits hat-trick as PSG reach Champions League knockouts

☛ The victory relieves the pressure on PSG coach Luis Enrique and sets the French giants up for a two-legged knockout tie in February in order to progress to the last 16.

STUTTGART. Ousmane Dembele scored a hat-trick as Paris Saint-Germain romped to a 4-1 win at Stuttgart on Wednesday and qualified for the Champions League knockout stages.PSG were at risk of elimination after a disappointing group stage, with three losses and a draw, but were utterly dominant against an outclassed Stuttgart side as they confirmed their place in the play-off round.With six minutes gone, Bradley Barcola headed PSG in front after Desire Doue stood a cross up at the back post following a corner.Stuttgart probed for an equaliser but PSG hit on the counter, Dembele tapping a Barcola pass into an empty net.Always a threat on the counter, Doue, Barcola and Dembele linked up again for PSG's third, with the latter blasting in from the right of the goal.

Dembele thrashed in another superb effort shortly after half-time to snuff out Stuttgart's unlikely comeback hopes.Stuttgart pulled one back after 77 minutes when Willian Pacho scored an own goal, but the damage was already done, with PSG keeping their hopes of a first Champions League trophy alive."There was a lot to be proud of," Dembele told Canal Plus. "We've been doing well for some time now, controlling matches and winning our games."There are players who want to win things here with PSG, who run and fight for the shirt. That's what produces these results."The victory relieves the pressure on PSG coach Luis Enrique and sets the French giants up for a two-legged knockout tie in February in order to progress

to the last 16.PSG will face either of Ligue 1 rivals Monaco or Brest, with Dembele saying "whatever happens in the play-off, it'll be a battle."The loss means Stuttgart are eliminated from the Champions League on their return to the competition after 15 years."We saw today what the top of the football world looks like -- I can say that without jealousy or envy," Stuttgart coach Sebastian Hoeness said."It was incredible how they played."PSG's Champions League strugglesUnbeaten and with a 10-point lead atop the table in Ligue 1, PSG had struggled with a tough draw in the competition's new format.Losses to Arsenal, Bayern Munich and Atletico Madrid, along with a home draw against PSV Eindhoven, had PSG facing an unthinkable early exit in a competition reformed to favour Europe's big guns.Both sides knew a point would likely be enough to reach the knockouts and with PSG desperate to continue in Europe, they had fended off pre-match suggestions they may play for a draw in Germany.Any such speculation was dispelled early when PSG energetically pressed Stuttgart into giving up a corner, with Barcola heading in a clever flick on from Desire Doue.

PSG 'keeper Gianluigi Donnarumma saved twice in quick succession from Stuttgart's Chris Fuehrich before the visitors hit back on the counter, Dembele tapping in an inch-perfect pass from Barcola after 26 minutes.With new signing Khvicha Kvaratskhelia ineligible to play until the knockout stages.

THE PHOTON NEWS

Pragya Jaiswal's Daaku Maharaaj performed exceptionally well despite a competition from Game Changer and Sankranthiki Vasthunam.

Pragya Jaiswal

On Success Of Her Film Daaku Maharaaj: 'Couldn't Have Asked For More'

Pragya Jaiswal is riding high on the success of her latest release, Daaku Maharaaj. The film's release date coincided with the actress' birthday, making it even more special for her. Its blockbuster performance in terms of box-office collections despite competition from Game Changer and Sankranthiki Vasthunam also added to Pragya's excitement. Brimming with joy, the actress recently reflected on her emotions for the film's success. She also addressed the age gap between her and Nandamuri Balakrishna with whom she collaborated for the second time.

In a chat with Hindustan Times, Pragya Jaiswal said, "I feel the year started off with a bang for me, and I couldn't have asked for more. Daaku Maharaaj was a Sankranthi release that coincided with my birthday, and since then, I've been enjoying the love pouring in for the film, especially for my role as Kaveri."

Pragya Jaiswal portrayed an engineer-turned-daaku in the recently released film, something she had never done before. Shedding light on her role, she continued, "No one imagined me as a daaku, and now people are calling me daaku maharani. She's so accomplished, de-glam, hair tied up…it was a different ball game to play Kaveri. She's so different from anything I've ever done before that I was worried when the film was released about how people would receive it."

The primary reason why Pragya Jaiswal said yes to the film was the 'powerful' role of a pregnant woman who also does action. Her character, Kaveri, has to protect her unborn child and fight for a cause that screams the strength of women in general, as per the actress.

The conversation continued as Pragya shared her views on working with Nandamuri Balakrishna in the film. Calling him respectful, collaborative and a nice person, the actress added that there is so much to learn from him.

Speaking about the growing age gap between male stars and their female leads, Pragya opined that casting is done based on a role and added that "as long as justice is done to the story and role, I feel there's nothing to talk about." Before Daaku Maharaaj, Pragya Jaiswal was also seen in Khel Khel Mein, co-starring Akshay Kumar, Taapsee Pannu, Ammy Virk, Vaani Kapoor and others.

Kiara Advani

Reaches Bengaluru, To Shoot 'Intense' Sequence For Yash's Toxic

Toxic will revolve around a powerful drug cartel in Goa that pulls the strings behind a facade of sun-soaked beaches and vibrant culture.

'KGF' fame Yash and Kiara Advani starrer "Toxic" has already managed to create a lot of buzz among movie buffs. Going by the recent update regarding the much-anticipated drama, Yash and Kiara Advani have arrived in Bangalore to kickstart a long and significant leg of the "Toxic" shoot.

A source close to the production house revealed, "After completing the pivotal schedule in Goa, Kiara Advani and Yash have now arrived in Bangalore to begin a long and crucial leg of shooting for Toxic. This schedule will delve into the film's intense narrative, and both Yash and Kiara are thrilled to bring this unique story to life."

The sources further claim that the Bangalore schedule of the drama will incorporate some critical scenes that explore important aspects of the storyline. Prior to this, the makers shot a song sequence for the movie in Goa featuring Kiara Advani and Yash. Renowned choreographer Ganesh Acharya has helmed the track. "Toxic" will see the return of Yash in a dancing avatar after a very long time. Aside from Kiara Advani and Yash, "Toxic" will also see Lady Superstar Nayanthara, and Darrell D'Silva in pivotal roles, along with others. "Toxic" is expected to be set against the backdrop of a bygone era. The film will revolve around a powerful drug cartel in Goa that pulls the strings behind a facade of sun-soaked beaches and vibrant culture.The rumour mills are of the opinion that Nayanthara has replaced Bollywood actress Kareena Kapoor Khan in the movie. Made under the direction of Geetu Mohandas, the drama is looking at a late 2025 release. As the project is still in the shooting stage, further details regarding the film have been kept under wraps for now. In addition to "Toxic", Kiara Advani has also been roped in as the leading lady in Ayan Mukerji's "War 2". With Hrithik Roshan, Jr NTR in the lead, the film will see the return of Kabir Dhaliwal (Hrithik Roshan) combating a new threat to the nation.

Govinda's Wife Sunita Says She Was Troubled By His Link-Up Rumours: 'Dil Par Patthar Rakhna Padta Hai'

Sunita Ahuja, wife of actor Govinda, emphasizes women's independence and shares her journey of dedicating herself to family. She now seeks to carve her own career path.

Sunita Ahuja, wife of actor Govinda, is known for speaking her mind. In a new chat with HT, she said that she believes women should be independent and not depend on their husbands or fathers. She also opened up on her marriage and how she dedicated herself to her family and raised her children without helps. Sunita also spoke about the insecurities she faced as a star wife, sharing how it affected her over the years.

Sunita shared, "I feel every woman should be independent. They shouldn't be dependent on their husbands or fathers. While growing up, I always knew I wanted to get married and settle down. I did. I took care of my family, my husband and kids as I didn't want them to grow up with maids. But now they have grown up and have a life of their own. I was managing Govinda's work but he, too, has stopped working since two years, so now I want to do something for myself and carve a career path. I feel alone so I want to be busy. Judging a comedy show on TV is something I am looking at. Shakal toh achi hai ! Tina is working on a podcast with me and there are few other ideas we are working on."

Being a star wife wasn't always easy for Sunita Ahuja. She shared that she had to stay strong because of frequent link-up rumours. She added, "Dil par patthar rakhna padta hai kyunki kabhi yahan link up, kabhi wahan. But often he would be working non-stop so time hi nahi tha affair karne ka. Ab woh (Govinda) kaam nahi kar raha hai, toh mujhe insecurity hai kahi affair na kar le. 60 ke baad log sathiya jaate hain!" Govinda and Sunita Ahuja have been married for over 30 years. They got married in 1987, keeping it private for a while because of Govinda's busy film career.

Noah Centineo On Reprising His Role As Peter Kavinsky In XO, Kitty: 'How Could I Say No'

The 28-year-old actor was filming The Recruit's second season in South Korea when he got the opportunity to reprise his role in XO, Kitty.

Noah Centineo has quickly become a household name thanks to his diverse roles on screen. From his iconic portrayal of the charming lover boy Peter Kavinsky in Netflix's To All The Boys series to his more recent turn as CIA lawyer Owen Hendricks in The Recruit, the American actor has proven his range. Before reprising his role as Owen in the second season of the spy thriller, Noah was also seen once again as Peter in XO, Kitty, the spin-off from To All The Boys.

In a recent interview with Deadline, the 28-year-old actor discussed how his shooting schedule for the upcoming season of The Recruit coincided with XO, Kitty's, both of which took place in South Korea. During the conversation, Noah said, "(All The Boys producer and XO, Kitty exec producer) Matt Kaplan and one of my friends over at Netflix called me and said, Hey, you're going to be shooting in South Korea the same time that we are. Would you be interested in coming back for XO, Kitty?"His response to this question was positive. "And I said, yeah, anything for Anna." He added, "I think Anna is just wonderful and hard working and super talented, just a professional, and she deserves the world."While he took no time to say yes to the opportunity, Noah was a bit sceptical about reprising his role as Peter Kavinsky. The actor mentioned, "It's a daunting thing to go back to Peter to open that box; you don't want to disappoint or let anyone down. The character is kind of what it is. But actually, it worked out. How could I say no?"Previously, Anna Cathcart, who portrays the titular role in XO, Kitty, shared her experience of working with Noah Centineo.